

Assam Legislative Assembly Debates



OFFICIAL REPORT

THIRD SESSION OF THE ASSAM LEGISLATIVE
ASSEMBLY ASSEMBLED AFTER THE NINTH
GENERAL ELECTIONS UNDER SOVEREIGN
DEMOCRATIC REPUBLICAN
CONSTITUTION
OF INDIA

BUDGET SESSION,

NO. 9 - 15

The 23rd March, 1992

Price 23.50

**CONTENTS
BUDGET SESSION**

No. 9

Dated, the 23rd March, 1992

	Pa
1. Questions and Answers.	1-
2. Discussion During Zero Hour.	41-
3. Call Attention Notice.	46-
4. Matter Under Rule 301.	51-
5. General Discussion on the Budget.	63-1
6. Adjournment.	1
7. Annexure I, II, III.	116-1

DEBATES OF THE ASSAM LEGISLATIVE ASSEMBLY

Monday the 23rd March, 1992

The House met at nine of the Clock in the Assembly Chamber, at Dispur with Shri Jiba Kanta Gogoi Speaker in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

(To which oral replies were given)

Mr. Speaker : Starred Question No. 141. Hon'ble Member Shri Prafulla Kumar Mahanta.

বিষয় । শ্রীমন্ত শংকুবদের কলা ক্ষেত্র।

শ্রীপ্রফুল কুমার মহস্তের স্বাধিতে :

- ★ ১৪১। মাননীয় সাংস্কৃতিক বিভাগৰ মন্ত্ৰী মহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাবনে :
- (ক) শ্রীমন্ত শংকুবদেৱ কলা ক্ষেত্ৰ নিৰ্যানৰ কাম চৰকাৰৰ তৰফৰ পৰা সদ্যহতে বন্ধ বাখিছে নেকি ?
- (খ) উক্ত কলাক্ষেত্ৰ পৰিচালনা সমিতিব সভা ১৯৯২ চনত কেইবাৰ বহিছে ?
- (গ) চৰকাৰে উক্ত কলাক্ষেত্ৰৰ কাম কেতিয়া সম্পূৰ্ণ কৰি উলিয়াব ?
- শ্রীচিত্তেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) যে উত্তৰ দিছে :

- (ক) চৰকাৰৰ তৰফৰ পৰা বন্ধ বথা নাই।
- (খ) বচা নাই।
- (গ) কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ পৰা আৱণ্টিত ধন পোৱাৰ লগে লগে কলাক্ষেত্ৰৰ কাৰণ সম্পূৰ্ণ কৰি উলিয়াব পৰা হব।

★ শ্রীপ্রফুল কুমার মহস্ত : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাবনে যে শ্রীমন্ত শংকুবদেৱ কলা ক্ষেত্ৰ সমিতিখনৰ সদস্য সকল কোন কোন আছে আৰু ১৯৯২ চনত এই সভা কিমু বহা নাই ?

শ্রীচিত্তেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্য মন্ত্ৰী) : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই সমিতিৰ সভাপতি শ্রীচিত্তেশ্বৰ শইকীয়া আৰু সদস্য সকল কৰ্মে, উক্তৰ মহেশ্বৰ নেঙ্গ আয়ুক্ত আৰু সচিব শিক্ষা বিভাগ, উপাচার্য গুৱাহাটী বিশ্ববিদ্যালয়, উপাচার্য ডিক্রিগড বিশ্ববিদ্যালয়, সঞ্চালক, সাংস্কৃতিক বিভাগ, ভাৰত চৰকাৰৰ মানৱ সম্পদ উন্নয়ন সমিতিৰ সভাপতি, ইত্যাদি। কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ পৰা টকা খিলি আহি পোৱাহি নাই। গতিকে কাম আৰম্ভ কৰিব পৰা নাই।

- ★ श्रीप्रफुल कुमार महस्त : माननीय अध्यक्ष महोदय, महि आनिव बिचारिहो ऐ एतियालेके सता किय वहारा होरा नाहि ?
- ★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्य मंत्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आगतेही कैचेहो ये टका आहि पोरा नाहि, सेयेहे सता आदि वहा नाहि ।
- ★ श्रीप्रफुल कुमार महस्त : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदयेजनावने ये एहे “कला क्षेत्र” काबणे दिया मात्र कोनोवाई बेदथल करिछे ?
- ★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्य मंत्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, तेने द्युष्ट एटा अभियोग आहे ।
- ★ श्रीजय नाथ शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, १९९१ चनत एही कला क्षेत्रव काबणे केन्द्रीय चरकावव परा टका दिया हैचिल नेकि ? आक यांनी हैचिल, सेही टका कामत नजगोराकै शृंबि गैगेहे नेकि ? आक मात्र ये बेदथल है आहे सेहीवो उच्चेद कराव किंवा व्यवस्था लैगेहे नेकि ?
- ★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्य मंत्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, केन्द्रीय चरकावक आमि १५ लाख टका बिचारिछिलो । किस्त टका आहि पोराहि नाहि । बेदथलव विषये अभियोग पाहि आहो यांनी टका नोंपोराव काबणेही कोनो काम हातक्क लव परा नाहि ।

Mr. Speaker : Now, Starred Question No. 142

विषयः विड्यालय सम्बन्ध भवन ।

श्रीबमेश्वर नारायण कलितायेश्वरधिकारी :

- ★ १४२। माननीय सांस्कृतिक विभागव मंत्री महोदयेअस्तु ग्राह करिउनावने ।
- (क) गुराहाटी बरीक्क भवनटो अत्याधुनिक विड्यालय सम्बन्ध भवनलै कपास्त्रिवित कराव कथा चिन्ता करिहे नेकि ?
- (ख) एही भवनटोव वाबे किमान पुंजिव आक्टेन दिया हैचे आक केतियाव परा एही कामटो आवड करा हव ?

श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्यमंत्री) ये उत्तर दिलेहो :

- (क) हय, चिन्ता करा हैचे ।
- (ख) बर्तमान दिया नाहि ।

★ **শ্রীবমেন্দ্র নারায়ণ কলিতা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়ে অভ্যর্থন করি জনাবনে যে বৰীল্লু ভৱনটো অত্যাধুনিক রিস্টোর সম্মত ভৱনলৈ কপাস্তুরিত কৰাৰ বিষয়ে কি চিন্তা কৰিছে?

★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্য মন্ত্রী) :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, গুৱাহাটী বৰীল্লু ভৱনটো অত্যাধুনিক ভাৱে শীত-তাপ নিয়ন্ত্ৰিত কৰাৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে। পানীৰ মূ-ব্যৱহাৰৰ কাৰণে গভীৰ নজী-নাদ বহুওৱাৰ বাবস্থা কৰা হৈছে। টেজৰ আঁৰ কাপোৰখন ঘৰ চাস্তিক কৰাৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে।

বৰ্তমান এই ভৱনটোৰ পাদাৰ জেনেৰেটৰ বছওৱা হৈছে। বৰীল্লু ভৱনৰ অতিথি শালা গৃহটো সম্পূৰ্ণ হৈছিল যদিও বাজ্যক সংগীত মহাবিদ্যালয়খন উক্ত গৃহতে চলাই ধকাৰ কাৰণে ইয়াক অতিথিশালা। হিচাবে ব্যৱহাৰ কৰিব পৰা হোৱা নাই। তাৰোপবি বৰীল্লু ভৱনৰ মক্ব আঁৰ কাপোৰৰ কাৰণে কন্ট'ৰ কাৰটেইন কৰাৰ কথা চিন্তা কৰা হৈছে। বৰীল্লু ভৱনটো শীত-তাপ নিয়ন্ত্ৰিত কৰণৰ কাৰণে গড়কাণ্ডালী বিভাগৰ লগত যোগাযোগ কৰা হৈছে।

★ **শ্রীবমেন্দ্র নারায়ণ কলিতা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই বছৰতে কাৰ্য ধিনি আৰস্ত কৰা হ'বনে?

★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই বিক্ষীয় বছৰতে কাৰ্য আৰস্ত কৰা হব।

★ **শ্রীহিতেশ্বৰ ডেকা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মুখ্যমন্ত্রীয়ে অভ্যৱ্যক্ত কৰি জনাবনে যে বাজ্যাখনৰ সংগীত মহাবিদ্যালয়খন অতিথিশালা গৃহতে কৰিয় চলাই থকা হৈছে? দ্বিতীয়তে, ইয়াক স্থানান্তৰ কৰিবলৈ কি ব্যৱস্থা লোৱা হব?

★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই সম্পর্কে মাটি লব পৰা নাই। যদিও এই বিষয়ে চিন্তা কৰা হৈছে। মাটি চাই থকা হৈছে আৰু মাটি জৰ পৰা হব।

★ **শ্রীজ্ঞানাথ শৰ্মা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বৰীল্লু ভৱনৰ দৰে এটা আজ্ঞান কৰিবৰ ভৱনো খিৰ্মান কৰিবৰ কাৰণে চৰকাৰে বিবেচনা কৰিবনে?

★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মেইটো কৰিব পৰা হব।

Mr. Speaker : Now, Starred Question No 143.

ବିଷୟ : ଚିଭିଲ ମହକୁମା

ଆଜିର ଶ୍ରୀଲିଯାକତ ଆଜୀ ଥାନୟେ ସ୍ଵଧିଷ୍ଠିତ ହେବାରେ :

★ ୧୪୩ ମାନନୀୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟେ ଅଳ୍ପଗ୍ରହ କବି ଜନାବନେ :

(କ) ସବପେଟୋ ଜିଲ୍ଲାର କଲଗାଛିଆତ ନିର୍ବାଚନର ସମୟର ଘୋଷନା କବା ‘ଚିଭିଲ ମହକୁମା’ ଏବଂ ସ୍ଥାପନର ବାବେ କାର୍ଯ୍ୟକରୀ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଲୋରା ହବନେ ?

(ଘ) ସଦି ହୁଏ, କିମାନ ଦିନର ଭିତରର ହୁଏ ?

ଶ୍ରୀହିତେଶ୍ୱର ଶଇକୀୟା (ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ) ଯେ ଉତ୍ତର ଦିଇଛେ :

(କ) ବିଷୟଟୋ ଚବକାବର ପରୀକ୍ଷାଧୀନ ହୈ ଆଛେ ।

(ଘ) କୋଣୋ ସିଦ୍ଧାନ୍ତ ଲୋରା ହୋଇ ନାଇ ।

★ ଶ୍ରୀଲିଯାକତ ଆଜୀ ଥାନ : ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, କଲଗାଛିଆତ ମାନନୀୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟେ ନିର୍ବାଚନର ସମୟର ପିଚପରା ବାଇଜ୍ବ ଉଲ୍ଲୟନର କାରଣେ ଏଟା ଚାବ ଡିଭିଜନ କବା କଥା ଆଛିଲ । ଇଯାବ ମାଜ୍ଜତେ ମାନନୀୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟେ ତାଲେ ଯୋରାବ କଥା ଆଛିଲ କିନ୍ତୁ ଯୋରା ନହଲ କାରଣ ଶୁନିବଲେ ପାଇଛୋ ବାସ୍ତା ପଢ଼ିଲି ଭାଲ ନୋହୋରା କାରଣେ ସେଇ ଅମନ୍ତ୍ରୀୟ ଶୁଣିବା ବାଖିଲେ । କିନ୍ତୁ ନିର୍ବାଚନର ଆଗତେ ତେଥେତେ ସେଇ ଅଞ୍ଚଳୀରେ ଗୈହିଲ ଆକୁ ନିର୍ବାଚନର ପିଚତ ଜୟ ହୈ ଆହିଲେ ଚାବଡିଭିଜନ କବି ଦିଯାବ କଥା ଘୋଷନା କବିଛିଲ । କିନ୍ତୁ ଏତିଯା ସେଇ ଭୟତେ ବାଇଜେ ଥରିବ ବୁଲି ଯୋରା ନାଇ ନେକି ।

★ ଶ୍ରୀହିତେଶ୍ୱର ଶଇକୀୟା (ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ) : ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ନିର୍ବାଚନର ଆଗତେ କଂଗ୍ରେସର କ୍ଷେତ୍ରର କାମ କବି ଦିମ ବୁଲି ଭାବ ବାଇଜ୍ବ ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ଦିଇଲି । କିନ୍ତୁ ମେହି ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ପାଲନ କବାର ପରିଚଯ ପୋତା ଆଜିଲେକେ ନଗଲ ।

★ ଶ୍ରୀଲିଯାକତ ଆଜୀ ଥାନ : ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ବର୍ତ୍ତମାନ ଚବକାବ ଜୟ ହେବେ ଯେତିଆ ଚାବ ଡିଭିଜନ ଏଟା ହବ ଲାଗେ ।

★ ଶ୍ରୀହିତେଶ୍ୱର ଶଇକୀୟା (ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ) : ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ତେଥେତେ ମତିଗତି ଶୁଭ ହୁଣ୍କଚୋନ ।

★ ଶ୍ରୀଚିତ୍ରେନ୍ଦ୍ର ନାଥ ମଞ୍ଜୁମାର୍ଗର : ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ନତୁନ କବେ ଯେଣିଲି ଜେଲାଯ ମହକୁମା ଖୋଲା ହଲୋ, ଯେମନ ଶିଳଚର ଜେଲାର ଲକ୍ଷିପୁରକେ ନତୁନ ମହକୁମା ହିସାବେ ଘୋଷନା କବା ହଲୋ ଥିକ ମେହିଭାବେ ହାଇଲାକାନ୍ଦି ଜେଲାର ‘ଲାଲା’କେ ମହକୁମା କବା ହବେ କି ନା ?

★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्यमन्त्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, एই विषये बेलेग प्रश्न लागिब।

★ श्रीआलाउद्दिन चरकार : माननीय अध्यक्ष महोदय, चिभिल महकुमा स्थापन कराब किबा व्यवस्था करिब नेकि ?

★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्यमन्त्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, महकुमा करिब वाबे बेलेग समिति गठन करा आছे। तेंलोके चिन्ता करिब।

★ श्रीआलाउद्दिन चरकार : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमन्त्री महोदये पिचपवा जातिर उत्तरायनव कावणे पपुलेचनव भिन्नित एकोटाकै द्वितीय महकुमा गठन कराब कावणे आमाक आप्सास दिव नेकि ?

★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्यमन्त्री) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मई आगतेह द्वितीय महकुमा अनुमतिह विवेचना करा! ह'ब।

माननीय अध्यक्ष : एतिया प्रश्न नं १४४।

विमर्श—टेकीयाजुलि महकुमा गठन

★ श्रीहिरण्य वराये मुख्यमन्त्री : १४४। माननीय मुख्यमन्त्री महोदये अल्पग्रह करि जनावने :

(क) शोनितपुर जिलात टेकीयाजुलि महकुमा एटि गठन कराब वाबे बाइजे करि अहा आवेदनव प्रति चरकार अवगत ने ?

(ख) यदि अवगत बाइजे दावोब प्रति समान जनाइ चलित बहरते टेकीयाजुलि सदब हिचाबे लै टेकीयाजुलित एटा महकुमा गठन करिबने ?

★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्यमन्त्री)ये उत्तर दिछे :

(क) हय।

(ख) विषयटो चरकारव परीकाधीन है आছे।

★ श्रीहिरण्य वराया : अध्यक्ष महोदय, चरकारव एই विषयटो परीका कर्रोते आक किमान समय लागिब जनावने ?

★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्यमन्त्री) : अध्यक्ष महोदय, एইटो देखा गैছे ये अत्येक समष्टिते एकोटाकै महकुमा लागे बुलि प्रतिबेदन आहि आছे। गतिकै सेठी हिचाबे समय लागिब।

★ **ଶ୍ରୀହିବଣ୍ୟ ବବା :** ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ବାଇଜବ ଦାବୀଗୈ ଚାଇ ଆକ ଢେକୀଆଜୁଲି ଅନ୍ଧଳେ ସାଇଙ୍କବ ସ୍ଵାଧୀନତା ଆନ୍ଦୋଳନର ସମୟର ଯି ଅବଦାନ ଆକ ତ୍ୟାଗ ତାକ ଭାଲକୈ ସମ୍ମାନ ଜନାଇ ମାନନୀୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟେ ଏହି ବହରବ ଭିତରରେ ଢେକୀଆଜୁଲିତ ଏଟା ଚାବ ଡିଭିଜନ ଘୋଷଣା କରିବିବେ ?

★ **ଶ୍ରୀହିତେଶ୍ୱର ଶହିକୀୟା (ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ) :** ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ମଇ ଉତ୍ସବର ବୈଛେ ଯେ ଏହି ବିଷୟଟୋ ବିବେଚନାଧୀନ ହେ ଆଛେ ।

★ **ଶ୍ରୀଶକମଳ ସନ୍ଦିକୈ :** ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ମହକୁମା ଗଠନର ନୀତି କି ? ବାଇଜବ ଦାବୀର ଓପରତ ନେ ଚରକାରର ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଦୃଷ୍ଟିଭ୍ରତୀ ଲୈ ମହକୁମା ଘୋଷଣା କରା ହୟ ?

★ **ଶ୍ରୀହିତେଶ୍ୱର ଶହିକୀୟା :** (ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ) ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ପ୍ରାଣନୀୟ ପ୍ରକରଣେ ଚାଇ ମହକୁମା ଗଠନ କରା ହୟ ।

Mr. Speaker : Now, Starred Question No. 145.

Re : Bilasipara Civil Sub-Division.

Shri Giasuddin Ahmed asked :

★ 145. Will the Chief Minister be pleased to state :

- (a) The date of inauguration of the Bilasipara Civil Sub-Division ?
- (b) How many S.D.Os were posted in the said Sub-Division since its inception ?

Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :

- (a) 14th November, 1989.
- (b) 4 full charge Sub-Divisional Officers, 1 Addl. Deputy Commissioner incharge.

★ **Shri Giasuddin Ahmed :** Sir, may I know the names of those Sub-Divisional Officers and the period for which each of them served there ?

★ **Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) :** The information is as follows :

- 1) Shri Dhrubajyoti Hazarika, ACS- He was there

with effect from 10.11.89 to 5.4.91: He was transferred on promotion:

- 2) Dr. Upendra Nath Bora, ACS—He was there from 5.4.91 to 11.9.91. He was transferred on his own representation.
- 3) Shri Jatindra Laskar, ACS—He was there from 12.9.91 to 28.11.91. He was transferred on promotion.
- 4) Shri Sachindra Nath Barman, ACS—He was there from 28.11.91 to 14.2.92.
- 5) Shri Carol Narzary, ACS—He was as Addl. DC in charge from 14.2.92 till a regular substitute is posted.

★ Shri Giasuddin Ahmed : May I know who was the acting S.D.O. during the intervening period ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : After Shri Barman, Shri Carol Narzary was asked to remain in-charge.

★ Shri Giasuddin Ahmed : Whether the Government is aware of the fact that prior to the transfer of Shri Laskar, one Shri Mazumdar was there as in-charge ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : That information is not with me.

★ Shri Giasuddin Ahmed : Whether Government consider such frequent transfer of S.D.O.s in a new Sub-Division will hamper proper functioning of the Sub-Division ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : Sir, most of them remain there for two years or so. In case of Shri Barman, he was transferred in a short time. We will see that no officer is transferred within a short period.

★ **শ্রীমনসিং বৎপি :** অধ্যক্ষ মহোদয়, চাৰকাৰৰে জানেনৈ যে, বোকাজান অঞ্চলৰ
এডোখৰ ঠাই চাৰ-ডিভিজন হিচাবে ঘোষণা কৰা হৈছে? কিন্তু এই চাৰ
ডিভিজনৰ হেড কোৱাটাৰ ক'ত আৰু সেই চাৰ ডিভিজনৰ এচ, দি, আ' কোন
জনাবনো?

★ **শ্রী হিতেশ্বৰ শৰ্কীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) :** অধ্যক্ষ মহোদয়, এইটো এটা বেলেগ
প্ৰশ্না। ইতিমধ্যে মই নিৰ্দেশ দিছো যে যিবিলাক নতুন জিলা আৰু মহকুমা
গঠন হৈছে তালৈ সকলো বিলাক অফিচ ধাৰ জাগো।

Mr. Speaker : Now, Starred Question No 149.

Re : Arrest after ceasefire by ULFA.

★ **Shri Promode Gogoi, asked :**

146 Will the Chief Minister be pleased to state.

- (a) Whether the Army and police have arrested/detained large number of people after declaration of ceasefire by ULFA in January, 1992 ?
 (b) If so, the number of people to arrested in different Districts of Assam and charges framed against them ?

★ **Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :**

- (a) Police/Army arrested 117 persons after ceasefire by ULFA:
 (b) Districtwise number of persons arrested given below.

All the person have been arrested for their involvement in extremists activities under the provisions of TADA.

(P) Act, unlawful Activities Act/Arms Act and provisions of IPC/CRPC.

District	Police	Army	Total
Guwahati City	3	6	9
Golaghat Dist.	—	3	3
Jorhat Dist.	1	13	14
Sibsagar Dist.	—	2	2
Nalbari Dist.	—	2	2

Dibrugarh Dist.	-	10	10
Tinsukia Dist	3	7	10
Lakhimpur Dist	-	12	12
Sonitpur Dist	2	11	13
Darrang Dist.	-	6	6
Dhemaji Dist:	2	4	6
Barpeta Dist.	1	5	6
Goalpara Dist.	-	4	4
Dhubri Dist.	1	3	4
Bongaigaon Dist	1	9	10
Kamrup District.	-	6	6
TOTAL	14	103	117

- ★ Shri Promode Gogoi : Sir, as to the reply to (a) there were serious allegations in the press that most of the people arrested by the Army were tortured and subsequently they had to be Hospitalised. Therefore, may I know from the Hon'ble Chief Minister how many of those 117 persons arrested were tourtured by the Army in their camps and how many of them had to be hospitalised and their nature of injuries ?
- ★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : Sir, I do not have the report with me now.
- ★ Shri Promode Gogoi : Sir, I hope the Hon'ble Chief Minister will furnish the details of the injuries caused to arrested persons by the Army and how many of them had to be hospitalised. I will ask another supplementary, Sir, during the operation of black laws Hon'ble High Court ordered that all the

arrested persons had to be placed or handed over to the nearest Police Station within 24 hours Whether all the 117 arrested persons had been handed over to the nearest Police Station as per direction of the Hon'ble Court?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : Sir, is the report on torture is there I will place it before the House. Now as to the Second part of the supplementary whether the arrested persons were handed over to the nearest Police Station, I will submit a report on this.

★ শ্রীজয় নাথ শৰ্মা :— অধ্যক্ষ মহোদয়, এইটো দেখা গৈছে যে অধিকাংশ লোক আর্মিৰে গ্ৰেণাচ কৰি তেওঁলোকৰ কেম্পলৈ লৈ ষায় ২৪ ঘণ্টাৰ পিছতো বাধি থয়। গতিকে এই মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয় পৰা জানিব বিচাৰিছো যে আর্মিৰে গ্ৰেণাচ কৰি কেম্পত ২৪ ঘণ্টাৰ অধিক সময় বাধি থোকা কোচা অসমত কিমান আছে তদন্ত কৰাৰ ব্যৱস্থা কৰিবমে ?

★ শ্রীহিতেশ শঙ্কুকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) :— অধ্যক্ষ মহোদয়, মই বিভাগৰ পৰা খবৰ লম্ব আৰু বিপোট আহিলে সদৰত জৰাম কৰিবলৈ আহিলে সদৰত জৰাম কৰিবলৈ

★ Shri Promode Gogoi : Sir, as replied to by Hon'ble Chief Minister, there were 117 persons arrested after the declaration of cease fire by ULEA and the Hon'ble Chief Minister has agreed to furnish the details of injuries caused to their person during torture by Army. Therefore, may I request the Hon'ble Chief Minister, through you, Sir, to furnish all the details about 117 persons arrested by the Army, their nature of injuries and how many of them had to be hospitalised and out of 117 persons how many of them were

★ Speech not corrected

produced to the nearest Police Station as directed by the Hon'ble High Court, during the current session of the Assembly: I will do it, Sir.

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : I will do it, Sir.
 ★ श्री हितेश्वर सैकिया (मुख्यमंत्री) :- अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जनाबने ये आजकल अन्त सम्बन्ध कराव किए गए पिछतो आर्मिये कि कारणे अभियान चलाइ आहे ? १७० जन मालुहक किए कारणे ग्रेनाव करिव लगा हैचे ? आवू एही १७० जन मालुहक ग्रेनाव करात आलोचनात वाढा परा नाही बुलि चरकारे नाभाबेने ?

★ श्री हितेश्वर सैकिया (मुख्यमंत्री) :- अध्यक्ष महोदय, संयुक्त मुक्ति बाहिनी चेष्टा सकलक १५ डिसेम्बर तारिखते मुकली करि दिया हैचिल आक १७ जाह्नवाबी तारिखते तेंडोके चिज फायार घेणे करिचिल. किन्तु चरकारे एहिटो मानिलोरा नाहिस. १२ जाह्नवाबी तारिखे प्रधानमंत्रीक लग कराव पिचत एही कथातो कार्याकरी कराव वाबे चरकारे सिद्धांत लैचिल. १४ जाह्नवाबी परा आर्मी एकच लोरा हैचे. १७ डिसेम्बर परा १३ जाह्नवाबी भित्रत एही कथाटो हैचे।

Mr. Speaker : Now starred question 147.

Re : VISA Office.

Shri Mission Ranjan Das asked :

* 147. Will the Chief Minister be pleased to state whether the State Government will take up the matter with the Central Government for a VISA office in Barak Valley ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister)

The question of taking up with the Central Government in the matter of opening a VISA office in Barak Valley is not felt necessary at present as there is no such proposal with the Government.

★ Shri Mission Ranjan Das : As I know there were many

proposals to the Chief Minister for opening a VISA office in Barak Valley. Hon'ble Chief Minister may not be aware of the fact. But I know Barak Valley people have to go to Agartala for their VISA where they are tortured and extorted for getting the VISA. In newspapers also such report of torture and extortion appeared on a number of occasions. So it is necessary that one VISA office should be opened in Barak Valley. Will the Chief Minister take up the matter with the Central Government. ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) We will look into the matter.

বিষয়— শিক্ষক মৃত্যু।

শ্রীকন্তী ভূষণ চৌধুরীয়ে স্বাধিছে :

- ★ ১৪৮। মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়ে অনুগ্রহ করি জনাবনে :
- (ক) ১৯৯১ চনত বজাইগাঁও থানাৰ লক-আপ (lock-up) ত শ্রীডিগন্ধুৰ নামৰ এজন শিক্ষক মৃত্যু হোৱা কথাটো সঁচানে ?
- (খ) যদি সচা হয়, শ্রীনাথক কি অপৰাধত গ্রেপ্তাৰ কৰা হৈছিল ?
- (গ) শ্রীনাথৰ পৰিঘালক শ্রীনাথৰ কৃত্য বাবে ক্ষতিপূৰণ দিয়া হৈছেন ?
শ্রীহিতেশৰ পইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) যে ঝৈতৰ দিছে :
- (ক) তয়, সচঁ।।
- (খ) শ্রীডিগন্ধুৰ নাথে আলফা কৰ্মীক আশ্রয় দিয়া আৰু অন্ত-শন্ত ঘৰত লুকুৱাই
বখাৰ অপৰাধত গ্রেপ্তাৰ কৰা হয়। তেওঁ লক-আপত আঞ্চলিক আঞ্চলিক কৰে।
- (গ) বিহেতু শ্রীনাথ নিনিট গোচৰত অভিযুক্ত আৰু আঞ্চলিক কৰিছে
সেয়েহে ক্ষতিপূৰণ দিয়া প্ৰয় হুঠে।
- ★ শ্রীকন্তীভূষণ চৌধুরী : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়ে
- (খ) উৰুৱত কৈছে যে ডিগন্ধুৰ নাথক আলফা কৰ্মীক আশ্রয় দিয়া আৰু অন্ত-শন্ত
লুকুৱাই খোৱা কাৰণে গ্রেপ্তাৰ কৰা হৈছে, এতিয়া কথা হৈছে, তেওঁলোকৰ
ঘৰত অন্ত-শন্ত পাইছে নে নাই ?

শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : অধ্যক্ষ মহোদয়, শিরশংকৰ নামৰ এজন লোক আলফাই অপহৰণ কৰিছিল আৰু তেওঁক নাথৰ ঘৰতে লুকুৱাই বথা হৈছিল।

★ শ্রীফনী ভূষণ চৌধুৰী : তেখেতে আৱহত্যা কৰিছে বুলি কৈছে কিন্তু কেনে ধৰণে আৱহত্যা কৰিছে ?

★ শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : গা'মোছাৰে ছিপজৰী লৈ আৱহত্যা কৰিছে।

★ শ্রীফনী ভূষণ চৌধুৰী : তেওঁ যিটো লক-আপত আছিল তাত অন্য অপৰাধী আছিল নেকি ?

★ শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : সেইটো নাজানো।

★ শ্রীনগেন শৰ্ম্মা : অধ্যক্ষ মহোদয়, প্ৰশ্নৰ উত্তৰ সদনত বথা হব নেকি ?

★ শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : বথা হব।

মাননীয় অধ্যক্ষ : এতিয়া প্ৰশ্ন নং ১৪৯।

বিষয় : ব্রতুল মহকুমা গঠন

শ্রীগাহীন চন্দ্ৰ দাসে স্বীকৃত :

★ ১৪৯। মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাবনে :

- বৰ্তমান চৰকাৰৰ কাৰ্য্যকালত মুঠ কিমানখন নতুন মহকুমা গঠন কৰা হল ?
- নতুনকৈ হোৱা মহকুমা কেইটাৰ নাম কি ?
- উক্ত মহকুমা কেইটা কি স্বৰ্ত্তন সাপেক্ষে গঠন কৰা হল ?
- দীৰ্ঘদিনীয়া বাইজৰ দাবীৰ পৰিপ্ৰেক্ষিত মৰান, নাহবকটীয়া আৰু দেৰগাঁওক কিয় মহকুমা গঠনৰ ব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰা নাই ?
- নতুনকৈ মহকুমা গঠনৰ প্ৰস্তাৱ লৈছে নেকি ?

শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) যে উত্তৰ দিছে :

- ১৪৯২ তাৰিখে তিনিখন মহকুমা গঠন কৰাৰ বাবে চৰকাৰে সিদ্ধান্ত লৈছে।
- (১) লক্ষ্মীপুৰ মহকুমা (কাছাৰ জিলা)
 - বোকাখাট মহকুমা (গোলাঘাট জিলা)
 - নাজিবা মহকুমা (শিৱসাগৰ জিলা)
- (৩) প্ৰশাসনীয় স্বীকৃতি আৰু প্ৰশাসনক ওচৰ চপাই অনাৰ উদ্দেশ্যে

মহকুমা গঠন করা সিদ্ধান্ত লোরা হৈছে।

(ঘ) বিষয়টো চৰকাৰৰ পৰীক্ষাধীন হৈ আছে।

(ঙ) চৰকাৰৰ বিবেচনাধীন হৈ আছে।

(চ) মেচাৰ্ট অমৰজিৎ কনষ্ট্রাকচন কোং:

★ শ্রীগঙ্গীন চন্দ্ৰ দাস : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মৃথ্যমন্ত্রী মহোদয়ে তিনি-
খন ঠাইত মহকুমা গঠন কৰাৰ কাৰণে চৰকাৰে সিদ্ধান্ত লৈছে, যই
আন এটা পৰিপূৰ্বক প্ৰশ্ন কৰিব বিচাৰিছো। সইটো হ'ল চৰকাৰে আৰু
কোন কোন ঠাইত জিজা আৰু মহকুমা গঠন কৰাৰ কাৰণে চিন্তা
কৰিছে নেকি ?

★ শ্রীহিতেশ্বৰ শৈকীয়া (মৃথ্যমন্ত্রী) : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আমাৰ ওচৰলৈ
এই সম্পর্কত বহুতো প্ৰতিবেদন আহিছে, মৰাণ, আহৰকটীয়া ইত্যাদি
বিভিন্ন ঠাইৰ পৰা আহিছে এই ক্ষেত্ৰত আমাৰ এখন কমিটি আছে
আৰু এই কমিটিত এই গোটেই কথা বিলাক বিবেচনা কৰা হয়, গতিকে
তেওঁলোকৰ বিপোৰ্টৰ উপৰত ভিত্তি কৰিছে এই বিষয়ে কৰ দৰ হৰ।

★ Shri Mission Ranjan Das : There is a proposal for creation of a Sub-Division in Karimganj District. Karimganj District was created in 1983 by then Congress Government. But the Proposal for creation of the new Sub-Division under Karimganj District has not yet been fulfilled. Will the Chief Minister assure that this proposal will materialise now ?

★ Sri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : There is a separate question on Ramkrishnangar and I will reply to it.

★ শ্রীদেৱান জয়নাল আবেদন : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মৃথ্যমন্ত্রী মহো-
দয়ে ৩ খন মহকুমাৰ কথা কৈছে তাৰ ভিতৰত লক্ষ্মীপুৰ মহকুমাৰ
কথা কৈছে, এইটো লক্ষ্মীমপুৰ জিলাত নহয়, এইটো গোৱালপাবা
জিলাত হে' গতিকে মন্ত্ৰী মহোদয়ে কৰ নে এই জিলা লক্ষ্মীমপুৰৰ কথা
কৈছে ক্ষেইটো গোৱালপাবা জিলাত লোৱা হৰ নে ?

- ★ **শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** কমিটীয়ে যিটো বিবেচনা করিছে সেই মতে হব।
- ★ **শ্রীগঙ্গান চন্দ্র দাস :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই যিবিলাক নতুন নতুন মহকুমা গঠন করা হৈছে বা হব সেইবিলাক বাজনৈতিক স্বার্থত নকৰি নিবপেক্ষ দৃষ্টিত করা হব নেকি কিয়নো নাজিবা সমষ্টিত যেনেকৈ মহকুমা গঠন করা হ'ল তেনেকৈ নকৰি নিবপেক্ষ দৃষ্টি বাধি বহাত মহকুমা গঠন কৰাৰ কাৰণে চিন্তা কৰিব নেকি ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** কমিটীৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰিব।
- ★ **শ্রীজয় মাথ শৰ্মা :** অধ্যক্ষ মহোদয়, নাজিবাত যিহেতু হৈছে বহা আৰু আৰু ছিপাবাৰতো হব নেকি ?
মাননীয় অধ্যক্ষ ; খুমটাইত কিয় পতা নহব ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** কমিটীৰ বিপোটৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰে।
- ★ **শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** অধ্যক্ষ মহোদয়, এই যিথন জিলা আৰু মহকুমা গঠন সম্পর্কত থকা কমিটী আছে এই কমিটীখনৰ বৈঠক এতিয়ালৈকে কিমান দিন বহিছে আৰু কিমান দিনৰ মূৰে মূৰে বহে সেই বিষয়ে জনাবনে ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** সাধাৰণতে ৩৪ মাহৰ অন্তৰে অন্তৰে হয়।
- ★ **শ্রীশঙ্খ কমল সন্দিকৈ :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই যিবিলাক মহকুমা গঠন কৰাৰ কথা কৈছে সেইবিলাক আৰ্থিক দিশৰ পৰা লক্ষ্য কৰি অৰ্থাৎ কৰ সংগ্ৰহ ইত্যাদিৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি কৰা হয় নেকি ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** অকল সেইটোৱেই নহয় আৰু বজতো দিশ পৰ্যবেক্ষন কৰি এই মহকুমা বিলাক গঠন কৰাৰ ঘোষণা কৰা হয়। ধৰক বোড়ৰ সমস্যা, ইত্যাদি কথাবিলাক চোৱা হয় যেনেকৈ ধনশিৰী মহকুমা গঠন কৰা হৈছে।
- ★ **শ্রীপ্রমোদ গগৈ :** অধ্যক্ষ মহোদয়, নতুনকৈ যিবিলাক মহকুমা গঠন কৰাৰ সম্পর্কত চৰকাৰে ঘোষণা কৰিছে সেইটোত আমাৰ আপত্তি নাই। কিন্তু এই মহকুমা বিলাক গঠন কৰোতে মহকুমা বিলাকৰ সীমা বা বাটুঙ্গাৰীৰ ক্ষেত্ৰত বাইজৰ ফালৰ পৰা আপত্তি আহিছে কাৰণ কোনটো মহকুমাৰ কিমানলৈ সীমা সেইটো ভালদৰে নিৰ্দৰণ কৰা হোৱা নাই। গতিকে বাইজৰ মতামত সাপেক্ষে মহকুমা বিলাক

গঠন কৰাৰ সম্পর্কত বিবেচনা কৰা হব নেকি ?

★ শ্রীচিত্তেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : কৰা হৈছে আৰু আগলৈকো কৰা হব।

Mr. Speaker : Starred question No. 150.

Re : Appointment on Ad-hoc Basis.

Shri Derhagra Mochahary asked :

★ 150 Will the Minister Cultural Affairs be pleased to state :

- (a) Whether it is a fact that some cultural officers were appointed on Ad-hoc basis representing all sheds of community ?
- (b) If so, the officer appointed to represent Deori community ?
- (c) Whether it is a fact that the above officer never attended office and did not go to the place of his Positing ?
- (d) Whether it is a fact that the said officer has been drawing salary even though he did not attend office ?
- (e) Whether it is also a fact that the officer is abscc-
ending due to involvement in a rape case ?
- (f) Will the Government enquire into the matter and take necessary steps in this regard ?

Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :

- (a) yes:
 - (b) Shri Bidyadhar Deori representing the Deori Com-
munity was appointed as Officers-In-Charge, Naraynpur
Cultural Centre.
 - (c) No.
- He attended Head Office upto 13-11-91. After that he has taken earned leave on Medical Ground from 14-11-91 to 29-12-91. Now he has been instructed to proceed to the place of posting immediately for starting the centre.

- (d) Does not arise;
- (e) Not known,
- (f) If specific allegations are received, enquiry may be ordered.

★ Shri Dilip Kumar Saikia : May I know from the Chief Minister whether officers are appointed on community-wise or on merit ?

Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : It is both community and on merit.

বিষয় : ছেড়িয়াম নির্মাণ।

শ্রীচন্দন কুমার সবকাৰে স্বাধিষ্ঠাতা :

★ ১১। মাননীয় ক্রীড়া আৰু যুৱকল্যান বিভাগৰ মন্ত্ৰী মহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাবনে ?

(ক) ১৯৮৫ চনৰ পৰা আজিলৈকে অসমত কিমানখন ছেড়িয়ামৰ কাম সম্পূৰ্ণ কৰা হৈ আৰু কিমান টকা খৰছ হল ?

(খ) উভৰ শাসমণি মহকুমাৰ অভয়াপুৰীত প্ৰস্তাৱিত চৰকাৰী মাটিত ছেড়িয়াম নিৰ্মাণ কৰাৰ আঁচনি আছে নেকি ?

(গ) যদি আছে কেতিয়া কাম সম্পূৰ্ণ হ'ব ?

★ শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) যে উভৰ দিছে :

(ক) এখনৰো কাম সম্পূৰ্ণ হোৱা নাই। এতিয়ালৈ ১০৫'২৪লাখ টকা খৰছ হৈছে।

(খ) নাই।

(গ) প্ৰশ্ন ছুঠে।

★ শ্রীমুৰেণ স্বামীয়াৰী : ৰাজ্যখনৰ প্ৰতিটো ঝল এবিয়াত মিনি ছেড়িয়ামৰ প্ৰস্তাৱ আছে নেকি ? যদি আছে তেন্তে আটোইবোৰ মহকুমাক সামৰি মিনি ছেড়িয়াম স্থাপনৰ কাম সমাধা কৰিব নেকি ?

★ শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) : ঝল পৰ্যায়ত ছেড়িয়াম কৰাৰ কথাটো আগৰ চৰকাৰৰ সিদ্ধান্ত আছিল। সেই মতে কাম কৰি থকা হৈছে।

★ श्रीमती बेगुपमा बाजखोरा : १९९० चन्त ट्रिक समष्टि एथन मिनि ट्रेडियाम घोषणा करा हैছिल। एतियालैके कार्यकरी होरा नाइ। गतिके ब्यस्त लबमे ?

★ श्रीहितेश्वर शहीकीया (मुख्यमन्त्री) : तेने बहुत सिद्धान्त आছिल। पर्याय-क्रमे करि याम।

★ श्रीचन्द्रन कुमार सरकार : मोब प्रश्नटो आছिल १९८५ चन्त परा आजि लैके किमान ट्रेडियाम सम्पूर्ण होरा नाइ आक टका किमान खब्छ इल। उन्नत कैছे अलप खब्छ हैছे। क'त क'त खब्छ हैছे ?

★ श्रीइन्द्र गगै (बाजिक ढीडा आक युव कल्याण मन्त्री) : १९८५ चन्त आय १५ खन ट्रेडियाम केन्द्रीय चबकारब अद्वानत करा हैছे आक ५६ थन मिनि ट्रेडियाम बाज्य चबकारब तबक्कर परा करि थका हैছे।

★ श्रीआलाउद्दिन सरकार : १५ खनब बाबे प्रयोजनीय टका नोपोराकै सकलो बिलाक्कर काम आवस्तु करिछे। धुबूति ट्रेडियाम विर्धाण कर्वार प्रक्रिया हातत लोरा हैছे, एतिया अर्थब अभावत बक्क है आছे नेकि ? केइधन मिनि ट्रेडियाम गोटेह बाज्यत इतिमध्ये आवस्तु करा हैছे ?

★ श्रीइन्द्र गगै (बाजिक मन्त्री) : चेन्टल गर्वमेट्रब टका पोरा हैছे आक बाज्य चबकारब तबक्कर परा करा हैছे

श्रीआलाउद्दिन सरकार : कोनो एथन सम्पूर्ण नकराकै सकलो बिलाक आवस्तु करि बक्क है आছे।

★ श्रीइन्द्र गगै (बाजिक मन्त्री) : अगव चबकारब परा आवस्तु करा हैছे।

★ Shri Parameswar Brahma : Mr. Speaker Sir, a stadium was sanctioned at Kokrajhar but we do not know anything about the progress. Will the Minister kindly inform us about the progress of work of the stadium ?

★ श्रीइन्द्र गगै (बाजिक मन्त्री) अर्थब अभावत सम्पूर्ण करिब परा नाइ।

★ श्रीनगेन शर्मा : अगव चबकाबे अद्वान दियाब काबगे हयतो कामबोब बक्क बाखिछे। योरा बहुबब परा कोनो ट्रेडियामब काम होरा नाइ। आनटो

ଅଶ୍ରୁ ହେବେ ଯେ ଛେତିରାମ ନିର୍ମାଣ କରୋତେ ବିଭାଗତ ଏକ୍ସପାର୍ଟ୍ ଆଚନେ ନାହିଁ ?
 ★ ଶ୍ରୀଇନ୍ଦ୍ର ଗାଗେ (ବାଜ୍ୟକ ମନ୍ତ୍ରୀ) ଆଗର ଚରକାରେ ଦିଯାର କାବଣେ ବାଦ ଦିଯା ନାହିଁ ।
 ଅର୍ଥର ଅଭାବରୁ କବିବ ପବା ନାହିଁ । ବିଭାଗୀୟ ଏକ୍ସପାର୍ଟ୍ ଆଛେ ।

Mr. Speaker : Now Starred Question No. 152

Re : Population Pattern.

Shri Samarendra Nath Sen asked :

- ★ 152. Will the Chief Minister be pleased to state :
- (a) Whether the Government is aware that the continued infiltration from across the border in Barak Valley is causing serious change in the population pattern ?
 - (b) If so, what steps is being taken to stop the infiltration ?
- ★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied.
- (a) It is not a fact.
 - (b) Question does not arise. However, to prevent and to detect infiltrators, various steps have been taken by the Government.
 - (i) The PIF, Ad-hoc and TFG staff have been alerted for the purpose of prevention and detection of infiltrators.
 - (ii) Enquiries have been instituted against the suspected foreign nationals under the provisions of the IMDT Act, 1983.
 - (iii) The works of detection and deportation of fresh/re-infiltrators have been continuing.
 - (iv) Checking of in-coming trains, vehicular traffic on the land, and country boats, water-vassels on the water has been going on.

★ Shri Samarendra Nath Sen : Mr. Speaker Sir, in connivances with some BSF personnel, infiltrators are coming in this Barak Valley and People from across the border daily use to come to karimganj town for earning their daily wages and they use to go back in the evening. Moreover, smuggling also is going on. You will be surprised that anybody at any time can cross the border, even one can take along an elephant also with him through this border.

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) Mr. Speaker Sir, in our side, we have BSF to check smuggling and to stop infiltration. Few cases have been detected. These have been taken up with the Government of India.

★ Shri Samarendra Nath Sen : whether the Government will take steps to punish those corrupt officials who are conniving with infiltrators and smugglers ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : Mr. Speaker Sir, I take up with Government of India for taking action against them.

★ শ্রীদিলীপ শইকীয়া : গুরাহাটী মহানগরীত বহুত বিদেশী নাগরিকক এটা প্রলোভন দিয়া হৈছে। গণেশগুৰীত বিক্রি, ঠেলাৱালা বহুত বৃদ্ধি পাইছে। এই-বিলাক বিদেশী নাগরিক হয় নে নহয় চেক-কৰাৰ ব্যৱস্থা লবনে ?

★ শ্রীহিত্তেঞ্জব শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : এইটোৰ বাবে বেলেগ অঞ্চল লাগিব। তথাপি মই কৰ খুজিছো যে গুরাহাটীত মাজে সময়ে এনে লোক অহাৰ অভিযোগ আহি আছে। তদন্ত কৰি পোৱা গৈছে যে এইবিলাক চৰ অঞ্চলৰ মাঝুহ।

★ Shri Mission Ranjan Das : Mr. Speaker Sir, whether the Hon'ble Chief Minister is aware of the fact that thousands of people from across the Bangladesh daily come to India and in day time use to work as daily labourers and
Speech not corrected.

at night indulge in theft and decoit cases:

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : We have no such reports.

(Starred Question No. 153 was not taken up as the Hon'ble questioner was not Present. However the same deemed to have been disposed of).

বিষয় : করিমগঞ্জ চহৰে সৈনিক কার্যালয় স্থাপন।

শ্রীপঞ্চকুমাৰ নাথে স্বাধিষ্ঠাতা :

★ ১৫৩ মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয় অনুগ্ৰহ কৱিয়া জানাবেন কি :
সমগ্ৰ কৱিমগঞ্জ জিলাৰ অবসৱ প্ৰাপ্ত সামৰিক বাহিনীৰ কৰ্মীদেৱ স্বিধাৰ
জন্য কৱিমগঞ্জ চহৰে একটি জিলা সৈনিক বোর্ড কার্যালয় স্থাপন কৱা হবে কি ?

★ শ্রীহিতেৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) যে উত্তৰ দিছে :

কৱিমগঞ্জ চহৰত এখন জিলা সৈনিক বোর্ড কার্যালয় স্থাপনৰ প্ৰস্তাৱ
বৰ্তমানে চৰকাৰৰ বিবেচনাধীন হৈ আছে।

Mr. Speaker : Now Stared Question No. 154.

Re : Murder Cases in Assam.

Dewan Joynal Abedin asked :

★ 154. Will the Chief Minister be pleased to state :
a) The number of registered Murder Cases in different Police Stations of the State during 1991 till February 1992 ?

b) How many of the culprits involved in the above cases have been punished so far ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :

a) 1278 Cases.

b) None.

★ Dewan Joynal Abedin : Mr. Speaker Sir, Hononorable

Chief Minister has replied, if we have heard correctly, that there are 1278 cases of murders have been registered in defferent police stations and in reply to (b) he has stated that 'None'. I have asked categorically that how many of the culprits in these cases had so far been punished, he has replied "None". It means, no one has so far been punished. As we all know Sir, number of such cases particularly murder cases, has gone up in recent times in the State and in view of this, will the Government take necessary measures to ensure that people involve in murder cases be punished within the shortest possible time and that no one involve in such cases can go unpunished ?

★ Shri Hieswar Saikia (Chief Minister) : As we all know Sir, under the present Judiciary system in India, it is no possible to punish anybody in a year. These are murder cases of 1992 So, definitely we will take steps to frame charge-sheets and process to put up before the Magistrate for final trial.

★ Shri Sashakamal Handique : Mr. Speaker Sir, will the Hon'ble Chief Minister kindly tell us the total number of culprits arrested in connection with such murder cases ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : I have submitted.

★ Dewan Joynal Abedin : Will the Chief Minister kindly say, as we have seen, whether many of those culprits have got political shelter ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : Sometimes

★ Speech not corrected

there are reports like that.

★ Shri Giasuddin Ahmed : Mr. Speaker Sir, justice delayed means justice denied. Will the Government make an enquiry into the causes of delay in disposal of various cases including murder cases pending for years ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : Sir, Hon'ble Member himself is a lawyer. He knows how they keep these cases for 12 years.

★ Shri Giasuddin Ahmed : There are other factors also. Sometimes the Investigating Officers wilfully and deliberately delay in submitting charge-sheets and the charge-sheets are submitted in a manner so that the culprits can go scotfree. These are the circumstances which need thorough investigation by the Government. Will the Government make an enquiry in this matter ?

★ Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) : I agree with Hon'ble Member. Delay in submission of medical report, delay in submission of Forensic Laboratory Report, Post-mortem Report and sometimes absence of witnesses, all these create problem to start the cases at an early time. However, we will see that these can be expedited.

Mr. Speaker : Now, Starred Question No. 155.

বিষয়ঃ— সীমান্তত পথ নির্মাণ।

শ্রীআলাউদ্দিন সুকাৰে স্বাধীনে :

★ ১৫১। মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়, অগ্রগতি কৰি জনাবনে :

ক) আগমনি আৰু ধূৰ্বৰী পথ নিৰ্মাণ সংমণ্ডলৰ নিৰাপত্তা বেৰৰ (দিফেল ফেল) ব সিপাৰে এতিয়ালৈকে কিমান মালুহ বসবাস কৰি আছে ?

★ Speech not corrected

খ) সীমান্ত বেবৰ সিপাৰে থকা কৃষক সকলৰ মাটিৰ খেতি বাতি কৰাৰ বাবে যাত্তায়তৰ সুবিধা কিদৰে প্ৰদান কৰা হৈছে ?

গ) সীমান্ত অঞ্চলত বসবাসকাৰী ব্যক্তি সকলৰ পৰিচয় পত্ৰ দিয়াৰ কথা চৰকাৰে চিন্তা কৰিছে নেকি ?

★ শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) যে উত্তৰ দিছে :

ক) মুঠ ১৫৯ টি পৰিয়ালৰ প্ৰাণ ৮০০ জন লোক বসবাস কৰি আছে।

খ) চৰকাৰে গাঁওঁবোৰত চয় দূৰত্বত মুখ্যমন্ত্ৰী আৰু উপদ্বাৰৰ ব্যৱস্থা কৰিছে। কৃষক সকলে পহৰাদাৰৰ সাক্ষণ্যত পুৱা ৫,৩০ বজাৰ পৰা আবেলি ৫,০০ বজাৰ-লৈকে তেওঁলোকৰ খেতি বাতিৰ কাম কৰে।

গ) ধুৰুৰী জিলাৰ অসম বাংলাদেশ সিমান্ত অঞ্চলত বসবাস কৰি থকা ভাঙ্গতীয় নাগৰিকক পৰিচয় পত্ৰ দিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰি থকা হৈছে।

★ আল্লাউদ্দিন সৰকাৰ : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এটা সংখ্যা ১৫৯ টা পৰিয়াল আৰু আনটো সংখ্যা যিধৰণ উল্লেখ কৰিছে অধ্যক্ষ মহোদয়, আগমনি আৰু ধুৰুৰীৰ সিপাৰে মেই সংখ্যাটো সঠিক হোৱা নাই। এইটো ১৯ অঞ্চলত উল্লেখ কৰা হৈছে।

২ নং অঞ্চলটো হৈছে সীমান্ত বেবৰ সীপাৰৰ পৰা বাংলাদেশৰ ফালৰ পৰা অহা সকলৰ যাত্তায়তৰ কাৰণে কি সুবিধা কৰা হৈছে ?

★ শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) : মাননীয় অধ্যক্ষ ডাঙুৰীয়া, দিফেল ফেলৰ ইপাৰৰ পৰা সিপাৰে কিমান হেজাৰ লোক বসবাস কৰি আছে এতিয়লৈকে শেষ হোৱা নাই। তাৰ কাৰণে সকলো ব্যৱস্থা লোৱা হৈছে।

★ শ্ৰীআল্লাউদ্দিন সৰকাৰ : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, সীমান্ত বেবৰ সিপাৰে কৃষক সকলৰ কাৰণে খেতি-বাতিৰ উপযোগী কিমান বিদা মাটি এই সংঘঙ্গলত পৰি আছে তাৰ এটা খঠিয়ান আছে নে নাই ? লগতে গাঁওঁবোৰত মুখ্যমন্ত্ৰী আৰু উপদ্বাৰৰ মাজত কিমান দূৰৈলৈ আহিছে মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে জনালে ভাল আছিল।

★ শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) : মাননীয় অধ্যক্ষ ডাঙুৰীয়া, বৰ্তমান এই বিপোটটো ঘোৰ হাতত নাই। পিচত সদনত পেচ কৰা হৰ।

★ দেৱান জয়নাল আবেদিন : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, সীমান্ত নিৰাপত্তা

★ Speech not eorrected

বেৰৰ সীপাৰে যি সকল পৰিয়াল আছে সেই পৰিয়াল সকলক বেলেগ ঠাইত
পুনৰ বসতী দিবৰ কাৰণে চৰকাৰে কিবা ব্যৱস্থা লৈছে নে?

★ শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) : মাননীয় অধ্যক্ষ ডাঙৰীয়া, তেনে কোনো
ব্যৱস্থা লোৱা হোৱা নাই।

★ শ্ৰীগিয়াচুদিন আশ্বেদ : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আমাৰ অসমৰ মাটিৰ
বিবাট অস্থৱিধা আছে। সেইকাৰণে সীমান্তত বাস কৰা মালুহখিনিক বেলেগ
ঠাইলৈ নি পুনৰ বসতি কৰাৰ কাৰণে কিবা ব্যৱস্থা লব নেকি?

★ শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) : মাননীয় অধ্যক্ষ ডাঙৰীয়া, সেইটো
ব্যৱস্থা কৰা হব।

★ শ্ৰীআঞ্জলিদিন সৰকাৰ : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, ডেৰ বা দুই কিলো-
মিটাৰৰ সীমান্ত অঞ্চলৰ পৰা নিলগত থকা ব্যক্তি সকলক যাতে বি, এচ, এফ এ
অনৱবত্তে হাবাহাস্তি কৰিব নোৱাৰে বা অত্যাচাৰ কৰিব নোৱাৰে এই বিষয়ে
মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে চৰুদিব নে?

★ শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) : মাননীয় অধ্যক্ষ ডাঙৰীয়া, বি, এচ, এফ
য়ে অশাস্তি কৰা খবৰ আমাৰ হাতত নাই।

Mr. Speaker : Now Starred Question No. 156.

বিষয় - রামকৃষ্ণ নগৰ মহকুমাৰ প্ৰস্তাৱ

★ শ্ৰীরামপালৰ রবিদাসে স্বুধিছে :

- ★ ১৫৬। মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে অছুগ্ৰহ কৰিয়া জানাবেন কি?
- ক) রাজ্যৰ জিলা এবং মহকুমা গুলিকে পুনৰ্গঠনেৰ সময় নতুন মহকুমা
গুলিৰ সঙ্গে রামকৃষ্ণ নগৱেৰ নামটি কি প্ৰস্তাৱিত হয়েছিল?
- খ) মহকুমা গুলিৰ জন্য সপ্তম বিত্তীয় সাহাৰ্য যোজনায় আসাৰ সৱকাৰ
কেলীয় সৱকাৱেৰ নিকট হইতে কি কোন অৰ্থসাহাৰ্য পেয়েছেন?
- গ) যদি পেয়েছেন তবে রামকৃষ্ণ নগৱেৰ সহ প্ৰত্যেক নতুন মহকুমাৰ জন্য
সৱকাৰ মোট কত টাকা পেয়েছেন?
- ঘ) বামকৃষ্ণ নগৱেৰ জন্য নিষ্কাৰিত টাকাটি কি অন্য মহকুমাৰ জন্য ব্যয়
কৰা হয়েছে?

- ঙ) সরকারের সিদ্ধান্তকে ক্রপায়ন করার অঙ্গ হিসাবে রামকৃষ্ণ নগরকে মহকুমা সদর করে রামকৃষ্ণ নগর মহকুমা স্থাপনের কাজ অবিলম্বে ক্রপায়ন করার কাজ সরকার হাতে নিছে। কি ?
- ★ শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) যে উত্তর দিছে :
- ক) হয় হৈছিল।
- খ) হয়, পাইছে।
- গ) ৭ ম বিক্রীয় আয়োগৰ পৰা নতুন জিলা আৰু মহকুমা গঠনৰ বাবে মুঠ ৩,২৯,১৯,০০০ টকা পোৱা হৈছিল।
- ঘ) কৰা হোৱা নাই।
- ঙ) বিষয়টো চৰকাৰৰ পৰীক্ষাধীন হৈ আছে।

বিষয় :— ভোটাৰৰ সংখ্যা

★ শ্রীএছাহক আলীয়ে স্মৃথিছে :

- ১৫১। মাননীয়, নির্বাচন বিভাগৰ মন্ত্রী মহোদয়ে অমুগ্রহ কৰি জনাবনে :
- ক) ১৯৮৯-৯০ চনত অসমত ভোটাৰৰ সংখ্যা কিমান আছিল ?
- খ) ১৯৯১-৯২ চনত অসমত ভোটাৰৰ সংখ্যা কিমান হৈছে ?

★ শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) যে উত্তর দিছে :

- ক) ১৯৮৯ চনত ভোটাৰৰ সংখ্যা ১,১৯,৭৫,২১২
- খ) ১৯৯১ চনত ভোটাৰৰ সংখ্যা ১,১৮,৯২,০৬৮

★ শ্রীএছাহক আলি : অধ্যক্ষ মহোদয়, ভোটাৰ তালিকাৰ নাম বিলাক শুন্দ অশুন্দ কেতিয়া গৱাব ?

★ শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : এই সম্পর্কত কোনো আপত্তি কৰা নাই।

★ শ্রীশশকেল সন্দিকৈ : অধ্যক্ষ মহোদয়, ১৯৯০-৯১ চনৰ ভোটাৰৰ সংখ্যা দেখায় এক লাখ লোকৰ ভোটাৰৰ তাৰতম্য আছে, ইয়াৰ কাৰণ কি ?

শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : সাধাৰণতে ভোটাৰ লিষ্টখন তৈয়াৰ কৰাৰ পিছতহে গুৱোৱা হয়, তাত বহতো মাঝুহৰ নাম যদি বাদ পৰিছে তৈয়াৰ কৰাৰ পিচত সকলোৱে নিদিয়ে।

★ Speech not corrected ★

- ★ **শ্রীদেওরান জয়নাল আবেদীন :** আপনি করাৰ পিচতো ভোটাৰ লিষ্টত নাম উঠাই নে উঠাই ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** আপনি করাৰ পাচত সেইবিলাক চিঞ্চা কৰা হয়।
- ★ **শ্রীবজ্জী নাৰায়ণ সিং :** কিমান ভোটাৰ নাম ১০ বছৰৰ পূৰণি সেই বিষয়ে কৰনে ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** এই সম্পর্কত স্বকীয়া অংশ লাগিব।
- ★ **শ্রীজয়নাথ শৰ্ম্মা :** ছিকিম চৰকাৰে এজন মানুহক যদিও তেওঁ তাৰ বাসীন্দা, তেওঁক ছিকিমৰ নহয় বুলি বহিক্ষাৰ কৰিছে কিন্তু তেওঁৰ নাম আমাৰ ভোটাৰ লিষ্টত আছে আৰু তেওঁ এজন বিধান সভাৰ সদস্য, তেওঁৰ নামটো যদি দিও আৰু ছিকিমৰ কাগজ খন দিও তেতিয়াহলে ব্যৱস্থা জৰ নেকি ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** আমাৰ ইয়াত তাৰ এমাণ সহ তথ্য-পাতি দিলে ব্যৱস্থা জৰ পৰা হব।

Mr. Speaker : Now, Starred Question No. 158.

বিষয়— বড়ো ভাষাক সহযোগী ভাষা

শ্রীজীউবাম বড়োৱে স্বীকৃতি :

- ★ ১৫৮। মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়ে অনুগ্রহ কৰি জনাবনে :
- বড়ো ভাষাক বাজ্যিক সহযোগী (এচোচিয়েট) ভাষা হিচাবে স্বীকৃতি দিয়াটো সচানে ?
 - যদি সচা হয় কোন তাৰিখত বাজ্যিক সহযোগী ভাষা ভাৰে স্বীকৃতি পাইছিল ?
 - বড়ো ভাষা কোন কোন জিলাত বাজ্যিক সহযোগী ভাষা হিচাবে ব্যৱহাৰ হৈ আছে আৰু অসমৰ বাকীবোৰ জিলাত কেতিয়াকৈ ব্যৱহাৰ কৰা হব ?
- ★ **শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** উভৰ দিছে :
- হয়, সঁচা।
 - ১৯৮৫ চনৰ মে মাহৰ ২ তাৰিখে।

★ Speech not corrected

গ) কোকৰাবাৰ জিলা, প্ৰদালগুৰি মহকুমা আৰু নজৰাৰী জিলাত।
বাকীবোৰ জিলাত কেতিয়া ব্যৱহাৰ কৰা হ'ব সিদ্ধান্ত কৰা হোৱা নাই।

★ **শ্ৰীজিউৰাম বড়ো :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বড়োভাষা এভিয়াও সহযোগী
ভাষা হিচাবে বিবেচিত হোৱা নাই এইটো কথা সচা নেকি? মাজতে ইয়াক
বৰু কৰি দিয়াৰ কাৰণে কিছুমান বড়োভাষাৰ কৰ্মসূচীৰ চাকৰি নোহোৱা
হ'ল আৰু কিছুমানক বৰখাস্ত কৰা হ'ল— এইটো কথা সচানেকি, মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে
জনাবনে?

★ **শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) :** অধ্যক্ষ মহোদয়, তেনে আপত্তি মই
পোৱা নাই।

★ **Shri Parameswar Brahma :** Mr. Speaker Sir, the Bodo language has been recognised as an associated official language in the State of Assam, but so far we know Government has not taken any measure to implement it in its proper sense. Would the Chief Minister inform us why it has not been implemented and whether the Government is thinking properly to implement it right now onward?

★ **শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া, (মুখ্যমন্ত্ৰী) :** অধ্যক্ষ মহোদয়, বিপোৰ্ট মতে কথা-
খিনি এনে ধৰণৰ বড়োভাষা নজমা বিষয়া, কৰ্মসূচী সকলক কোকৰাবাৰত
থকা অশিক্ষণ কেন্দ্ৰত বড়ো ভাষাৰ অশিক্ষণৰ বাবে চৰকাৰৰ তৰফৰ পৰা
অছন্দান দিয়া হৈছে। এই সম্বৰ্ত চৰকাৰে ১৯৮৭-৮৮ চনত ২৭,১০০ টকা
আৰু ৭,৫০০ টকা মুকলি কৰি দিয়ে। ভাষা অশ্বেগ সঞ্চালকালয়তো এটা
বড়ো ভাষাৰ শাখা খোলাৰ কথা বৰ্তমান প্ৰস্তাৱ আকাৰত আহে আৰু
তাৰ বাবদ ১৯৯২-৯৩ চনৰ বিস্তীয় বছৰৰ বাবে ৬৪,০০০ টকা ধাৰ্য্য কৰা
আছে। লগতে অনান্য ভাষাৰ অশিক্ষণৰ লগতে বড়ো ভাষাৰ অশিক্ষণৰ
বাবেও ১৯৯২-৯৩ চনত বিস্তীয় বছৰত মুঠ ১ লাখ টকা ধৰা হৈছে। অধ্যক্ষ
মহোদয়, সহযোগী ভাষা হিচাবে বড়ো ভাষাক ১৯৮৩ চনতে শীৰ্ফতি দিয়া
হৈছে। তেতিয়াৰ পৰা চৰকাৰে এই ভাষাক কামত ব্যৱহাৰৰ কাৰণে কিছুমান
ব্যৱস্থা লৈছে। আন এটা দাবী আছে যে বড়ো ভাষাক এ, পি, এচ, চিৰ
পৰীক্ষাত মাধ্যম হিচাবে ব্যৱহাৰ কৰিব আগে। এই বিষয়ে চৰকাৰে বিবে-

চনা কৰি আছে। মই ভাবো এইটো দিয়া উচিত হব।

★ Shri Parameswar Brahma : The Bodo language is recognised as the medium of instructions, they do not have Assamese knowledge but they attend Assembly to know very important discussions on important issues of the State. So whether Government is thinking to create posts of translators so that proceedings of the Assamby can be translated into Bodo language and circulated among the Bodo speaking people?

★ Shri Hiteswar Saikia, (Chief Minister) : That will be done Sir.

★ শ্রীমিলন বড়ো : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মুখ্যমন্ত্রীয়ে উত্তৰত কৈছে যে বড়ো ভাষাক কোকোৰাখাৰ জিলাত সহযোগী ৰাজ্যিক ভাষা হিচাবে স্বীকৃতি দিয়া হৈছে। কোকোৰাখাৰ জিলাক দ্বিধণ্ডিত কৰি বঙাইগাও জিলা কৰা হৈছে। এই বঙাইগাও জিলাখন পূৰণি কোকোৰাখাৰ জিলাৰ অন্তৰ্ভুক্ত আছিল। এতিয়া বঙাইগাও জিলাতো বড়ো ভাষাক সহযোগী ভাষা হিচাবে স্বীকৃতি দিয়া হৰনেকি, মুখ্যমন্ত্রীয়ে জনাবনে ? দ্বিতীয়তে বৰপেটা জিলাতো বহু সংখ্যাক বড়োভাষী মাঝুহ আছে সেই হিচাবে বৰপেটা জিলাতো বড়ো ভাষাক সহযোগী ৰাজ্যিক ভাষা হিচাবে স্বীকৃতি দিয়াৰ ব্যৱস্থা চৰকাৰে লবনেকি ?

★ শ্রীহিতেশ্বৰ শহিকৌৰা (মুখ্যমন্ত্রী) : অধ্যক্ষ মহোদয়, এচোচিয়েট কেংগুৱেজ জনসংখ্যাৰ ভিস্তিত দিয়া হয়, তেনকৈ বড়োভাষাকোঁ দিয়া হৈছে। সকলোঁ ঠাইতে বড়ো ভাষাক সহযোগী ভাষা কৰিলে অনান্য ভাষাৰ লোকৰ অসুবিধা হব। এতিয়া গাঁও পঞ্চায়ত এলেকাত যদি বড়ো ভাষী লোক বেছি হয় তেন্তে তাত্ত্ব বড়োভাষা দিয়াৰ ব্যৱস্থা সোৱা হব।

★ শ্রীমিলন বড়ো : অধ্যক্ষ মহোদয়, কোকোৰাখাৰত বড়ো ভাষাক সহযোগী ভাষা কৰা হৈছে। এতিয়া বঙাইগাও জিলাত বড়ো ভাষাক সহযোগী ৰাজ্যিক ভাষা হিচাবে স্বীকৃতি দিয়া হৰনে নাই ? বৰপেটা জিলাতো বহু সংখ্যক বড়ো ভাষী লোক আছে। গঞ্জিকে তাতো বড়োভাষাক সহযোগী ৰাজ্যিক ভাষা হিচাবে স্বীকৃতি দিয়া হৰনে ?

★ শ্রীজিউৰাম বড়ো : অধ্যক্ষ মহোদয়, দৰং জিলাৰ মঙ্গলবৈকল্প শতকৰা ৬০

ভাগ বড়ো ভাষী লোক আছে। শোনিতপুর জিলাটো যথেষ্ট সংখ্যক বড়ো ভাষী লোক আছে— এই ছাঁচাইত বড়ো ভাষাক সহযোগী বাজ্যক ভাষা হিচাবে স্বীকৃতি দিয়া হবনে ?

★ শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) : অধ্যক্ষ মহোদয়, এই বিষয়টো জনসংখ্যাৰ ওপৰতহে নিৰ্ভৰ কৰিব। যদি প্ৰয়োজন হয় বিবেচনা কৰা হব।

Mr. Speaker : Now starred Question No. 159.

বিষয়— ঘোগীঘোপা আৰক্ষী চকীৰ কেচ।

শ্রীশ্রফুল কুমাৰ মহস্তই মুদ্ধিচে :

★ ১৫৯। মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাবনে :

- ক) বঙাইগাঁও জিলাৰ উত্তৰ শালমৰা মহকুমাৰ ঘোগীঘোপা পুলিচ ছেচনৰ (পি, এচ) কেচ নং— ১৯/৯১ সম্পর্কত চৰকাৰ জ্ঞাতনে ?
- খ) যদি জ্ঞাত, (এক, আই, আৰ) কোনে দিছিল আৰু কাৰ বিকদে দিছিল ? (এক, আই, আৰ ব কপি মাননীয় সদনত দাখিল কৰিব)

শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) যে উত্তৰ দিচে :

ক) হয়।

খ) 2/Lt বিনয় বৰ্মা I/C 49215 — H Army Company Commander, North Salmara, 'C' Coy Cdr. 16 Kumaon Regiment C/o 99 A. P. O.

লতিফ আহমেদ, মুপেন স্বত্রধাৰ আৰু টিকেন কলিতাৰ বিপক্ষে এক, আই, আৰ (FIR) খন দিছিল।

(এক, আই, আৰ ব প্ৰতিলিপি মাননীয় সদনত দাখিল কৰা হ'ল)

(See the Annexur I)

★ শ্রীকনী ভূষণ চৌধুৰী : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মুখ্যমন্ত্রীয়ে উত্তৰত যি তিনিজন ব্যক্তিৰ নাম উল্লেখ কৰিছে এই তিনিজন লোক অসম, গণ পৰিষদ দলৰ সদস্য। শ্রীটিকেন কলিতা ঘোগীঘোপা আঞ্জলিক এ, জি, পিৰ সভাপতি আছিল। শ্রীকলিতা কোনো ধৰণৰ আলকাৰ লগত ভড়িত নহয়। তেওঁক এৰেষ্ঠ কৰা হৈছে শ্রীতপন বয় নামৰ এজন লোকে আমি অফিচাৰ শ্রীবাৰ্মাৰ কোৱাৰ কাৰণে। শ্রীটিকেন কলিতা আলকাৰ লোক বুলি মুখ্যমন্ত্রীৰ ওচৰত কৰিব। তথ্য আছে নেকি ?

★ Speech not corrected

★ **শ্রীহিতেশ্বর শঙ্করীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** অধ্যক্ষ মহোদয়, ইয়াত থকা বিপোর্ট অনুসৰি যোৱা ১৭-১০-৯১ তাৰিখে উত্তৰ শালমৰা অস্থায়ী কেন্দ্ৰৰ সৈন্য বাহিনীৰ চেকেণ্ড লেকটেনেটে গোপনীয় তথ্য পাতি পোৱাৰ পিচত যোগীঘোপা আৰক্ষী ছকীত এফ, আই, আব, দাখিল কৰাৰ পিচত আৰক্ষী বিভাগে জানিব পাৰিলে যে যোগীঘোপাৰ কৰাইতাৰী গাৰৰ সৰ্বশ্ৰী লতিফ আহমেদ নৃপেন সূত্ৰধাৰ আৰু টিকেন কলিতাই শ্ৰীতপন ৰায় আৰু অন্য কেইজনমানক বলপূৰ্বক ভাৰে শাৰিবীক কষ্ট দিলৈ সূত্য দণ্ডৰ ভয় দেখুৱাই আলকা সংগঠনত যোগ দিবলৈ কয়। এই সংক্রান্ততে তেওঁলোকক গ্ৰেপ্তাৰ কৰি তেওঁলোকৰ বিৰুদ্ধে কেচ কৰ্জ কৰা হয় আৰু তিনিওজন আচামীক পুলিচ হাজোৱালৈ প্ৰেৰণ কৰা হয়। উপযুক্ত অনুসন্ধান কৰাৰ পিচত আচামীৰ বিৰুদ্ধে যথোচিত সাক্ষীবাদী প্ৰমাণিত হোৱাত যোগীঘোপা আৰক্ষী খানাৰ অভিযোগ নামা (চার্জ চৌট) নং ২১৯২ তাং ৮-১-৯২ দাখিল কৰা হয়।

★ **শ্রীফণী ভূষণ চৌধুৰী :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, শ্ৰীতপন বয়ক আৰ্মিৰ ফালৰ পৰা জোৰ দিয়া হৈছিল যে শ্ৰীটিকেন কলিতাক আলকা বুলি কলে বাকী দুজন শ্ৰীলতিফ আহমেদ আৰু শ্ৰীনৃপেন সূত্ৰধাৰক এতিয়া এৰি দিয়া হৰ। মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে শ্ৰীটিকেন কলিতা, শ্ৰীনৃপেন সূত্ৰধাৰ আৰু শ্ৰীলতিফ আহমেদ এই তিনিজন আলকাৰ লগত জড়িত হয় নে নহয় চৰকাৰে তদন্ত কৰিবনৈ ? দ্বিতীয়তে এই সন্দৰ্ভত আৰ্মিয়ে টিকেন কলিতাক যোগীঘোপা সামৰিক চাৱনী লৈ যোৱাটো সচানে ?

(Starred Questions No. 160 and deferred starred question No 88 of 16-3-92 could not be taken up as the questions hour was overs. However the written replies deemed to have been laid on the table of the House).

বিষয় ৪— ভোটৰ বাকচ।

শ্রীহিতেশ্বর ডেকাই সুধিছে :

★ ১৬০। মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাবনে :

ক) বিগত সাধাৰণ নিৰ্বাচনত কমলপুৰ সমষ্টিৰ অন্তৰ্গত বৰহাটা ভোট গ্ৰহণ কেজৰ পৰা বলপূৰ্বক ভাৱে ভোটৰ বাকচ কাঢ়ি নিয়াৰ

★ Speech not corrected

অপৰাধত প্রাক্তন বিধায়ক গৰাকীৰ লগত কিমানজন কৰ্মচাৰী
গ্ৰেপ্তাৰ হৈছিল ?

- খ) গ্ৰেপ্তাৰ হোৱা কৰ্মচাৰী সকল কোন কোন বিভাগৰ ?
- গ) এই আটাইকেইজন কৰ্মচাৰীৰ বিবক্ষে বিভাগীয় অমুশাসনমূলক
ব্যৱস্থা লোৱা হৈছে নে ?
- ঘ) যদি হোৱা নাই, কিয় ?
- ★ শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) যে উত্তৰ দিছে :
- ক) চাৰিজন চৰকাৰী কৰ্মচাৰীক গ্ৰেপ্তাৰ কৰা হৈছিল ।
- খ) গ্ৰেপ্তাৰ হোৱা কৰ্মচাৰীৰ ভিতৰত এজন আৰক্ষী বিভাগৰ আৰু
তিনি অন শিক্ষা বিভাগৰ ।
- গ) পুলিচ কৰ্মচাৰী জনৰ বিবক্ষে ইতিমধ্যে বিভাগীয় অমুশাসনমূলক
ব্যৱস্থা লোৱা হৈছে আৰু বাকী তিনিজন শিক্ষকৰ ভিতৰত এজনক
নিলম্বিত কৰা হৈছে আৰু বাকী ২ জনক নিলম্বিত কৰাৰ বাবে
নিৰ্দেশ দিয়া হৈছে ।
- ঘ) অঞ্চল মুঠে ।

Deferred Starred Question No. 88 of 16.3.92.

Re. Stadium in Assam.

Shri Monsing Rongpi asked :

* 88. Will the Minister of Sports and Cultural Affairs be pleased to State—

- a) How many Stadium and Mini-Stadium are there in Assam ? (District-wise figures may be given).
- b) Is there any proposal to construct new Stadium and Mini-Stadium in Karbi Anglong and N. C. Hills at the following place Baithalongso, Dongkamukan, Hamren, Longhin, Howraught, Saribojan, Diphu, Haflong, Maibong and Umrongso ?

শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) যে উত্তৰ দিছে :

- ক) বৰ্তমান ৪ (চাৰি) খন ছেড়িয়াম আছে । ৩১ (একত্ৰিশ) খন

ষ্টেডিয়াম আৰু ৫৬ (ছাপৱন্ন) খন মিনি ষ্টেডিয়াম নিৰ্মাণৰ কাম হাতত
লোৱা হৈছে। জিলা ভিত্তিত ষ্টেডিয়ামৰ তালিকা এখন সদনৰ
মজিয়াত দাখিল কৰা হ'ল।

(See the Annexure-II)

(খ) নতুন ষ্টেডিয়ামৰ আঁচনি বাই।

বিষয় : দৈনিক বাতৰি কাকতৰ সংখ্যা।

শ্রীপ্ৰফুল কুমাৰ মহন্তই স্বীকৃতি :

১৯৭। মাৰণীয়, মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাৰনে :

(ক) অসমৰ পৰা প্ৰকাশ পোৱা দৈনিক বাতৰি কাকত কেইখন ? (১) ইংৰাজী,
নাম, প্ৰকাশক (২) অসমীয়া, নাম প্ৰকাশক (৩) হিন্দী, নাম, প্ৰকাশক
(৪) অন্যান্য ভাষাত ?

(খ) সাপ্তাহিক আৰু তিনি দিনীয়া কেই খন ? (১) ইংৰাজী (২) অসমীয়া
(৩) হিন্দী।

(গ) মাহেকীয়া আৰু পঞ্চকীয়া আলোচনীৰ সংখ্যা কিমান আৰু কি কি
ভাষাত কেইখন প্ৰকাশ হয় ?

শ্রীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী)য়ে উত্তৰ দিছে :

ক) ২১ (একৈশ) খন।

(১) ইংৰাজী

ক্ৰমিক নং	নাম	প্ৰকাশক
১)	The Assam Tribune	শ্ৰীকৰ্মল চন্দ্ৰ বৰা।
২)	The Sentinel	মঃ হাচান আহমেদ।
৩)	Assam Express	শ্ৰীবীৰেন্দ্ৰ নাথ শৰ্মা।
৪)	News Star	শ্ৰীভদ্ৰেশ্বৰ দাস।
৫)	North East Times	শ্ৰীপৰমেশ্বৰ লাল আগৰৱালা।
৬)	The Eastern Clarion	শ্ৰীঅকণ বৰ ঠাকুৰ।
৭)	The Frontier Sun	শ্ৰীবণবীৰ বয়।
৮)	The News Front.	শ্ৰীগুৰুল বৰা।

২) অসমীয়া

- ১) দৈনিক অসম
 ২) নতুন দৈনিক
 ৩) আজিৰ অসম
 ৪) সাক্ষ্য বাতৰি
 ৫) দৈনিক জনমতূমি
 ৬) আজিৰ বাতৰি
 ৭) হিন্দী
- শ্রীসুব্রেন্দ্র সিংহ ;
 শ্রীজ্যোতি প্ৰসাদ পাঠক।
 শ্রীসন্দীপ হাজৰিকা।
 শ্রীঅৰূপ বৰঠাকুৰ।
 শ্রীবাজেল প্ৰসাদ বৰা।

নং নামপ্ৰকাশক

- ১) পূৰ্বাঞ্চল প্ৰহাৰী
 ২) চেন্টিনেল
 ৩) উত্তৰ কাল
 ৪) বঙাসী (অন্যান্য ভাষাত)
- শ্ৰীপৰমেশ্বৰ লাল আগৰবালা।
 শ্ৰীশাস্ত্ৰ ভট্টাচাৰ্য।
 শ্ৰীজি, পি, অটল।

- ৫) দৈনিক সোৱাৰ কাছাৰ
 ৬) গতি
 ৭) দৈনিক প্ৰান্তজ্যোতি
 ৮) সময় প্ৰবাহ
 (খ) সাপ্তাহিক আৰু তিনিদিনীয়া ৭০ (সতৰ) খন।
- শ্ৰীবণবৌৰ বয়।
 শ্ৰীএম দেব বয়।
 শ্ৰীমতী নিভাৰানী দত্ত।
 শ্ৰীমতী মেহ বাজখোৱা।

- ১) ইংৰাজী—৮ খন।
 ২) অসমীয়া—৩৮ খন।
 ৩) হিন্দী—৩ খন।

ইয়াৰ উপৰি বঙাসী ভাষাত ২১ খন।

- (গ) মাহেকীয়া আৰু পথেকীয়া। আলোচনীৰ সংখ্যা ১২ (বাৰ) খন। ইয়াৰে
 ৬ খন মাহেকীয়া আৰু ৬ খন পথেকীয়া। এই কেউখন অসমীয়া ভাষাত
 প্ৰকাশ হয়।

Re : Multistoried Court Building at Karimganja.

Shri Mission Ranjan Das asked :

198. Will the Minister of Law be pleased to state :

- a) Whether the Government will construct a Multi-storied Court Building at Karimganj ?
 - b) If so, whether the plan & estimate of the said Building has been prepared ?
 - c) When the Government will start the work ?
- Shri Debanand Konwar (Minister) replied :
- a) There is no such scheme with the Government to construct a Multistoried Court Building at Karimganj for the present.
 - b) Does not arise.
 - c) Does not arise.

Re. Teer Playing

Shri Samarendra Nath Sen asked :

199. Will the Chief Minister be pleased to State :

- (a) Whether the Government is aware of the rampant "Teer" playing in Silchar Town ?
- (b) If so, what step Government is taking to stop "Teer" playing in Silchar Town ?

Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :

- (a) Yes.
- (b) Special drives were organised for Detection of selling of Teer tickets in Silchar Town. During operation, six persons were arrested and some counterfoils of Teer tickets with money were recovered from the Teer booths in Silchar Town. The drives are still continuing to prevent selling of Teer tickets.

বিষয় : চাকৰোৰ বক্ষণ।

শ্রীদেৱন জয়নাল আবেদিনে স্মৃতিচে :

২০০। মাননীয় মুখ্য মন্ত্রী মহোদয়ে অভ্যর্থনা করি জনাবনে :

- (ক) চৰকাৰী নিয়োগ নীতিত শাৰীৰিক ভাৱে বাধাগ্রস্ত সকলৰ বাবে
৩ শতাংশ চাকৰী সংৰক্ষিত বখাৰ ব্যৱস্থা আছে নেকি ?

শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্য মন্ত্রী)য়ে উত্তৰ দিছে :

- (ক) হয় আছে। শাৰীৰিক ভাৱে বাধাগ্রস্ত সকলৰ বাবে ৩ শতাংশ
আসন ৩য় আৰু ৪ৰ্থ শ্ৰেণী চাকৰীৰ ক্ষেত্ৰতহে সংৰক্ষিত কৰাৰ নীতি
ব্যৱস্থা আছে। যেনে অক্ষ—১%, কলা—১%, অন্যান্য শাৰীৰিক
বাধাগ্রস্ত—১%।

Re. Burglaries in Silchar Town

Shri Samarendra Nath Sen asked :

20. Will the Chief Minister be pleased to state :

- (a) Whether the Government is aware that there are daily burglaries in Silchar Town and many murders have been committed in Silchar town within the last two months ?
- (b) If so what step Government is taking to stop recurrence of such mischiefs ?

Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :

- (a) During last two month ten cases of burglaries and one case of murder in Silchar town were reported.
- (b) Since January, 1992 anti-burglary drives in Silchar town area and out-skirts have been intensified. A total of 15 suspects have been arrested against specific cases of burglaries. Out of ten burglaries two cases have been detected including recovery of some stolen articles and arrest of the accused.

Re : Commitment of ULFA

Shri Giasuddin Ahmed asked :

202. Will the Chief Minister be pleased to State :

- (a) Whether the United Liberation Front of Assam has given any commitment to abjure Violence, to surrender arms and to hold talks with the Government within the frame-work of the Constitution of India ?
 - (b) If so, what are the subjects of the proposed talk ?
- Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :
- (a) Yes.
 - (b) Not yet finalised.

বিষয় : আৰক্ষী বিভাগত আই, পি, এচ, এ, পি, এচ, বিষয়।

ত্ৰীপ্ৰফুল্ল কুমাৰ মহন্তুই স্বাধিষ্ঠান :

- ২০৩। মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী গহোদয়ে অনুগ্ৰহ কৰি জনাবনে ?
- (ক) অসম পুলিচক সময়ৰ লগত মিলি আগবঢ়ি যাৰ পৰাকৈ আধুনীকৰণৰ ব্যৱস্থা চৰকাৰে হাতত লৈছে নে আৰু যদি লোৱা নাই লব'নে ?
 - (খ) অসম চৰকাৰৰ আৰক্ষী বিভাগত বৰ্তমান কিমানজন আই, পি, এচ, এ, পি, এচ, বিষয় আছে ?
 - (গ) অসম চৰকাৰৰ কিমানটা বেটেলিয়ন আছে আৰু ক'ত ক'ত আছে ?
 - (ঘ) উক্ত বেটেলিয়ন কেইটাৰ কামান্ডেল'টৰ নাম কি কি ?
 - (ঙ) অসম নাগালেন্দ্ৰ অসম, অৰুনাচল, অসম মেঘালয় ৰাজ্যৰ সীমান্ত অঞ্চলত সৌমা সুৰক্ষাৰ কামত যি সমূহ আৰক্ষীক নিয়োগ কৰা হৈছে, তেওঁলোকক বিশেষ ভাট্টা দিয়াৰ ব্যৱস্থা চৰকাৰে হাতত লব নেকি ?

শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যনন্দী) যে উত্তৰ দিছে :

- (ক) হয়, ব্যৱস্থা লোৱা হৈছে।
- (খ) অসম চৰকাৰৰ আৰক্ষী বিভাগত বৰ্তমান ৭৩ জন আই, পি, এচ, আৰু ২৮২ জন এ, পি, এচ বিষয়। আছে।

(গ) অসম চৰকাৰৰ ২০ টা বেটেলিয়ন আছে।

- | | |
|-----|--|
| ১। | ১ম অসম পুলিচ বেটেলিয়ন—লিগৰী পুথৰৌত (শিৱসাগৰ) |
| ২। | ২য় ” ” ” —মাকুমত (ডিক্রগড়) |
| ৩। | ৩য় ” ” ” —তিতাবৰত (যোৰহাট) |
| ৪। | ৪ৰ্থ ” ” ” —কাহিঙ্গী পাৰাত (কামৰূপ) |
| ৫। | ৫ম ” ” ” —সোনটিলাত (উঃ কাছাৰ পাৰ্বত্য জিলা) |
| ৬। | ৬ষ্ঠ ” ” ” —কাঠালত (কাছাৰ) |
| ৭। | ৭ম ” ” ” —চৰাইখোলাত (কোকৰাবাৰ) |
| ৮। | ৮ম ” ” ” —বৰহমপুৰত (অগাঞ্জ) |
| ৯। | ৯ম ” ” ” —অভয়াপুৰৌত (বঙাটগাঁষ্ঠ) |
| ১০। | ১০ম ” ” ” —কাহিঙ্গী পাৰাত (কামৰূপ) |
| ১১। | ১১শ ” ” ” —দেবগাঁষ্ঠত (গোলাঘাট) |
| ১২। | ১২শ ” ” ” —জামুণ্ডবিহাটত (শোনিতপুৰ) |
| ১৩। | ১৩শ ” ” ” —লীলাখণৰৌত (লক্ষ্মীমপুৰ) |
| ১৪। | ১৪শ ” ” ” —দৌলাশালত (নলবাৰী) |
| ১৫। | ১ম অসম পুলিচ টাঙ্গ ফ'চ —ডাকুৰভিটাত (গোঢ়াজপাৰা) |
| ১৬। | ২য় ” ” ” —সামড়িং (নগাঞ্জ) |
| ১৭। | ৩য় ” ” ” —খজুৰাবিলত (দৰং) |
| ১৮। | ৪ৰ্থ ” ” ” ” —হাউলীত (বৰপেটা) |
| ১৯। | ১ম অসম স্পেচিয়েল
বিজাৰ্ড ফ'চ — বৰমা (নলবাৰী) |
| ২০। | ২য় অসম স্পেচিয়েল
বিজাৰ্ড ফ'চ — কাৰ্বাগাঁও (কাৰ্বি আংলং) |

- (ঘ) ১ম অসম পুলিচ বেটেলিয়ান —শ্ৰীবি, কে বৰপূজাৰী (আই.পি.এচ)
- | | |
|------|--|
| ২য় | ” ” ” —শ্ৰীজে, চক্ৰবৰ্ণী |
| ৩য় | ” ” ” —শ্ৰীএ, কে, চক্ৰবৰ্ণীয়া (এ, পি, এচ) |
| ৪ৰ্থ | ” ” ” —শ্ৰীটি, পি, চক্ৰবৰ্ণী (আই, পি, এচ) |
| ৫ম | ” ” ” —শ্ৰীএ, চি, দাস (এ, পি, এচ) |

৬ষ্ঠ	অসম পুলিচ বেটেলিয়ন	— শ্রীএ, বি, বয় (এ, পি, এচ)
৭ম	" "	— শ্রীএ, এম, সিংহ "
৮ম	" "	শ্রীএইচ, এল, দেৱ "
৯ম	" "	— শ্রীপি, ভট্টাচার্য (আই, পি, এচ)
১০শম	" "	— শ্রীজি, চি, গণে "
১১শম	" "	— শ্রীবি, ডি, শৰ্মা (এ, পি, এচ)
১২শ	" "	— শ্রীকৃত্তম আলী "
		2nd Incharge, Incharge Commdt.
১৩শ	" "	— শ্রীকে, পি, চাংকাকতি (এ, পি.এচ)
১৪শ	" "	— শ্রীবি, কে দলে "
১৫	অসম পুলিচ, টাঙ্ক ফ'র্চ বে:	— শ্রীআব, চি, নাথন (আই, পি, এচ)
২য়	" " " "	— শ্রীএ, কাবুম (এ, পি, এচ)
৩য়	" " " "	— শ্রীজে, মিপুন (আই, পি, এচ)
৪থ	" " " "	— শ্রীএইচ, বি, গোস্বামী (এ, পি, এচ)
১ম	অসম স্পেচিয়েল বিজার্ভ	
	ফ'র্চ বে:	— শ্রীবি, এন. গোহাই (আই, পি, এচ)
	২য় অসম স্পেচিয়েল বিজার্ভ	
	ফ'র্চ বে:	— শ্রীবি, কে, হাজৰিকা (এ, পি; এচ)
(৬)	বিশেষ ভাট্টা পোরাৰ নিয়ম আছে।	

Re : Freedom Fighter's Pension.

Shri Mission Ranjan Das asked :

204. Will the Chief Minister be pleased to state :

- a) Whether it is a fact that in 1936 Karimganj District Freedom Fighter's Board under the Chairmanship of the D. C., Karimganj recommended some genuine freedom fighter's pensions cases to the State Government for sanctioning State pensions immediately ?

- b) Whether it is also a fact that the then Chief Minister was pleased to issue orders for immediate disposal of those pension cases?
- c) If so, whether the Government will take immediate step for sanctioning of the said pensions?

Shri Hiteswar Saikia (Chief Minister) replied :

- a) It is a fact that the D. C., Karimganj sent 46 (forty six) cases for consideration of the Government.
- b) No such order as per available records.
- c) These cases are under examination and will be placed before the next meeting of the State Advisory Board for disposal.

(Deferred UNSTARRED QUESTION NO-122)

Re: Training of Players.

Shri Monsing Rongpi asked :

122. Will the Minister of Sports & Cultural Affairs be pleased to State :

- a) The numbers of Districtwise players who represented in the State Senior, Junior and sub-Junior Football and Valley ball team since 1970?
- b) Is there any proposal to train up players in Hill Districts of Assam under special area programme?
- c) If yes, the location of such training places and if not will the Government be pleased to take up such programme?

শ্রী হিতেন্দ্র শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী)রে উত্তর দিছে :

(ক) ১৯৭০ চনৰ পৰা সকলো তথ্য বৰ্তমান হাতত নাই। তথ্য বিচাৰি

থকা হৈছে। প্রতিনিধিত্ব কৰা প্রাপ্ত খেলুৱৈৰ সংখ্যাৰ তালিকা
এখন সদনৰ মজিয়াত দাখিল কৰা হৈছে।

(See the Annexure—III)

- খ) নাই।
- গ) অশ্ব ছুঠে।

Mr. Speaker : Order, order. The Question Hour is over.
I have received 6 zero hour notices. As Rule permits,
I have selected 3. The first one is of Shri Prafulla
Kumar Mahanta given on a news items published
in 'Ajir Batori' dated 22-3-92 under the caption ৰাজ্য
চৰকাৰৰ অৱহেলাত বছৰি পঁচ কোটি টকা লোকচান" I call upon
the Honourable Member Shri Mahanta to speak on
the matter.

★ শ্রীপ্ৰফুল কুমাৰ মহন্ত : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, ঘোৱা ২২/৩/৯২ তাৰিখে
আজিৰ বাতৰিত এটা বাতৰি প্ৰকাশ হৈছে। শীঘ্ৰ'ক 'ৰাজ্যচৰকাৰৰ
অৱহেলাত বছৰি ৫ কোটি টকা লোকচান"।

আমি সকলোৱে জানোঁ যে অসম উদ্যোগ ক্ষেত্ৰত পিচপৰা অঞ্চল। অসমৰ
কেঁচা সম্পদ অসমতে বাৱহাৰ কৰি উদ্যোগৰ সম্প্ৰাপ্তিৰ ঘটাৱলৈ বিভিন্ন
সময়ত বিভিন্ন দাবী উৎপন্ন কৰা হৈছে। এইবাৰ বাজেটত দেখা
গৈছে ৪০ কোটি টকাৰ ঘাটি সংগ্ৰহ কৰিবলৈ বিভিন্ন নিত্য প্ৰয়োজনীয়
বস্তৰ ওপৰত কৰি জগাইছে। কিন্তু তাকে নকৰি অসমৰ ভিতৰত থকা
কেঁচা সামগ্ৰী সমৃহৰ উচিত বাৱহাৰ কৰি এই টকাৰ সংগ্ৰহ কৰিব
পাৰিবিজেইতেন। অসমত উদ্যোগ নথকা বুলিয়েই অসমৰ কেঁচা সামগ্ৰী
সমৃহ বাহিৰলৈ পঠোৱা হয়। আনহাতে কেজীয় চৰকাৰৰ আইনমতে,
তেওঁজোকে কোনে কিমান পাব ভগাই দিয়াৰ পাচত, এনে এটা অৱস্থা
হয় অসমত থকা যি এটা উদ্যোগ সেইটোও বন্ধ কৰিব জগা হয়। ইঙ্গিয়া
কাৰবন লিমিটেড'ৰ ক্ষেত্ৰত এই ব্যৱস্থাই হৈছে। এই উদ্যোগ পেট্ৰো-
লিয়ামৰ অভাৱত বছৰৰ আধা দিনেই বন্ধ ৰাখিব জগা হৈছে। কেৱল

যে ইঙ্গিয়া কাববনৰ ক্ষেত্ৰতেই মই ওকাজতি কৰিছে। সেইটো নহয়। সমগ্ৰ উদ্যোগৰ ক্ষেত্ৰতেই আমাৰ অসম চৰকাৰৰ তৰফৰ পৰা এটা স্পষ্ট নীতি লোৱা উচিত। এই বিষয়ত কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰক বাধ্য কৰাৰ লাগে যে অসমত উদ্যোগ স্থাপন কৰাৰ পাঁচত অসমৰ উদ্যোগৰ চাহিদা পূৰণ কৰাৰ পাঁচতহে কেঁচা সামগ্ৰী চাৰপ্লাচ হলে বাহিৰলৈ পঠোৱা হব। এনে ধৰণৰ এটা স্পষ্ট নীতি গ্ৰহণ কৰিলেহে অসমৰ কেঁচা সামগ্ৰী অসমতে ব্যৱহাৰ কৰিব পৰা ভব। কিন্তু চেন্ট্ৰেল পলিচ মতে যদি কৰিবলৈ দিয়া হয় তেন্তে তেওঁলোকে কোনে কিমান পেট্ৰোলিয়াম পাৰ ঠিক কৰি দিব, তেওঁতা অসমৰ উদ্যোগ আৰু কোণে দিমেই নহব। গতিকে মই মুখ্য মন্ত্ৰীৰ পৰা জাৰিৰ বিচাৰে। যে এই ক্ষেত্ৰত অসম চৰকাৰৰ তৰফৰ পৰা নিজাৰীয়াকৈ নীতি গ্ৰহণ কৰাৰ ব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰিব নেকি, যে অসমৰ কেঁচা সামগ্ৰী চাৰপ্লাচ হণেহে বাহিৰলৈ পঠোৱা হব?

শ্ৰীহিতেশ্বৰ শৈকীয়া (মুখ্যমন্ত্ৰী) : মাননীয়া অধ্যক্ষ মহোদয়, ইঙ্গিয়া কাৰৰ লিমিটেড উদ্যোগ সম্পর্কত উঠা বাতৰিৰ সম্পূৰ্ণ কথা চৰকাৰৰ দৃষ্টি গোচৰ হৈছে। এই ক্ষেত্ৰত মই শ্ৰীমহন্ত ডাঙৰীয়াৰ লগত একমত। যে কেঁচা সামগ্ৰী থকা উদ্যোগ সমৃহত আমি অগ্ৰাধিকাৰ দিব লাগে।

মই ইতিমধ্যে কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ দৃষ্টি গোচৰ কৰিছে। ইঙ্গিয়া কাৰৰ যি ক্ষতি হৈছে পুৰণ কৰিবলৈ চেষ্টা কৰি আছো।

Mr. Speaker : I have received another zero hour notice from the Honourable Member, Shri Nizamuddin Khan on a news item published in 'Sandhya Batori' dated 21-3-92 under the caption "হাফলং অতিৰিক্ত শিক্ষা সঞ্চালকালয়ত ব্যাপক অনিয়ন্ত্ৰ আয়ুক্ত পৰ্যায়ৰ তদন্ত ফুটকাৰ ফেন.' Now, I call upon the Honourable Member, Shri Khan to speak on the matter.

★ **ଶ୍ରୀନିଜାମଟୁଦିନ ଖାନ :** ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ଯୋରୀ ୨୧ ମାର୍ଚ୍ଚ ତାରିଖେ ମାନନୀୟ ବାତବିତ ପ୍ରକାଶ “ହାଫଲଂ ଅତିରିକ୍ତ ଶିକ୍ଷା ସଂଗଳକାଳୀୟତ ବ୍ୟାପକ ଅନିୟଥ” ବାତବିଟୋର ପ୍ରତି ମହି ସଦନର ଦୃଷ୍ଟି ଆକର୍ଷଣ କରିଛେ । ବାତବିତ କୋରୀ ହେଛେ ଯେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟାଲୟତ ଏଥିନ ଏ, ଏଚ, ଏଇଚ ୧୧୭ ମନ୍ତ୍ରବ ଗାଡ଼ି କିନା ହେଛେ । ଏହି ଗାଡ଼ି ଖନର କିମ୍ବେତେ ଯିମାନ ଖରଚ ପରିଚେ ମେରାମତି କରେଁତେ ତାତୋକୈ ବେଚି ଖରଚ କରା ହେଛେ । ଇମାତ ଦୁର୍ନୀତି ଇମାନ ଶ୍ରୀରମେଲେ ଗୈଛେ ଯେ ସକଳୋ ନିୟମ ନୀତି ଜ୍ଞାନଗଳି ଦି କ୍ରେଜ୍ରେଲ ବୁଲି କୈ ବହୁତୋକୋ ନିୟୋଗ କରା ହେଛେ । ଶିକ୍ଷା କ୍ଷେତ୍ରର ଅଧିକାରୀ ଶିକ୍ଷା ବିଷୟର କାର୍ଯ୍ୟାଲୟତ ଯଦି ଏନେ ଦୁର୍ନୀନିୟେ ବାହ ଲୟ ହେଲେ ମାନନୀୟ ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟର ପରା ଜାନିବ ବିଚାରିଛେ । ଯେ ଏହି ବିଷୟର ମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟର କି ବ୍ୟରସ୍ତା ଗ୍ରହଣ କରିଛେ ? ଆନହାତେ ଅତିରିକ୍ତ ସଂଗଳକ ହିଲଚ, ଏଇଟୋ ଯୋରା ଏବର ଧରି ଥାଲି ପରି ଆଛ । ଏହି ପନଟୋ କିମ୍ବା ଥାଲି ଆଛେ, ଏହି ମ୍ପର୍କେ କିମ୍ବା ଚିତ୍ତା ଭାରନା କରିଛେ ନେକି ? ମହି ମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟର ପରା ଜାନିବ ବିଚାରିଛେ । ଆନହାତେ ଏନେ ଦୁର୍ନୀତି ଚଲି ଥିବା ବହବି ଇତିମଧ୍ୟେ ଦିଆ ଅଭିଯୋଗର ବିଷୟେ ଚବକାବର ତବକ୍ର ପରା କିମ୍ବା ଅନୁମନ୍ତାନ ବା ବ୍ୟରସ୍ତା ହାତତ ଲୋରା ହେଛେ ନେକି ମହି ମାନନୀୟ ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟର ପରା ଜାନିବ ବିଚାରିଛେ । ଶିକ୍ଷା ବିଭାଗୀୟ କାର୍ଯ୍ୟାଲୟତ, ଯ'ତ ଶିକ୍ଷା ବିଷୟକ ପରିଚାଳନା କରା ହୟ, ତେମେ କାର୍ଯ୍ୟାଲୟତ ଦୁର୍ନୀତି ବୋଧ କରିବଲେ ଆକ ଏହି ପରିବିଶେଷ ପରା ମୁକ୍ତି ପାବଲେ ଚବକାବର ତବକ୍ର ପରା କି ବ୍ୟରସ୍ତା ଲୋରା ହେଛେ ମହି ଜାନିବ ବିଚାରିଛେ ।

★ **ଡା: ଭୂମିଧର ବର୍ମନ (ଶିକ୍ଷା ମନ୍ତ୍ରୀ) :** ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ମାନନୀୟ ସଦମ୍ୟ ଗ୍ରାକୀୟ ଗଠନମୂଳକ ପରାମର୍ଶତ ମହି ଗୁରୁତ୍ବ ଦିଇଛେ । ହାଫଲଂ ସଂକ୍ରାନ୍ତୀୟ ଦୁର୍ନୀତି ଅଭିଯୋଗ ତଦନ୍ତ କରିବଲେ ବ୍ୟରସ୍ତା ଲୋରାର ବାବେ ଦିଆ ହେଛେ । ଏହି ବାତବି ପୋରାର ପାଚତ ମହି ବିଭାଗୀୟ ବିଷୟକ ସକଳୋ ଥିନି ଜନାବଲୈ କୈଛେ । ଏହି ଥିନି କଥା ଚାଇ ମେଲି ମହି ପ୍ରୋଜନ୍ମୀୟ ବ୍ୟରସ୍ତା ଲମ । ହାଫଲଙ୍କ ଅତିରିକ୍ତ ସଂଗଳକର ଅତି ସୋନକାଳେ ପୁରୋହାର ବ୍ୟରସ୍ତା କରିମ ।

Mr. Speaker : I have received another zero hour notice from the Honourable Member, Shri Hiteswar

Deka one news item published in 'Ajir Batori' dated 21-3-92 under the caption "অসম অকণাচল সীমান্তৰ পৰিষ্কৃতি উন্নেজনা প্ৰণ চৰাইপুংৰ আৰক্ষী চকীত অগ্ৰি সংযোগ"। Now, I call upon the honourable member, Shri Hiteswar Deka to speak on the matter.

★ শ্রীহিতেশ্বৰ ডেকা : মাননীয় অধাক্ষ মহোদয়, আমাৰ চলিত অধিবেশনৰ ২০ তাৰিখে এটা গুৰুত্বপূৰ্ণ বিষয় আলোচনা কৰা হৈছিল। সেইটো আছিল অসম নগালেণ্ডৰ সীমা সমস্যা সম্পর্কত। অসম নগালেণ্ড সীমাত হোৱা সংঘৰ্ষৰ বিষয়ে সিদ্ধিনাথন আলোচনা কৰা হৈছিল এইসদনতে আৰু তাৰ ওপৰত মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে তেখেতৰ বিবৃতি ব্যক্ত কৰিছিল। সেই সমস্যাৰ শেষ নহুন্তেই যোৱা ২১ তাৰিখৰ আজিৰ বাতৰি কাকতত এটা গুৰুত্বপূৰ্ণ কথা প্ৰকাশ পোৱা ঘতে অসম নাগ-লেণ্ড সীমান্তত উন্নেজনা আৰু চৰাইপুং আৰক্ষী চকীত অগ্ৰি সংযোগ শৈৰ্যক বাতৰিটো বৰ দীঘলীয়া কাহণে মই পঢ়িব খোজা নাই কিন্তু এই বাতৰিৰ প্ৰতি মই মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয় আৰু সদনৰ দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিব বিচাৰিছে। অলপতে আমাৰ মুখ্যমন্ত্ৰী আৰু অকণাচলৰ মুখ্য মন্ত্ৰীয়ে অসম-অকণাচল সীমা সম্পর্কত আলোচনা কৰিছিল আৰু অসমৰ পৰা এক খণ্ড অকণাচলক এৰি দিয়াৰ কথাৰ উটিছিল আৰু বাতৰি কাকততো তেনে ভাবে প্ৰকাশ কৰিছিল। কিন্তু আমাৰ মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে অকণাচলৰ মুখ্যমন্ত্ৰীৰ লগত কি আলোচনা কৰিছিল সেই সকলো কথা সদৰক অবগত কৰোৱাৰ কথা আছিল যদিও মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে তেনে ঠাই অসমৰ পৰা এৰি দিয়াৰ কথা মিছা বুলি কৈছিল কিন্তু গোটেই আলোচনাৰ কথা খিনি সদৰক এতিয়ালৈকে জনোৱা নাই। আজি দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিবলৈ ওলোৱা এই বাতৰিৰ উল্লেখ কৰিছে যে অসমৰ সীমান্ত অঞ্চলত থকা চৰাইপুং কৰেষ্টলৈ অকণাচলৰ লোক আহি ব্যাপক ধৰণে ফৰেষ্ট কাটি বেদখল চলাৰলৈ ধৰিছে। অসমৰ সীমালৈ ৭ কিলোমিটাৰ সোমাই আহি চৰাইপুং আৰক্ষী চকীত জুই লগাই দিছে। হাবি কাটি খাস্তা কৰিবলৈ ধৰিছে। তাৰ ফলত অসম সীমান্তত থকা মালুহৰ মনত উন্নেজনাৰ

মুক্তি হৈছে। সেই কাবণে মুখ্যমন্ত্রী মহোদয়ৰ দৃষ্টি আকর্ষণ কৰিছে। যে আমাৰ সীমা সমস্যটো এটা আন আন সমস্যাৰ নিচিমা জলস্ত সমস্যা। আচল কথা হৈছে তেজৰ সম্পর্ক থকা মাঝুহৰ লগত মনো-মালিন্য হলো সদায় নাথাকে যদিও ব্যক্তিগত সহোদয়ৰ লগত হোৱা কাজিয়াৰ বিষক্রিয়া বহুনিমলৈ থাকি যায়। আমাৰ চাৰিওপিমে আমাৰ সহোদৰ সহোদৰা সকল আছে। বাস্তবিকতে কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰে বিচাৰে আমাৰ বাজ্যসমূহৰ মাজত থকা সীমা সমস্যা হৈয়েই থাকক আৰু সেই কাবণে কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ ফালৰ পৰা এই সম্পর্কত তদবিৰ মকৰে। অসম-অৰুণাচল, অসম-নগালেঙ, অসম-মেৰালয় এই সমস্যা বিলাক জীয়াই বাখিলে কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ লাভ হয় কাৰণেই এই অৱস্থা হৈ আছে। কিন্তু বৰ্তমান অসমত যি দলৰ চৰকাৰে শাসনভাৰ লৈ আছে কেন্দ্ৰো সেই দলৰেই চৰকাৰে শাসনভাৰ চলাই আছে। সেই কাবণে যই আন্তৰিকতাৰে কৈছে। যে অসম চৰকাৰে কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰক এই দিশত হেঁচা দি ধৰিব লাগে। এই সীমা সমস্যা সম্পর্কত কেবটাও আয়োগ সময়ে সময়ে গঠন কৰি দিয়া হৈছে। সেই আয়োগ সমূহৰ প্ৰতিবেদন বিলাকৰ ভিত্তিত অতি শীঘ্ৰে সীমা সমস্যা সমাধান কৰিবলৈ আহ্বান জনাইছে। আৰু বাস্তবিকতে কাগজত প্ৰকাশিত এই বাতবিৰ সন্দৰ্ভত মুখ্য মন্ত্ৰীয়ে সদনক অৱগত কৰিব লাগে।

★ **শ্ৰীহিতেশ্বৰ শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, অৰুণাচলৰ লগত সীমা বিবাদ কিছু আছে কিন্তু খুব বেছি উগ্র নহয়। অৰুণাচল প্ৰদেশৰ লগত দুই এটা অঞ্চলৰ ক্ষেত্ৰত আমাৰ সীমা বিবাদ অলপ অচৰপ আছে আৰু সেই কেইটাৰ কাৰণে আমি নিৰপেক্ষ ভূমিকা লৈ কাম কৰিবলৈ চেষ্টা কৰিছোঁ। যাতে কাৰো অন্যায় নহয়। যোৱা বছৰ অৰুণাচলৰ মুখ্যমন্ত্রীৰ লগত আলোচনা কৰি কিছু সিদ্ধান্ত কৰা হৈছিল। চৰাইপুড়ৰ সম্পর্কত যিটো কৈছে সেই সম্পর্কত আমাৰ বিপোট আছে। আমি অৰুণাচলৰ চৰকাৰৰ লগত দৃষ্টিগোচৰ কৰিছোঁ।

★ **শ্ৰীহিতেশ্বৰ ডেকা :** অধ্যক্ষ মহোদয়, যোৱা বছৰ মুখ্যমন্ত্রীয়ে অৰুণাচলৰ মুখ্যমন্ত্রীৰ মাজত যিটো বুজাৰুজি হৈছিল বা চুক্তি হৈছিল সেই চুক্তি

তেওঁলোকে এভিয়ালৈকে মানি আছে নেকি যদি আছে চৰাইপুং ঘটনা ঘটি আছে ?

★ **শ্রীহিতেশ্বর শইকীয়া (মুখ্যমন্ত্রী) :** সেই চুক্তি মানি থকা হৈছে। স্থানীয় ভাবে উত্তেজনাৰ সৃষ্টি হলে অনেকুৱা ঘটনা কেতিয়াবাৰ ঘটি যায়।

Mr Speaker : Now I proceed to Item No. 2. Shri Babul Das to call the attention under Rule 54 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Assam Legislative Assembly to the news item appearing in the 'Sandhya Batori' dated 14th March, 1992 under the caption "কাগজ কলৰ প্ৰদূষণ বোধ কৰাৰ দাবী"।

CALL ATTENTION NOTICE

★ **শ্রীবুল দাস :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, যোৱা ১৪ মাৰ্চ তাৰিখে সান্ধা বাতৰি কাকতত কাগজ কল প্ৰদূষণ বোধ কৰাৰ দাবী শীঘ্ৰক এটা বাতৰি প্ৰকাশ পাইছে। মই এই বাতৰিটোৰ সন্দৰ্ভত বিভাগীয় মন্ত্ৰী আৰু মাননীয় সদনত বিহিত ভাবে ইয়াৰ এটা কাৰ্য্যকৰী ব্যৱস্থা লবৰ কাৰণে মই আহ্বান জনাৰ খুজিছোঁ। কথা হ'ল, জাগীৰোড়ৰ হিন্দুস্থান কাগজ নিগমৰ জৰিয়তে ব্যাপক বায়ু প্ৰদূষণ আৰু জল প্ৰদূষণ হৈছে। ইয়াৰ ফলত জৌৱ-জন্তু গৰু-মহ আৰু ব্যাপক বায়ু প্ৰদূষণ হৈছে। ইয়াৰ ফলত জৌৱ-জন্তু, গৰু-ম'হ আৰু ব্যাপক ভাবে শস্য পথাৰ ক্ষতিগ্ৰস্ত হৈছে। কেইখনমান বাজলুৱা বিল ইয়াৰ দাবা প্ৰদূষণৰ পানীয়ে বেয়া কৰাৰ ফলত বাজ্য চৰকাৰৰ বাজহৰো ক্ষতি হৈছে সেয়ে মই স্থানীয় বিধায়ক হিচাবে কাগজ কলৰ পৰা হোৱা প্ৰদূষণ বোধ কৰাৰ কাৰণে যিথিনি ব্যৱস্থা লব লাগে সেই ব্যৱস্থা সমূহ প্ৰকৃততে শৈছে নে নাই তাকে প্ৰত্যক্ষ কৰিবৰ কাৰণে সদন কঞ্চিটিৰ জৰিয়তে গোটেই প্ৰদূষণৰ কথাটো পৰীক্ষা কৰিব লাগে বলি অহুৰোধ জনালোঁ। দ্বিতীয় কথা হৈছে প্ৰদূষণ বোধ কৰাৰ কাৰণে বাজ্য চৰকাৰে এটা বাস্তুৱসঙ্গত কাৰ্য্যব্যৱস্থা লব লাগে। অধ্যক্ষ মহোদয় আপোনালোক সকলোৱে জাগীৰোড়ৰ ফালোৱে গলে বাচেই হওঁক

वा गाडीयेहि हँक भितवते एटा सांघाटिक धरणव बेया गोळ्ह आहि नाकत लागे आक कुऱ्लौब लेखीयाईके गेच एटा पुऱ्हागधुलि ओळाइ थाके। इयाव फलत बहुतो जौर-जन्त मरिहे। माझुहरो लिभार आदि बेया होरा बेमार हैचे। खेति पथाव ब्यापक भारे क्षतिश्रद्ध हैचे। सेहि कविते मई मन्त्री घडोदयर आक सदनव दृष्टि आकर्षण करिछें। संठिक भावे तदनु करि एই प्रदूषण बोध कराव क्षेत्रत आमाव सदन कमिटीव द्वावा गोटेहि विषयटो पर्वीक्षा करि ताव विहित ब्यरस्ता लोराव कावणे उंपव ब्यरस्ता लवैले मई आपोनाव जवियते आहवान जनालै।

★ श्रीहवेण भूमिज (मन्त्री) : हिन्दूस्थान कागज निगमव जागीरोडत स्थापन करा कागज कलटो १९८५ चनव पर्वा ब्यरसायिक भित्तित उंपादन आवस्त हय आक ईयाव वाषिक उंपादन क्षमता एक नियुत टन।

कागज कलटोव विभिन्न गोटत ब्यरहाव होरा पानीव परिवाण ह'ल ७२,४०१ घनमिटाव आक ईयाक पाइपलाईनव जवियते कलं नैव पर्वा आहवग करा हय।

कागज कलटोव विभिन्न गोट येने Chipper House, Pulp Mill, Paper Machine, Recovery Unit इत्यादिव पर्वा मयला पानी निर्गत हय आक एই मयला पानी परिशोधन गोटत (Effluent Treatment Plan त) शोधन करि निर्गत करा हय।

कागज कलटोव पर्वा उंपल्ह होरा मयला पानी निर्गत करिवव वावे कागज कलव कर्त्तृपक्षहि असम प्रदूषण नियन्त्रण परिषदव ओचवत १९८५ चनत आवेदन करे आक परिषदे आमदानीकृत PULP ब्यरहाव कराव समयत मयला पानी शोधन करि एलेंगा विलत Elenga Beel) पेलावलै चर्तुसापेक्षे १९८६ चनव मार्च माहलैके अमुमोदन दिये। किस्त ईयाव पिछत स्थानीयतारे आहवग करा वाहव पर्वा प्रस्तुत करा PULP ब्यरहाव कराव पिछत मयला पानी शोधन करि निर्दिष्टगानत वाखि पाइप लाईनवे नि कलं नैत पेलावव वावे निर्देश दिये।

कागज कलटोव पर्वा निर्गत होरा मयला पानीव पर्वा होरा प्रदूषणव वातवि समये पाहि थका हैचे। एই कागज कलटोव पर्वा होरा

গুদুষণ নিয়ন্ত্রণ পরিষদে তলত দিয়া ব্যবস্থা সমূহ গ্রহণ করিছে।

(১) কাগজ কলটোৰ পৰা নিৰ্গত হোৱা ময়লা পানীৰ নমুনা নিয়মিতভাৱে সংগ্ৰহ কৰি পৰীক্ষাগাৰত ইয়াৰ শুণাশুণ বিশ্লেষণ কৰি থকা হৈছে। ইয়াত যিবোৰ Parameter ৰ মান নিৰ্দিষ্ট সৌমাতলৈকে বেছি পোৱা হয়, তাৰ ওপৰত ততালিকে ব্যবস্থা গ্রহণ কৰিবৰ বাবে নিৰ্দেশ দিয়া হৈছে।

(২) কাগজ কলত ক্লৰিন (Chlorine) ব্যৱহাৰ কৰিবৰ বাবে স্থাপন কৰা Caustic Chlorine Plant ৰ পৰা নিৰ্গত হোৱা ময়লা পানী সোতটোৰ কাষতে পৰিশোধন কৰিবৰ বাবে Secondary Resin Tower Treatment Plant স্থাপন কৰিবলৈ নিৰ্দেশ দিয়া হৈছে আৰু বৰ্তমানে ই স্থানক কপে কাম কৰি আছে। ইয়াৰ শোধিত ময়লা পানী আকে শোপিত কৰি নিৰ্গত কৰা হয়।

(৩) কাগজ কলটোৰ পৰা নিৰ্গত হোৱা সকলো ময়লা-পানী পৰিশোধন গোটত পৰিশোধন কৰি নিৰ্গত কৰাৰ ব্যৱস্থা কৰা হয়।

(৪) পৰিশোধন গোটত থকা আসেৱাহ দ্বাৰা কৰিবৰ বাবে Central Pollution Control Board, New Delhi ৰ সকল যুটায়া-ভাৱে অনুসন্ধান কৰি ইয়াক স্থানকপে চলোৱাৰ ব্যৱস্থা গ্রহণ কৰা হৈছে। গ্রাথমিক অনুসন্ধান ইতিমধ্যেই সমাপ্ত কৰা হৈছে আৰু বিতং অধ্যয়নৰ ব্যৱস্থা অতি শৌখেই কৰাৰ দিহা কৰা হৈছে।

(৫) কাগজ কলৰ পৰা নিৰ্গত হোৱা ময়লা পানী শোধন কৰি স্থানকপে ব্যৱহাৰ কৰিবৰ বাবে কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰেও এটা Expert Committee গঠন কৰি দিছে আৰু এই সমিতিয়েও কিছু পৰামৰ্শ দি প্ৰতিবেদন দাখিল কৰিছে।

(৬) কাগজ কলটোৰ বিভিন্ন গোটৰ পৰা দুৰ্ঘটনাজনিত কাৰণত ওলোৱা ময়লা পানী স্থানতে সংগ্ৰহ কৰি পুনৰ ব্যৱহাৰৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে।

(৭) ময়লা পানী পৰিধোন গোটত সকলো সময়ত যাতে বিদ্যুৎৰ যোগান থাকে তাৰ ব্যৱস্থা লবলৈ নিৰ্দেশ দিয়া হৈছে।

(৮) কাগজ কলটোৰ পৰা উৎপন্ন হোৱা গোটা আৱৰ্জনা (Solid waste) বাস্তাৰ দাঁতিত পেলোৱা বন্ধ কৰা আৰু ইয়াক বিজ্ঞানসম্মত ভাবে পেলোৱাৰ ব্যৱস্থা কৰা।

(৯) কাগজ কলটোৰ পৰা উৎপন্ন হোৱা অদৰকাৰী চূণজাতীয় পদাৰ্থ পুনৰ ব্যৱহাৰ কৰিবৰ বাবে Desiltation Plant স্থাপন কৰিবৰ বাবে গৱেষণা কৰি আছে আৰু এই গোটা স্থাপন হোৱাৰ লগে লগে Lime Sludge ৰ সমস্যা সমাধান হ'ব।

(১০) Caustic Chlorine Plant ত পাবাৰ ব্যৱহাৰ নোহোৱা কৰিবৰ বাবে ইয়াৰ উৎপাদন পদ্ধতি Membrane Filter Technology লৈ সজলি কৰিবৰ বাবে নিৰ্দেশ দিয়া হৈছে আৰু ই অহা অষ্টম

(১১) কাগজ কলৰ শোধিত ময়লা পানীৰ বং কমাবৰ বাবে Indo-Swiss ৰ Bilateral scheme ৰ অধীনত গৱেষণা চসি আছে।

(১২) কাগজ কলটো পৰিষদৰ তৰফৰ পৰা সঘনাই পৰিদৰ্শন কৰি ধৰা হয় আৰু পৰিদৰ্শনত দেখা পোৱা ক্ষুত সমৃহ নিৰাময় কৰাৰ ব্যৱস্থা কৰিবলৈ নিৰ্দেশ দিয়া হয় আৰু পৰিবৰ্ত্তী পৰিদৰ্শনত ইয়াৰ কপায়ণৰ বুজ লোৱা হয়।

(১৩) কাগজ কলটোৰ নিজা পৰিবেশ গোট (Environment Cell) স্থাপন কৰাৰ ব্যৱস্থা কৰা।

(১৪) বায়ু প্ৰদূষণ বোধ কৰিবৰ বাবে কাগজ কলক Electro Static Precipitator বহুবাবলৈ নিৰ্দেশ দিয়া হয় আৰু ই বৰ্তমানে স্থাককপে কাম কৰি আছে। কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ অনুস্থান NEERI য়ে (National Environmental Engineering Research Institute) বায়ু প্ৰদূষণৰ ওপৰত অধ্যয়ণ চলাই ইয়াৰ মান Permissible limit ৰ ভিতৰত পায়।

(১৫) কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰে সকলো উদ্যোগক ১৯৯৩ চনৰ ডিচেম্বৰ মাহৰ ভিতৰত প্ৰদূষণ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিবৰ বাবে আদেশ দিছে। এই আদেশ অমান্য কৰা উদ্যোগৰ ওপৰত আইনগত ব্যৱস্থা লোৱাৰ দিহা দিছে।

১৯৯২ চনৰ ১৩ মাৰ্চৰ সান্ধ্য বাতৰিতি প্ৰকাশিত বাতৰিমতে কাগজকল কৰ্ত্তৃপক্ষই গোধন নকৰাকৈ ময়লা পানী নিৰ্গত কৰাৰ কথা সঁচা নহয়। ময়লা পানী পৰিশোধন গোটত শোধন কৰিহে নিৰ্গত কৰা হয়। এই ব্যৱস্থাৰ ওপৰত অসম প্ৰদূষণ নিয়ন্ত্ৰণ পৰিষদে চোকা দৃষ্টি বাখিছে। গতিকে চৰকাৰে কাগজ

কলৰ পৰা হ'ব পৰা পৰিবেশ দ্বাৰা কৰণ বোধ কৰিবলৈ ব্যৱস্থা নোলোৱা
কথাবাৰ সঁচা নহয়।

হিন্দুস্থান কাগজ নিগম কৰ্ত্তৃপক্ষই আগীৰোদত থকা কাগজ কলত অতিবিক্ত
অদ্বণ নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে ৬০ কোটি টকাৰ অঁচনি গ্ৰহণ কৰিছে। এই অঁচনি
সম্পূর্ণ হলে কাগজ কলৰ অদ্বণ সম্পূর্ণকপে নিয়ন্ত্ৰণ কৰিব পৰা যাব।

★ শ্ৰীজয়নাথ শৰ্ম্মা : অধ্যক্ষ মহোদয়, অদ্বণ এতিয়াও চলি আছে কাৰণ
সেই বৈ অহা পানী যি নদীত পৰিষে সেই নদীৰ পানী খাই গক ম'হ ছাগলী
মৰিয়ে আছে আনকি বাঢ়াৰে গ'ঙ্গেও গোক্ষ পায়। গতিকে এই অদ্বণ বন্ধ
কৰিবলৈ কি ব্যৱস্থা হাতত লৈছে আৰু কেতিয়া বন্ধ হ'ব সেইটোহে জানিব
বিছাবিছে।

★ শ্ৰীবুল দাস : অধ্যক্ষ মহোদয়, অদ্বণ হৈয়ে আছে। এতিয়া অদ্বণ
নিয়ন্ত্ৰণ বোর্ড বা বাজ্য চৰকাৰে ইয়াক নিয়ন্ত্ৰণৰ কাৰণে যিবিলাক ব্যৱস্থা
লৰ বিছাবিছে সেইবিলাক প্ৰকল্পক্ষে কাৰ্য্যকৰী হৈছে নে নাই সেইবিলাক
চাৰৰ কাৰণে এটা সদল কমিটি কৰি দিব নে? আৰু কেতিয়া কিমান দিনৰ
ভিতৰত তাক কাৰ্য্যকৰী কৰা হ'ব মন্ত্ৰী মহোদয়ে কৰ নে?

★ শ্ৰীচন্দন কুমাৰ চৰকাৰ : অধ্যক্ষ মহোদয়, মই নিজেও এই কথাটো উপলক্ষ
কৰিছে। জাগীৰোড়ৰ ওচৰে পাঞ্জৰে আমাৰ বিভাগৰ যিবিলাক বিল আছে
১৯৮৮ চনৰ পৰা আজি প্ৰায় ৪/৫ বছৰ এই বিল বিলাকৰ পৰা প্ৰায় ৮
লাখ মান বাজহ ক্ষতি হৈছে। কাৰণ অদ্বণৰ কাৰণে গোটেই বিল বিলাকৰ
মাছ বিলাক মৰি গৈছে। গতিকে এই ক্ষেত্ৰত বিভাগীয় মন্ত্ৰী মহোদয়ে যথোচিত
ব্যৱস্থা সোনকালে লৰ নে?

★ শ্ৰীচন্দ্ৰ মোহন পাটোৱাৰী : অধ্যক্ষ মহোদয়, আমি বিৰোধী দলৰ সদস্য
সকলে যে জেহুইন কথা ক'ঠ বা সচা ক'ও সেই কথাটো আমাৰ মাননীয় সদস্য
শ্ৰীচন্দন কুমাৰ সবকাৰৰ কথাৰ পৰা প্ৰমাণিত হৈছে। গতিকে মন্ত্ৰী মহোদয়ে
স্পষ্টকৈ কৰ লাগে কেতিয়া এই অদ্বণ বন্ধ হ'ব?

★ শ্ৰীহৰেণ ভূমিজ (মন্ত্ৰী, বিজ্ঞান আৰু প্ৰযুক্তি বিদ্যা) : অধ্যক্ষ মহোদয়,
এই বিষয়টোৰ শুণৰত অসম চৰকাৰে চোকা দৃষ্টি বাখিছে। মই আগতে
কৈছোঁ যে এই বিষয়া এক্সপার্ট কমিটিয়ে বিপোৰ্ট দিছে। তেখেত সকলে কিছু-

মান অনুমোদন দিয়ে আৰু সময়ো নিৰ্দ্বাৰণ কৰি দিছে। গতিকে সেইমতে সোনকালে ব্যৱস্থা লোৱা হ'ব।

Mr. Speaker : Now I proceed to Item No. 3.

Hon'ble Members Sarvasree Milan Boro, Pani Ram Rabha, Zoi Nath Sarma, Derhagra Mushahary, Parameswar Brahma, Tajandra Narzary, Kamal Brahma, Khiren Borgoyari, Smti Pramila Brahma, Shri Hiteswar Deka, Shri Ramendra Narayan Kalita draw the attention of the Minister, Welfare of Plains Tribes, Scheduled Castes and Other Backward Classes by raising a matter under Rule 301 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Assam Legislative Assembly to the news item appearing in the 'Natun Dainik' dated 12th March, 1992 relating to "জনজাতি উন্নয়ন প্রকল্পৰ ধন আঞ্চলিক অভিযোগ।"

MATTER UNDER RULE 301

★ শ্রীমিজন বড়ো : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, যোৱা ১২ মার্চ তাৰিখে নতুন দৈনিক কাকতজ জনজাতি উন্নয়ন প্রকল্পৰ ধন আঞ্চলিক অভিযোগ শীৰ্ষক যিটো বাতৰি পৰিবেশন কৰা হৈছে, এই বাতৰিটো অতি গুৰুতৰ কাৰণ আমি সদৰ ভিতৰে বাহিৰে অকল জনজাতি লোকৰ সমস্যা সমৃহ সমাধানত গুৰুত্ব আৰোপ কৰি ৰাজনৈতিক স্বার্থত বাতৰিৰ শিরোনামা দখল কৰাই আহিছোঁ। অসমৰ জনজাতিৰ লোক সকলেই অসমৰ ভূমি পুত্ৰ। তেওঁলোকৰ উন্নয়নৰ কাৰণে বিভিন্ন বিভাগে বিভিন্ন অঁচনি কৰিছে, নিগমৰ জৰিয়তে অঁচনি লৈছে কিন্তু সেই অঁচনিৰ টকা যদি আকোৰি বিষয়াই আঞ্চলিক কৰিব বিছাৰে তেনেহলে তাৰকৈ আৰু কি ডাঙৰ কথা হ'ব পাৰে? এই চৰকাৰে কাৰ্য্যভাৱ লোৱাৰে পৰা জনজাতি লোক সকলৰ পৰা সন্তোষীয়া জনপ্ৰিয়তা লাভ কৰিবলৈ ততাতৈয়াকৈ কিছুমান ব্যৱস্থা জৰুৰী আৰু আৰ্থিক দিলো। সেই আঞ্চলিক ভিত্তিতে ১৯৯১ চনৰ

৫ অক্টোবর তারিখে ফেইবাজনো মন্ত্রী বিধায়ক উপস্থিতি জনজাতি লোকৰ সকলৰ কাৰণে আৱণ্টিত ধন সমূহ বিতৰণ কৰিবলৈ বাজলুভাবে প্ৰচেষ্টা হাতত লনে। সেই অঁচনি অনুসৰি নলবাৰী জিলাতো জনজাতি উন্নয়ন প্ৰকল্পৰ জৰিয়তে ১২/১৪টা বেচৰকাৰী অনুষ্ঠানলৈ অনুদান আগবঢ়াইছিল আৰু সেই অনুদানৰ মুঠ টকা হ'ল ১ লাখ ২৬ হেজাৰ টকা।

কিন্তু এইটো আচৰিত কথা যে এই ১ লাখ ২৬ হেজাৰ টকা যি নীতি নিয়মৰ বাজেন্দি চৰকাৰী ৰে-চৰকাৰী অনুষ্ঠান বিলাকত নিৰ্বাচিত কৰি টকা দিব আগিছিল সেই নীতি-নিয়ম গ্ৰহণ নকৰি, সেই নীতি নিয়ম ফ'লত নকৰি যিটো তত্কালীন ভাৱে ব্যৱস্থা লয় তাৰ ফলত প্ৰকল্প বিষয়াজনে আঞ্চলিক কৰাৰ সুবিধা পালে। ৰে-চৰকাৰী অনুষ্ঠান প্ৰতিষ্ঠানৰ কৰ্মকৰ্তা সকলে জনজাতীয় লোক সকলৰ এই টকাখিনি পোৱাৰ কোনো ব্যৱস্থা তেঙ্গোকে নকৰিলৈ আৰু এই প্ৰকল্প বিষয়াজনে এই টকা আঞ্চলিক কৰাৰ সুবিধা পালে। সিদিনা এই কথা সদনত ওলাইছিল স্বয়ন্ত্ৰ বিধায়কৰ কথা। কিন্তু ডি. চিয়ে তেঙ্গোকৰ নীতি সৃষ্টি কৰি এই টকাৰ আঞ্চলিক কৰাৰ সুবিধা পালে বাৰণ নলবাৰী জিলাৰ আই, টি, ডি, পিৰ পি, আই, চি কমিটিৰ যিজন সভাপতি বা চেয়াৰমেন স্বয়ন্ত্ৰ বিধায়ক তেঙ্গ নিজেই। এজন তামুলপুৰ সমষ্টিৰ কংগ্ৰেছ (আই) কেনডিটেট তেঙ্গ গৈ পেজাই পি, আই, চি কমিটি নলবাৰীত গঠন কৰি দিয়া হ'ল। তাৰ পিছত স্বয়ং চেয়াৰমেন জনেই প্ৰকল্প বিষয়াৰ লগত লগলাগি এই টকাখিনি আঞ্চলিক কৰাৰ প্ৰমান আছে। এইটো কেৱল নলবাৰী আই, টি, ডি, পিতেই নহয় আমাৰ প্ৰেনচ টাইপ ডেভলপমেন্টৰ চেয়াৰমেনৰ ক্ষেত্ৰটো এইটো হৈছে। আজি জনজাতি বিধায়ক থকা স্বত্বেও বেলেগক টাইবেল ডেভলপমেন্ট কঢ়াৰেচনৰ চেয়াৰমেন পতা হ'ল যিটো মেকি তামোলপুৰৰ বাইজে তেঙ্গক প্ৰত্যাখ্যান কৰিছে। ১ লাখ ২৬ হেজাৰ টকা প্ৰকল্প বিষয়া জনে আঞ্চলিক কৰাৰ যি ক্ষমতা সেই সেই ক্ষমতা প্ৰয়োগ কৰি দেখুৱাইছে।

মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, জনজাতীয় উন্নয়নৰ নামত যিটো প্ৰসহন তাৰ উদাহৰণ আৰু আছে। অকল জনজাতীয় উন্নয়নৰ ক্ষেত্ৰতেই নহয় পেপোৰত বছতো। কথা ওজাই আছে সেইবোৰ কথা আমি সকলোৱে জানো। আৰু এটা কথা চাৰ জনজাতীয় লোক সকলক ল'ৱাৰ আসাম, ল'ৱাৰ আসাম বুলি কলে সাধাৰণতে বৰপেটা বুলি কয়। কিছুমান মাসুহে বৰপেটাৰ নাম শুনিলে উচ্চ খাই উঠে। সেইকাৰণে বৰপেটাত বসবাস কৰা বড়ো জনগোষ্ঠী

সকলক সাংঘাটিক বুলি ভাবে। বৰপেটা জিলাৰ পথা বড়ো জনজাতি বিধায়ক নিৰ্বাচিত হৈ আহিলে সাংঘাটিক কিবা এটা হোৱা বুলি ভাবে। সেইকাৰণে নলবাৰী জিলাৰ বাসিন্দাৰ স্বষ্টি বিধায়ক নি বৰপেটাৰ পি, আই, টি, কমিটিৰ চেয়াৰমেন কৰি দিয়া হ'ল। তাৰফলত কি হৈছে? তাৰ এটা কথা চাৰ বৰপেটা জিলাৰ আই, টি, ডি, পিৰ প্ৰজেক্ট ডিবেলপমেন্ট আছেনে নাই ভগবানেহে জানে? আজি জনজাতীয় সকলৰ যিবিলাক সমস্যা আছে সেইবিলাকক লৈ বিভিন্ন জনে বিভিন্ন মন্তব্য কৰে, বিভিন্ন ধৰণে আলোচনা কৰে আৰু এটা কথা চাৰ মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে শাসনৰ ভাৰ গ্ৰহণ কৰাৰ পিছতেই অসমত শাস্তি বিবাজ কৰিছে বুলি কয়। আজি বড়ো সকলক উগ্ৰপন্থীবুলি কয় বড়োসকল যদি উগ্ৰপন্থীয়েই হয় আৰু তেওঁলোকৰ আপ্য ধন যদি কোনোৱা বিষয়াই আৱাসাং কৰে তেতিয় উগ্ৰপন্থীসকলো যদি নিজাৰবিয়াকৈ কিবা ব্যৱস্থা লয় তেতিয়াহলে শাসকীয় চৰকাৰে এই বিষয়ে আইন শৃংখলাৰ বিৱিত কৰিছে বুলি তেওঁলোকক উগ্ৰপন্থী বুলি কয়।

Mr. Speaker : You are to draw the attention of the Minister, Welfare of Plains Tribes and Backward classes regarding Pollution from Paper Mills only and not other things. আপুনি বেচি দীঘলীয়া নকৰিব।

★ ত্ৰিমিলন বড়ো : মাননীয় জনজাতীয় সকলৰ বিভিন্ন ধৰণৰ সমস্যা আছে। পেপাৰে কাকতে আজি জনজাতীয় সকলক উগ্ৰপন্থী বুলিয়েই ব্যৱহাৰ কৰা হৈছে। কোনোবাই কৰিবাত কিবা এটা বেয়া কাম কৰে সেইটোকে বড়ো উগ্ৰপন্থীয়েই কৰিছে বুলি পেপাৰত পৰিবেশন কৰে। সঁচাকৈয়ে যদি অসমত স্থায়ী শাস্তি আনিব বিচাৰিছে তেনেহলে এই জনজাতীয় লোক সকলৰ টকা খিনি যিসকলে আৱাসাং কৰিছে সেইসকলৰ ওপৰত কঠোৰ বাৰষ্ঠা গ্ৰহণ কৰে। নহ'লে আজি বড়ো সকলৰ মনত যি অসম্মোষ্টিৰ ভাৰ পোষণ কৰি সেইটোৱে নিজা বিবিয়াকৈ কিবা ব্যৱস্থা লবলৈ বাধ্য হ'ব। মুখ্যমন্ত্ৰী ডাঙৰিয়াই কয় যে অসমক কেতিয়াও বিভাজন কৰিবলৈ দিয়া নহ'ব। যদি সেইটোৱেই হয় তেনেহলে এনে বিলাক বিষয়াৰ ওপৰত একো ব্যৱস্থা নলয় তেতিয়াহলে তেখেতৰ বিৱিতিৰ কি মূল্য থাকিব?

শ্ৰেষ্ঠ মই শি, আই, টি কমিটিৰ চেয়াৰমেন জনৰ যি অভিযোগ আছে সেইটো অমুসন্ধান কৰি বিহিত বাৰষ্ঠা লয় আৰু কমিটিখন যাতে ডিজলত কৰে তাকে কামনা কৰি মোৰ বক্তৃব্য সামৰণি মাৰিলোঁ।

★ **শ্রীগামীবাবু বাভা:** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই ক্ষেত্রত মোবো অসপ কব লগা আছে। যোরা ১৯৯১ চনৰ ৫ অক্টোবৰ তাৰিখে এখন সভাৰ জৰিয়তে নলবাৰী জিলাৰ এই অনুদান বিলাক বিতৰণ কৰাৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছিল আৰু উক্ত মৰ্মে নলবাৰী জিলাৰ আই, টি, চি, পি, ব অনুদানবোৰ বিতৰণ কৰা হয়। এই সংক্রান্ত ১৯৯১-৯২ চনৰ বাবে ১ লাখ ২৬ হাজাৰ টকা বিভিন্ন অনুস্থানৰ বাবে দিয়া হৈছিল। এই ১ লাখ ২৬ হাজাৰ টকাৰে যোৱা ৫ অক্টোবৰ মিটিঙ্গত কেইখন মান চেক বিতৰণ কৰা হৈছিল আৰু তেনকৈ দিয়া টকাৰ পৰিমাণ আছিল ১৩ হাজাৰ। বাকী ১ লাখ ১৩ হাজাৰ টকা আজিলৈকে বিতৰণ কৰা নহ'ল। কিন্তু ইতিমধ্যে এটা কথা আমি দেখিবলৈ পাইছোঁ। যে এই টকাখনি সম্পূৰ্ণকৈ আদায় দিয়া বুলি কেচ বুকুত দেখুটো হৈছে। তাত যি জন প্ৰজেষ্ট ডিবেল্টৰ ইন্চার্জ' হৈ আছিল তেওঁ এই পেমেন্টবোৰ কৰা বুলি দেখুৱাইছে আৰু তাত দেখুটো মতে সাংস্কৃতিক সংঘৰ সম্পাদক, কমল বাজবংশীৰ নামত ২০০০, নবীন চন্দ্ৰ দাম সাংস্কৃতিক সংঘৰ বাবে ২০০০ নবোদয় প্ৰাথমিক বিদ্যালয়ৰ নামত ২০,০০০ মহেশ বড়ো সাংস্কৃতিক অনুস্থানৰ নামত ২০০০, সম্পাদক কচুবাৰী জনকল্যান সংঘ পুথি ভড়ালৰ নামত ৫০০০, প্ৰধান শিক্ষক প্ৰাথমিক বিদ্যালয়, ফালিপুৰৰ নামত ২৩,০০০, অশোক বাভা, আলগজাৰ ২০০০, সাংস্কৃতিক অনুস্থানৰ নামত ২,৫০০, সম্পাদক, পূৰ্ব ভামোলপুৰ এম, ই, স্কুল, সম্পাদক, চাৰাণপাৰা বাভা সংঘৰ নামত ১০,০০০, দময়ন্তী ব্ৰহ্ম ১০,০০০, এচ, ব্ৰহ্ম প্ৰধান শিক্ষক টুপঙ্গীয়া এম, ই, স্কুলৰ নামত ২০,০০০ টকাকৈ অনুদান দিয়া বুলি নলবাৰী জিলাৰ জনজাতি প্ৰকল্পৰ পৰা জনা যায়। কিন্তু এই টকাৰ এপইচাও উক্ত লোক বা অনুস্থানবোৰে পোৱা নাই। চাৰাণপাৰা বাভা সংঘৰ নামত যি ১০,০০০ টকা দিয়া বুলি দেখুৱাইছে সেই সংঘৰ ইই নিজে চেয়াৰমেন আছিলো। গতিকে এই বিষয়টো মই নিজে জানো। এই টকা আমি পোৱা নাই। যোৱা ৫ অক্টোবৰৰ মিটিঙ্গত শিক্ষামন্ত্ৰী মহোদয়ে যি কেইখন চেক বিতৰণ কৰিছিল তাত মাত্ৰ তেৰ হাজাৰ টকাহে দিয়া হৈছিল। বাকী টকা খিনি সেই সময়ত কোৱা হৈছিল যে অহা সোমবাৰে কাৰ্য্যালয়লৈ আহি লৈ যাৰ বুলি কোৱা হৈছিল। কিন্তু পিছত খবৰ কৰাত প্ৰজেষ্ট ডিবেল্টৰক অনুদানৰ ৫০ শতাংশ দিলেহে আদায় দিব বুলি কৈছিল। সেই সময়ত মই সমষ্টিতে আছিলো আৰু এই বিষয়ত মোক কেইবা জনেও অভিযোগ

দিছিল। এই বিষয়ে মই লগে লগে উপায়ুক্তক জনাইছিলেঁ। আক তেতিয়া উপায়ুক্তই উক্ত টকাখিনি দিয়াতো বক কবি দিব বুলি কৈছিল। এই বিষয়টো ইতিমধ্যে বাতবি কাকতো প্রকাশ পাইছে আক আমি এতিয়া এই কথাটো বুজিব পাবিছেঁ। যে এই টকাখিনি বিতরণ কৰা হোৱা নাই, প্ৰজেষ্ঠি ডিবেটোৰে নিজে স্বাক্ষৰ কবি এই টকাখিনি আস্বাসাত কৰিছে। এই বিষয়টো যোৱা এ, টি, পি, এ,ব গ্ৰিটিঙ্গে মই উৎপান কৰিছেঁ। যোৱা জুলাই চেচনতো নলবাৰী জিলাৰ এনেকুৱা আন এটা ঘটনা মাননীয় সদস্য শ্ৰীজয়নাথ শৰ্মা ডাঙৰীয়াই উল্লেখ কৰিছিল। এই ঘটনাত জনজাতি বাইজৰ ৬ লাখ টকা আস্বাসাত কৰাৰ অভিযোগ উঠিছিল আক তেতিয়া জনজাতি বিভাগৰ মন্ত্ৰী মহোদয়ে সেই ঘটনাত জড়িত বিষয়া জনক চাচপেও কৰা বুলি কৈছিল। এই ঘটনাটোৰ ফেৰত প্ৰকৃত তথ্য থকা স্বত্বেও কিয় ব্যক্তি গ্ৰহণ কৰা নাই সেইটো বুজি পোৱা নাই। সেই কাৰণে এই ঘটনাটোত যি বিষয়া জড়িত হৈ আছে তে ওঁলোকৰ বিবৰে এই সদন চলি থকা সময়তে ব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰি মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে আমাৰ জনাৰ বুলি আশা কৰিলো।

★ **শ্ৰীজয়নাথ শৰ্মা:** Mr. Speaker Sir, I have some documents which I would like to refer in this connection.

অধ্যক্ষ মহোদয়, মই সদনৰ জ্ঞাতাৰ্থে এটা কথা কৰ খুজিছেঁ। যে এই বিষয়টো ইতিমধ্যে বাতবি কাকতত প্রকাশ পাইছে আক এই বিষয়ত তাৰ বাইজৰ অভিযোগ কৰি কৈছে যে নলবাৰী জিলাৰ সমষ্টি জনজাতি উল্লেখ প্ৰকল্পৰ চেয়াৰমেন শ্ৰীঅস্বৰূপ লাচাৰী আক তদানীন্তন সঞ্চলক শ্ৰীজে, এন, শৰ্মাৰ্ই (ই, এ, টি) লগ লাগি জনজাতিৰ বাবে মন্ত্ৰীৰ হোৱা লক্ষাধিক টকা আস্বাসাত কৰাৰ সত্য তথ্য বাইজৰ মাজত ওলাই পৰিছে। এই ঘটনাত ১ লাখ ২৬ হাজাৰ টকা আস্বাসাত কৰিছে আক তাৰ তিনিখন মান বিচিপ্ট মোৰ হাতত আছে। এই কেইখন মই আপোনাক দিগ। এই ঘটনাত এজন মাননীয় মন্ত্ৰীৰ নামো উল্লেখ কৰা হৈছে। তেখেতৰ নামটো মই এতিয়া কৈ নিষিও, কিয়নো ঘটনাটো সত্য হয় নে নহয় সেইটোহে আমাৰ সদনক আক লগতে বাইজক জনাৰ লাগে বুলি মই ভাৰিছেঁ। আপু তথ্য মতে উক্ত টকাবোৰ এনে ধৰণে আদায় দিয়া বুলি দেখুৱা হৈছেঁ:- শ্ৰীকমলা বাজৰংশী (সাংস্কৃতিক কাৰৰ বাবে)

২০০ টকা, শ্রীনবীন চন্দ্র দাস, সাংস্কৃতিক কামৰ বাবে-২,০০০ টকা, প্রধান শিক্ষায়ীত্বি, নবোদয় আর্থমিক বিদ্যালয়, বৰশিমলাগুৰি ২০,০০০ টকা, শ্রীমহেশ চন্দ্র বড়ো (সাংস্কৃতিক কামৰ বাবে-২,০০০ টকা সম্পাদক, ২ নং কচুবাৰী অনুকল্যান সংঘ পুঁথি ভড়াজ-৫,০০০ টকা, প্রধান শিক্ষক, বাঠোগুৰি আর্থমিক বিদ্যালয়, কালিপুৰ-২৩,০০০ টকা, শ্রীঅশোক বাভা, আলাগজাৰ, বৰমা (সাংস্কৃতিক কামৰ বাবে)-২,০০০ টকা ৩নং বৰতলা বৈনাপানী মহিলা সমিতি (সাংস্কৃতিক কামৰ বাবে)-২,৫০০ টকা, সম্পাদক, চাৰানপাৰা বাভা সংঘ, আলাগজাৰ-১০,০০০ টকা শ্রীমতী দময়ন্তী ব্ৰহ্ম, খালা গেৰেবা আইজী আফাদ-১০,০০০ টকা প্রধান শিক্ষায়ীত্বি, টপলীয়া গ্রম, ই, স্কুল-২০,০০০ টকা কপজ্জোতি মহিলা সমিতি, ৩ নং বৰতলা-২,৫০০ টকা—মুঠ ১ লাখ ২৬ হাজাৰ টকা ইয়াৰ ভিতৰত আকো কোৱা হৈছে যে উপৰোক্ত শ্রীকমলা বাজবংশী, ৩ নং বৰতলা বৈনাপানী মহিলা সমিতি আৰু কপজ্জোতি মহিলা সমিতি টি, এচ. পি, অঞ্জলত বাহিৰ বৰক্ষেত্রী অঞ্জলৰ লোক। এই সোক সকলৰ যি ধৰণে টকা বিতৰণ কৰা দেখুৱাইছে তাৰ সকলো বোৰ চহী জাল চহী কৰি তেইশোকে আঞ্চল্য কৰিছে। গতিকে এই বিষয়টো বৰ গুৰুত্বপূৰ্ণ। এই ক্ষেত্ৰত এজন মন্ত্ৰীকো জড়িত কৰা হৈছে। কিন্তু মই ভাৱো এই বাবে মাননীয় মন্ত্ৰী গবাকী হয়তো ইমান তলৈলৈ যোৱা নাই গতিকে প্ৰকৃততে যদি এনে ঘটনা হোৱা নাই তেনেহলে অসমৰ বাইজৰ কাৰণে মঙ্গলজনক হ'ব আৰু যদিহে এনে ঘটনা হৈছে তেনেহ'লে ইয়াৰ বিহিত ব্যৱস্থা অতি সোনকালে লব লাগে।

অধ্যক্ষ মহোদয়, "অগ্ৰদৃত" বাতৰি কাকতত শলাইছে যে মুখ্যমন্ত্ৰীৰ হাত বেছি, ১০ খনতকৈও কেছি। ৰাগতকৈও বেছি হাত। জনতা ভৱনত যিজনে মূৰি ঘৰৰ তেঁ কয় যে মুখ্যমন্ত্ৰী সেী-হাত। মুখ্যমন্ত্ৰীৰ মাঝুহ বহুত আছে। এনেকৈয়ে মন্ত্ৰীৰ নামত বেয়া কাম চলি থাকিবলৈ দিলৈ, বিভিন্ন ঠাইত বেয়া কাম কৰাটো চলিব দিলৈ অকল আপোনালোকৰ দলৰে নহয়, দেশৰ ক্ষতি হ'ব। এইটো অতিৰোধ কৰিবৰ কাৰণে মই আপোনাৰ জৰিয়তে মন্ত্ৰীৰ দৃষ্টি গোচৰ কৰিব বিচাৰিছে। ইতিমধ্যে আমাৰ মাননীয় সদস্য শ্রীচন্দ্ৰ মোহন পাটোৱাৰী ডাঙ-বীয়াই কৈছেই যে সমালোচনাৰ কাৰণে ডাঙি ধৰা বুলি নকৰ। মন্ত্ৰী কোন নাম উল্লেখ নকৰো। আজি মই বেয়া পাঞ্চ, সেয়ে নাম উল্লেখ নকৰো। আজি মই আপোনাৰ জৰিয়তে আপোনালৈ দৰখাস্তখন দিম, কেখেতে নিজে বিচাৰ কৰক। জাল চহী মাৰি একজাখ তেৰ হেজাৰ টকা আঞ্চল্য কৰা হৈছে।

এই বিষয়ে বিচার হব নে নহয়, অস্বীকৃতি লাহুরি কোন, এইটো বিচার হ'ব লাগে। ৰাজহুরা টকা কি কাৰণত তেখেতে আস্বান্ত কৰিছে? নিশ্চই বিচার তৰ লাগে। তুন্মতিক যদি ঢাকি ৰাখিবলৈ বিচাৰে, তেনেহলে হাজাৰটা ফাকী দিব লাগিব। এই মাহতে ব্যৱস্থা লব বুলি আশা কৰিছে। অস্বীকৃতি লাহুৰিৰ ওপৰত বিচার হব বুলি আশা ৰাখিলোঁ। এইটো বাস্তৱ ক্ষেত্ৰত ব্যৱস্থা লোৱা হব বুলি আধাৰ দিব নালাগে, বাস্তৱতে কৰ্পায়ন হব লাগে।

মাননীয় অধ্যক্ষঃ ইতিমধ্যে তিনিজন মাননীয় সদস্যই কৈছেই। আপোনালোক সকলোৱে কৰলৈ বিচাৰে, মোৰ কথা হুশুনে। মোৰ কথা শুনি লওক। বাজেট আলোচনা আজি আৰু কালিলৈকে আছে। কালিলৈ পিচবেলা মুখ্য মন্ত্ৰীয়ে উভৰ দিব। কৰলৈ বছত সদস্য আছে, কিছুমানে মাত মাতিব পৰা আই। (ভট্টচ-নিজৰ সমষ্টিৰ জনক কৰলৈ দিয়ক)। তেখেত বাক সমষ্টিৰ হিচাবে কওক, কিন্তু চাৰিজনৰ বেছি কৰ নালাগে।

★ **শ্রীদেৱহাগ্ৰা মুকুহাবি:** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই বিষয়টোৰ ওপৰত মাননীয় সদস্য সকলে ইতিমধ্যে কৈ গৈছে। এই ঘটনাটো বাতৰি কাকত, ওসাটছে। এই সম্পর্কে মই বেছিকৈ কৰলৈ বিচৰা নাই। যিজন আই, টি, ডি, পি, ব চেয়াৰম্যান আছে, তেখেতৰ জৰিয়তে ঘটনাটো হৈছে। এই সম্পর্কে মোক বাইজে এলিগেশন দিছিল যে ৮০ হেজাৰ টকাৰ ৪০ হেজাৰ টকা নিদিজে চেয়াৰম্যানে অনুদান নিদিয়ে। এনেদৰে চাৰি পাচটা অনুষ্ঠানৰ লোকে টকা আৰিবলৈ গৈ ঘূৰি আহিছে। যিজন অস্বীকৃতি লাহুৰি চেয়াৰম্যান, দিয়া হৈছে, সেই জন মাহুহে আমাৰ উন্নয়ন পৰিষদৰ চেয়াৰমেন গোটেইখন ডিস্ট্রিক্ট লেভেলৰ সদস্য তাৰোপৰি নসবাৰী ডিস্ট্রিক্ট ইলিমেন্টৰী বোৰ্ডতে সদস্য হিচাপে আছে। তেখেত এনেকুৱা ধৰণৰ ক্ষমতাবীল লোক যে ডিস্ট্রিক্ট ইলিমেন্টৰী বোৰ্ডৰ চেয়াৰম্যান থকা স্বহেতু নিজে মিটিং মাতিব পাৰে। তেখেতে মোকো ঘৰে মিটিংলৈ মাটি কৈছিল যে শিক্ষক সকলৰ নিযুক্তি দিয়াৰ দেৰি হৈ গৈছে, সোনকালে দিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰিব লাগে। যোৱা ২৯ তাৰিখে নলবাৰী জিলাৰ ঢাকিট হাউচত যি ঘটনা হল, সেই কাৰণে মই এইখনি কৰ খুজিছে। চৰকাৰে এনেকুৱা ধৰণৰ লোকক দায়িত্ব দিছে আৰু এনেকুৱা ধৰণৰ মাঝুহজনে বাইজৰ সেৱক হিচাপে অনুষ্ঠান বিজাকৰ দায়িত্ব বহন কৰি আছে। তেখেতে এই কু-কাৰ্য: বিজাকত লিপ্ত থকা বুলি জানিও যদি চৰকাৰে ব্যৱস্থা লবৰ কাৰণে

ইচ্ছা নকরে তেজিয়া হলে আমাৰ জনজাতী সকলৰ কেনেধৰণৰ উন্নতি সাধন কৰিব। চাকবিৰ বাবে ১৫/২০ হেজাৰ টকা লয়, ইয়াৰ ফজল মাটি বিক্ৰী হৈছে, কিন্তু চাকবি নেপায়। তেওঁলোকক চাকলি দিব পৰা নাই। সেই কাৰণে কৈছো যে এই অস্বীকৃত লাহুৰিয়ে ঘোৱা ২৯ তাৰিখে ইলিমেটৰী এডুকেশন বোর্ডৰ যিথন মিটিং পাতিছিল মাটিৰ নিযুক্তি পলম হল বুলি, সোনালে দিব লাগে বুলি, এডুইচৰী বোর্ডৰ চেয়াৰমাম ডাঙুবিয়াটি নিজেই ধৈৰ্যাৰে থাকিব মোৱাৰি পিস্তল উলিয়াৰ লগা হ'ল। এজন ধূতি পিঙ্কা সদস্যাই তালৈ অগল ভয়তে। জনজাতি সকলৰ বক্ষণাবেক্ষনৰ কাৰণে যদি এই বিলাক মাহুহক বাছি উলিয়াটি, তেনেহলে আমাৰ কেনেকৈ মদ্রাস সাধন হব।

শ্রীৰমেন্দ্র নাৰায়ণ কলিতা : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আজি যিটো বিষয় উপৰন কৰা হৈছে এইটো অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ বিষয়। নলবাৰী জিলাৰ আই, টি, ডি, পি, ব টকা আসুম্যাং কৰা বুলি ইতিমধ্যে অভিযোগ উঠিছে। আজি এটা ছন্নীতিৰ বিষয়ে বাতৰি কাকতত ঘোষিত হৈছে। বৰ্তমান চৰকাৰখনৰ ৮ মাহ সময় হৈছে। এই সময়তে দেখা গৈছে যে প্রত্যোক বিভাগতে কৰাপশ্বন আছে। কৰাপশ্বনৰ মুখ পত্ৰ দিয়া হৈতে, কিন্তু বিভাগে ব্যৱস্থা লোৱা নাই। এটা নিৰ্দিষ্ট বিষয়ৰ শুপৰত আজি এই বিষয়টো উপৰন কৰা হৈছে। আমাৰ মাননীয় সদস্য শ্রীগীৰী বাম বাভা বৰমাং সমষ্টিৰ চাৰিগুৰী বাভা যুৰুক সংঘৰ্ষ সভাপতি। সেই সংঘৰ্ষ সভাপতিয়ে নিজে কৈছে যে ১০ হেজাৰ টকা পোৱা নাই। এই সংক্রান্তত তেখেতে লিখিত ভাবে জৱাইছে, টকা পোৱা নাই। বুলি। এই বিষয়ৰ বাতৰিটো ওলোঁৱাৰ পিচতো চৰকাৰৰ পৰা কোনো স্পষ্টীকৰণ দিয়া হোৱা নাই। এই সংক্রান্ত চৰকাৰে কি ব্যৱস্থা লৈছে বা লৰ কোমো স্পষ্টীকৰণ নাই। বাতৰি কাকতত বাতৰি ওলোঁৱাৰ পিচত স্পষ্টীকৰণ দিয়াৰ চৰকাৰ দায়িত্ব আছে। কিন্তু চৰকাৰ এই ক্ষেত্ৰত নিয়াত হৈ থকা দেখিবলৈ পাৰ্শ্ব। আজি বিধান সভা চলি থকাৰ কাৰণে আমি ইয়াত বিলৈ পাৰিবো। যদি বিধান সভা নবকৰে তেজিয়া হলে দেখিব এই কৰাপশ্বন অবাধ গতিত চলি থাকিব। দেখা যাব এই চৰকাৰে এই ক্ষেত্ৰত কোনো কঠোৰ ব্যৱস্থা গ্ৰহণ নকৰে চৰকাৰৰ আঠ মাহ পাৰ হ'ল আৰু চাৰি বছৰ চাৰি মাহ বাটী আছে। যদি এনেকৰূপ হৈ থাকে তেজিয়া হলে অসমৰ অৱস্থা কি হব। ‘অসমক অক্ষয়ত দিব লাগিব’। এই ভাবো এই সম্পর্কে চৰকাৰে কঠোৰ ব্যৱস্থা লৰ লাগে। আজি যি টকা আসুত্ব কৰা হৈছে, এই বিষয়ত মন্ত্ৰীয়ে উত্তৰ দিব

আজি আই, টি, ডি, পি,ৰ যিসকলে টকা আঘসাত কৰিছে তেওঁলোকক কঠোৰ ব্যৱস্থা লৈ জেল হাজোৰত পঞ্চাব লাগে। এই খিনিয়ে মোৰ কবলগা।

Shri Parameswar Brahma : Mr. Speaker Sir, I have heard about the affairs of the Nalbari District. I.T.D P. Chairman. Now my request is that Government thinks for the development of tribal people, but Sir tribal people are very simple, honest and unscrupulous. If Government, for politics, instills corruption in the simple minded tribal people it will pollute the entire tribal society and this will contradict the version of the development of the tribal people. Sir, I want that enquiry be made and proper punishment be given to guilty persons so that people can know and understand that the Government thinks for the actual development of the tribal people. The same game is going in all the districts of the state. Mr. M. Basumatary is heading the entire Darrang district. So my request the Government not to try to pollute the tribal society in the name of politics and in the name of taking party work. They are nothing but creating agents of corruption in the tribal society. I request to stop it.

শ্রীবৰ্গৰ্বাম দেউৰী (মন্ত্রী) : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই সম্পর্কে এটা অনুসন্ধান কৰিবলৈ দিয়া হৈছে। অনুসন্ধান চলি আছে। তথ্যপাতি অহাৰ পিচত চলিত সদনত এই সম্পর্কে এটা বিবৃতি দিয়া হব।

★ শ্রীমিলন চন্দ্ৰ বড়ো : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই যি জন চেয়াৰমেন পাতি দিছে তেওঁৰ যি কাৰ্য্যকলাপ সেইটো সোনকালে তদন্ত কৰিব নেকি ?

শ্রীবৰ্গৰ্বাম দেউৰী (মন্ত্রী) : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এইটো তদন্তৰ ভিতৰতে আছে।

★ শ্রীজয়নাথ শৰ্মা : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই চেয়াৰমেন জনৰ ওপৰত অতি সোনকালে একশান লবনে নলয় সেইটোহে লাগে ?

★ **শ্রীবর্গুম দেউৰী (মন্ত্রী) :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় সদস্য শ্রীপানি-
বাম ৰাভাদেৱে ঘটো কৈছে যে আগৰ নলবাৰী জিলাৰ যিজন চাব-ডিভিজনেল
অফিচাৰ আছিল, তেওঁ যি ৬ লাখ টকাৰ হুনৰীতি কৰাৰ বিষয়ে কোনো বাৰছা
নোলোৱাৰ কথা কৈছে সেইটো সত্য নহয়। তেওঁক চাচপেও কৰা হৈছে আৰু
ইতিমধ্যে সেই কেছটো বিচাৰাধীন হৈ আছে।

★ **শ্রীজয় নাথ শৰ্মা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, ও খনব বিপৰ্য দিছে। এইটো
ছদ্মিনৰ কথা। একশান লবনে নলয়? আমাৰ মাননীয় সদস্য শ্রীপূৰ্বমেশ্বৰ ব্ৰহ্ম
ডাঙুৰীয়াই কৈছে এনেধৰণেৰে ট্ৰাইবেল মাহুহৰ উপৰত আঘাট হানিব নেঙাগে।

Mr. Speaker : Please take your seat.

(Shouts from the members belong to Opposition Bench) Shri Zoi Nath Sharma, Shri Nagen Sharma,
and Shri Chandra Mohan Patowari stood on their feet to speak at this juncture.)

★ **শ্রীবর্গুম দেউৰী (মন্ত্রী) :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আমাৰ কাঁকো আঘাত
দিয়াৰ অভিপ্ৰায় নাই। ইতিমধ্যে তদন্ত চলি আছে আমি সকলো কৰিবলৈ
প্ৰস্তুত।

★ **শ্রীমুখেণ স্বৰ্গীয়াৰী :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, চেয়াৰমেন জনক তদন্ত কৰি
থকাৰ সময়ত নিলম্বিত কৰি বাখিব লাগে।

★ **শ্রীজয়নাথ শৰ্মা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মন্ত্রী মহোদয়ে উত্তৰটো দিয়া
নাই। যদি তেওঁক কাম কৰিবলৈ দিয়া হয় তেন্তে তেওঁৰ উপৰত থকা
অভিযোগৰ তথ্যপাতি হানী কৰিব পাৰে। তেওঁক নিলম্বিত কৰি বাখিবনে?

শ্রীবর্গুম দেউৰী (মন্ত্রী) : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই বিষয়টোৰ উপৰত
অভিযোগ আহিছে। তদন্তৰ কৰি ব্যৱহাৰ লোৱা হ'ব।

★ **শ্রীচন্দ্ৰমোহন পাটোৱাৰী :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আই. টি, ডি, পি, ব্ৰ
যি গৰাকী এ চি এচ বিষয়াক যোৱাৰাৰ যেনেকৈ নিলম্বিত কৰা তল, প্ৰচি-
ডিঃ দ্র কৰা তল থিক তেনেকৈ অস্বিশ লাহিবিক, যি জনব আমি নামেই
শুনা নাই তেওঁক অনুসন্ধান কৰি থকা সময়খনিত নিলম্বিত কৰি বাখিব লাগে।
এই ‘ডিফিটেড কেণ্ডিটেট’ বিলাক আমাৰ জলন্ত সমস্যা হৈ পৰিছে। এইটো
লাজলগা কথা। লাজ যে মেপায়, এইটো সকলোৰে বাবে সমস্যা হৈ পৰিছে।

শ্রীবর্গুম দেউৰী (মন্ত্রী) : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মই কৈছোয়ে অনুসন্ধান
কৰি থকা হৈছে। তেওঁ চৰকাৰী বিষয়া নহয় নিলম্বিত কৰিবলৈ। তেওঁ

অঙ্গায়ীভাবে কাম করি আছে, নিলম্বিত করাৰ অশ্ব ছুঠে। তেওঁক 'বিষ্ফল' কৰিব পাৰি।

★ **শ্রীচন্দ্ৰমোহন পাটোৱাৰী :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই সদনৰ এটা নজিৰ আছে। মানাহৰ কেচৰ সংক্ৰান্ত মাননীয় মন্ত্ৰী এজনক শ্রীউৎপল দত্তক মন্ত্ৰী পদৰ পৰা আতৰাই ৩ জনীয়া কঢ়িটি পাতি অনুসন্ধান কৰিবলৈ দিয়া হৈছিল। এইজন এজন মামুলি চেয়াৰগেন, এওঁৰ ক্ষেত্ৰত কিৱ কৰিব পৰা নাই।

শ্রীবৰ্গৰ্বাম দেউৰী (মন্ত্ৰী) : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, কথাটো হৈছে, আমাৰ যিবিলাক মানুহক দিয়া হৈছে, 'ষ্টেটাচ' থকা মানুহক দিয়া হৈছে।

(সদনত হলস্তূল)

(interruption interruption Uproar O
Shri Zoi Nath Sharma, Shri R. N. Kalita and others
rose to speak creating interruption, in the processing
of the House.)

★ **শ্রীজয়নাথ শৰ্মা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আপোনালোকে এটা তুনীতি বচাই ৰাখিবলৈ গৈ কিয় ১০ টা তুনীতি কৰিব লাগিব। এই অনুৰোধ লাহিবিক কিয় 'চেফ গার্ড' দিবলৈ যায়। মন্ত্ৰীৰ নামত যি পইচা খায়, ঠগ কৰে সেই অনুৰোধ লাহিবি এজন চুৰ। সেই চুৰক কিয় ৰক্ষনাবেক্ষন দিবলৈ বিচাৰে ?

শ্রীবৰ্গৰ্বাম দেউৰী : অধ্যক্ষ মহোদয়, যি গৰাকী ব্যক্তিৰ বিৰুদ্ধে ইয়াত আজি আলোচনা কৰা হৈছে। তেখেত এজন প্ৰাক্তন বিধায়ক আৰু সমাজ কমৰ্মী, আছিল। যিসকল বিধায়ক হৈ আছে তেওঁলোকেও কালিলৈ প্ৰাক্তন বিধায়ক হব পাৰে। তেতিয়া হলেও সমাজত এটা ষ্টেটাচ থাকিব। সেই কাৰণে মই কৈছো যে তেওঁ এজন ষ্টেটাচ থকা লোক তেওঁ কোনো চুৰ বা ডাকু নহয়।

★ **শ্রীচন্দ্ৰমোহন পাটোৱাৰী :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বিশেষ অধিকাৰ কঢ়িটি গঠন কৰা হৈছে যিহেতু, এই কঢ়িটিয়ে মতামত দি আহিছে আৰু সদনত এই বিষয়ে সদৰি হৈ আছে। পালিয়ামেন্টৰী এফেয়াৰচ, মন্ত্ৰীৰ সিঙ্কান্ত অনুসৰি ডেপুটি স্পীকাৰক যেতিয়া আতৰেঁৰাব পাৰে, অনুৰোধ লাহিবীক কিয় অঁতৰোৱা নহ'ল? আজি বিধায়কৰ দেউতাক আৰু ভায়েকক অন্যায় ভাবে পুলিচে

উঠাই নিছে। ইয়াত মৰ্য্যদাৰ কথা নাহে নেকি? ইমান খিনি প্ৰমান পোৱা স্বত্তেও লাহিবীক কিয় আঁতবোৱা নহ'ল। ধোলি পাইছে নেকি?

★ **শ্ৰীজয় নাথ শৰ্ম্মা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, তৰ্নীতি কৰা লোকক আঁতবাই দিবই আগিব।

মাননীয় অধ্যক্ষ : অধ্যক্ষই যেতিয়া কথা কবলৈ ঠিয় হয়, সদস্য সকলে অলপ ধৈৰ্য ধৰি শুনিব লাগে। আৰু আপোনালোকে ঘোক কলিং দিবলৈ উপদেশ দিব মেলাগে। কথা হ'ল মন্ত্ৰীয়ে অহুসক্ষান কৰি সঠিক ভাবে জনাম বুলি কৈছে যেতিয়া, সময়ত ইয়াৰ উপযুক্ত বিচাৰ পাৰই। মই যি শুনিলোঁ, এইবোৰ সঁচাৰ হ'ব পাৰে, কিন্তু এই কথা অহুসক্ষান কৰিলোহে আচল কথাটো ওলাই পৰিব। অহুসক্ষানৰ বিপ'ট ১৫ দিনৰ ভিতৰত দিয়া হ'ব।

(সদনত হ'ল স্থলৰ স্থিতি হয়)

(Mr. Speaker requested all the members from the Opposition Bench to take their seats disagreeing with ruling of the Speaker. Shri R. N. Kalita, Shri Parameswar Brahma, Sri C. M. Patowari stood on their feet and protested against the ruling of the Speaker)

★ **শ্ৰীআলাউদ্দিন চৰকাৰ :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, স্পষ্ট প্ৰমান পোৱা স্বত্তেও সাময়িক ভাবে অভিযুক্ত মাহহজনক বিলম্বিত কৰিব নাবাবে নেকি?

(Shri R. N. Kalita, Shri Alauddin Sarkar, Shri Nagen Sharma rose on their feet and protested and objected against the statement of the Hon'ble Speaker they continued demanding suspension of Shri Ambarish Lahiri, Chairman of the Board interruptions continued....

★ **Shri Jagannath Sinha :** Sir, after the ruling of the Hon'ble Speaker there cannot be any further arguments. The ruling of the Speaker is final.

Mr. Speaker : Hon. Minister, WPT & BC has stated correctly that he would inquire into the matter and come

up with the results of the inquiry and would take action as deemed necessary. Now, I go to item No. 4.

(When a group of Opposition Members came to the well of the House and continued with their demand in any angry and agitated mood.) Hon'ble Members, kindly go to your seats. I am again requesting you kindly to go to your seats. (but the Opposition Members assembled in the Well of the House continued with their demand on the top of their voices. At this stage Stage Shri Anjan Dutta rose in his seat and started speaking, but nothing could be heard in the din. At 11-22 A. M. the Opposition Members except one Independent and Janata Dal Member Dr. Abdul Matin Mazumdar, (left the House.)

General Discussion on the Budget

★ **শ্রীঅঞ্জন দত্ত :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বিবোধী সদস্য সকলে যি অভিযোগ আনিছে সেয়া অতি আচরিত কথা হৈছে যে ঘোৱা ৫ বছৰত এই বিধান সভাৰ সদস্য সকল মন্ত্ৰী সভাত মন্ত্ৰী হিচাপে আছিল। শ্ৰীহিবিবুৰ বহুমান ও এ, জি, পি, চৰকাৰৰ দিনত আছিল। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বড়ো, কাৰ্বি আদি জনজাতি লোক সকলক শিক্ষকৰ পদত নিযুক্তি দিয়াৰ পৰা বঞ্চিত কৰি বাখিছে। কি কাৰণত এই জনজাতি সকলক বঞ্চিত কৰি বাখিব লগীয়া হৈছে সেই বিষয়ে মাননীয় শিক্ষামন্ত্ৰী মহোদয়ে জনাবনে ?

★ **ডাঃ ভূমিধৰ বৰ্মন :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বিভাগৰ পৰা প্ৰতিবেদন পালে সদৰত দাখিল কৰা হব।

★ **শ্রীঅঞ্জন দত্ত :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এটা কথা যই শুনিবলৈ পাইছে। যে কিছুমান কমিটিত শাসক দলৰ প্ৰতিনিধি নাই। কিন্তু বিবোধী দলে অভিযোগ আনিছে যে, বড়ো জনজাতি সকলক অন্যায় কৰা কাৰণে বড়ো আন্দোলন গঢ়ি উঠিছে। এটা কথা ঠিক যে অসম আন্দোলনৰ সহায়কাৰী হিচাবে আছিল।

বড়ো আৰু কাৰি জনজাতি সকল। ডাঃ জয়ন্ত বংপিয়েও অসম আন্দোলন কৰিছিল। যোৱা ৫ টো বছৰত জনজাতি লোক সকলক এ, জি, পি, চৰকাৰৰ অন্যায় কৰা কাৰণে তেওঁলোকৰ মনত ক্ষোভ আৰু হতাশাই ঠাই পাইছে। আমাৰ প্ৰয়াত প্ৰধান মন্ত্ৰী ইন্দ্ৰিয়া গান্ধীৰ বিকল্পে অভিযোগ আহিছিল। আমাৰ মাননীয় মুখ্য মন্ত্ৰী ডাঙৰীয়াৰ বিকল্পে ১৯৮৩ চনত বহুতো অভিযোগ আনিছিল। কিন্তু অভিযোগ থকা ঘৰেও তেখেতক কিয় বাইজে এইবাৰ সমৰ্থন জনালে। গতিকে অভিযোগ বিলাক অমূলক। এ, জি, পি, চৰকাৰৰ দিনৰ দুৰ্নীতিবিলাক প্ৰকাশ কৰিবলৈ বিচৰা নাই। চাউলৰ কেলেংকাৰী প্ৰকাশ কৰিবলৈ বিচৰা নাই। এগিকালচাৰ বিভাগৰ দুৰ্নীতিৰ কথা, বাকী অঞ্জলত খৰাং পিড়িত হোৱা সহেও ৮০ লাখ টকা মণ্ডৰ কৰা হৈছিল। সেই ৮০ লাখৰ পৰা ৬০ লাখ টকা আত্মসাং কৰিছিলো। এনেকুৱা বহুতো দৃষ্টান্ত আছে। যোৱা ৫ টো বছৰত বিভিন্ন বিভাগৰ আয়ুক্ত, সচিবক কিয় এনেকুৱা হৈছে বুলি সোধাত তেখেত সকলে কৈছিল যে আমি মন্ত্ৰীৰ নিৰ্দেশত কাম কৰিবলৈ বাধ্য। আই কংগ্ৰেছ বিকল্পে অভিযোগ আনিলো কি হৰ? কংগ্ৰেছে শাসন কৰা ৬-৮ মাহে হৈ গৈছে। ব্ৰহ্মপুত্ৰ ভেলিত উইভিং চাইটিৰ কাৰণে ২১ কৌটি টকা খৰছ কৰা হৈছিল। ‘নিবৰ বিপ্লব’ বুলি এখন কাকত গুলাইছিল তাত বহুতো দুৰ্নীতিৰ কথা আহিল। ব্ৰহ্মপুত্ৰ ভেলিত উইভিং চাইটি কামকপ জিলাত আহিলো কিন্তু অসমৰ বিভিন্ন জিলাতে বিয়পি পৰিষে। এইবিলাক প্ৰমাণ হোৱাটো বিচাৰো কি পৰিস্থিতিৰ কাৰণে কৰিবজগীয়া হৈছিল এই কথাবোৰ অতি উল্লেখযোগ্য। এইবিলাকৰ অনুসন্ধান হব লাগে। জনসাধাৰণে কংগ্ৰেছ আই দলক এৰি দিয়া নাই। সমৰ্থন হে জনাইছে। কংগ্ৰেছে দুৰ্নীতিক প্ৰশংস্য নিদিয়া বুলি বাজেট সম্পর্কতে দেখা পাইছে। অসমৰ বিভিন্ন ঠাইত বিলাসিতাৰ হোটেল আছে। তেনে হোটেলবিলাকত দুখীয়া লোকসকলে খাৰলৈ যাৰ নোৱাৰে। ভাৰিলৈ সপোন যেন হে লাগে। তেনেকুৱা হোটেল বিলাকৰত কৰ জগোৱাটো ভাল হৈছে। বিদেশী মদৰ ওপৰত কৰ জগোৱাটো আমি বিচাৰো। মদ খোৱা মাঝুহক উচটুনি দিলৈ যোৱা নাই। অসমৰ সীমা খানাপাৰাত বিদেশী মদৰ দোকান আছে। সেই দোকানবোৰে অসমৰ পৰা বাজহ আদায় কৰি আছে। কাৰণ মদ খোৱা লোকসকলে খানাপাৰাব পৰাহে মদ কিনি আনে। নগাঁও বা বৰপেটা জিলাক জাই এৰিয়া বুলি ঘোষণা কৰা সহেও কোনেও আন্দোলন কৰা নাই। কিন্তু মদ খোৱা বন্ধ কৰিব বুলি

কলে হয়তো মহিলা সমিতিয়েও অভিবাদ করিব। ১২-১৪ মাই অন্তর্গত থকা মদব দোকানবোৰত কৰ লগাই তাৰ পৰা অসম চৰকাৰে বছতো বাজহ আদিয় কৰিব পাৰিব বুজি মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ৰ দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিব বিচাৰিছে। মোৰ মতে গোটেই অসমৰ জিজা বিজ্ঞাকতে দ্বাই এৰিয়া বুজি ঘোষণা কৰিব লাগে।

মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, ইয়াৰ উপৰিও বাজেট খনৰ বছতো উল্লেখনীয় দিশ আছে। দুৰ্বল শ্ৰেণীৰ বাইজৰ সুবিধাৰ্থে তেওঁলোকৰ মাজত অভিবিক্ত নিয়োগৰ সৃষ্টি কৰি নিবন্ধুতা সমস্য। সমাধানৰ কৰাৰ কাৰণে চৰকাৰে ঘিৰিলাক বাৰষ্ঠা এই বাজেটৰ জৰীয়তে বাখিৰ বিচাৰিছে তাৰ বাবে আমি চৰকাৰৰ নিচয় শলাংগ লব লাগিব। তাৰোপৰি মই মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী, মহোদয়ৰ দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিছে। যাতে নতুন কৰৰ সৃষ্টি কৰি বাজহৰ ধন টনকিয়াল কৰে। ব্ৰহ্মপুত্ৰ সৃতা কলখ জগন্নাথ শৰ্ম্মাৰ সম্পর্কত যি ২১ কোটি টকাৰ কেজংকাৰী আছে সেই বিষয়টা সোনকালেই তদন্ত কৰি বাবুষ্ঠা লব লাগে কিয়নো এই বিলাকৰ দ্বাৰাৰও আমাৰ বাজহৰ ধন হৃদি হ'ব আৰু তথ লগা কথা যে এই বিলাকৰ বিষয়ে প্ৰোচাৰ দিলে আজিকালি টেলিফোনত ভাবুকি দিয়ে, মই নিজে ডাঃ পৰীক্ষামূলক বিষয়ে কণ্ঠতে কৈছিল যে খাসক দলে একো কৰিব নোৱাৰে টেলিফোনত ঘোৰ পৰিবাৰক ভাবুকি দিছে। তাৰ পাচত আমাৰ অধিকাৰৰ সংগ্ৰহ কৰিবৰ কাৰণে এক্সাইজ ইত্যাদিৰ উপৰত অধিক কৰ লগাব পাৰে আৰু চিগাবেটৰ উপৰতো অধিক কৰ লগাব পাৰে আৰু এই কৰ হৃদি কৰিলে নিয়োগৰ ক্ষেত্ৰত সহায়ক হ'ব। বিৰোধী সদস্য সকলে মাজে মাজে কৈ থাকে যে এল, পি, স্কুলৰ শিক্ষক নিযুক্তিৰ ক্ষেত্ৰত কেবল কংগ্ৰেছ দলক সুবিধা দিয়া হৈছে কিন্তু আপোনালোকে জানে যে বৰ্তমান চৰকাৰে সকলো দলৰ সদস্যকে ১২ খনকৈ স্কুলৰ শিক্ষক নিযুক্তিৰ সুবিধা আগবঢ়াইছে। কিন্তু বিৰোধী পক্ষৰ সদস্য সকলে বাৰে বাৰে লিটুখন চেঞ্চ কৰি থাকে। দলে যেতিয়া বাৰ বাৰ কৈ আছে ধৰি লৈছো যে কংগ্ৰেছে শিক্ষক নিযুক্তিৰ ক্ষেত্ৰত সুবিধা লৈছে কিন্তু আমি গুনি আচৰিত হৈছো যে বিৰোধী পক্ষৰ বিধায়ক সকলকো ১০ হাজাৰকৈ টকা দিছে। তেওঁলোকক এল, পি, এম, ই, ১২ খনকৈ স্কুল দিছে কিন্তু তেওঁলোকে ১৯৭৪ চনৰ মলৈ ১৯৯০ চনৰ এল, পি, স্কুল দিয়াৰ কি কাৰণ থাকিব পাৰে? গতিকে এই ক্ষেত্ৰত চাৰ লাগিব বৰ্তমান চৰকাৰে আচলতে সকলোৰে কাৰণে সমভাৱে চাইছো। চৰকাৰৰ এই দৃষ্টি ভংগী বিশেষ ভাৱে

মন কৰিব লগীয়া। আৰু সেই কাৰণে চৰকাৰৰ শলাগ লবহি লাগিব। শেষত
এই বাজেটখন সমৰ্থন কৰি আৰু নতুন কৰ লগাৰলৈ পদামৰ্শ আগবঢ়াই মোৰ
বক্তৃত্বৰ সামৰণি মাৰিলৈঁ।

Shri Giasuddin Ahmad : Mr. Speaker sir, so we have a surplus budget. Some people are very much delighted that this time the State of Assam has got a surplus budget. Sir, earlier also, we had surplus budget in 1961 and also in 1976. Surplus budgets were presented before the House by the Finance Minister Mr. Fakharuddin Ali Ahmed and Mohammad Idris respectively:

Sir, one thing, a family budget of an individual should always be surplus. It is desirable that an individual should have a surplus budget to maintain his family, that will be helpful for the family but it is not so in case of a Government. Surplus budget, as the financial experts say, means less fund for social services and a deficit budget means more funds for social services. So, now that we have a surplus budget there is no reason to rejoice. We should thoroughly examine it and see whether this surplus budget is essential for socio economic development of the state. As I understand, this budget has been presented in conformity with the Central Budget presented by Dr. Manmohan Singh, who happens to be our representative and and by the by preparation is going on to send another Mr. Singh to strengthen his hand.

It is said sir, a surplus budget is required to curb inflationary trend the country has been suffering from. The price level is rising higher and higher. So, if we have deficit budget it can accelerate the inflationary trend. Some

people are thinking in that line also. I should like to submit that we should consider the reasons for inflation in the country. What are the reasons of inflation? One of the reason, as I understands of crores of black-money in circulation in the country including our State. It is estimated that the amount of black money in circulation in the country comes to the tune of 45 thousands crores. A parallel economy is going on in the country and the whole economic structure has been destroyed by the influence of this black money. It is surprising, neither our Union Finance Minister nor our Hon'ble Chief Minister here did not mention a single word about the existence of black money which has destroyed the economy of the State of Assam. Nothing has been mentioned in the budget speech. So the argument that in order to cut the inflationary trend, surplus budeget has been presented is not tenable.

Another thing, Taxes were imposed on rice, wheat, wheat products, mustard oil and rapseed although the rate is small 2 percent. Was it essential at all that governtment should impose taxes on these essential comodities. Will it not increase the price level. Is it not the last straw on the back of an ass? We are already hard-hit and people have faced strarvation. The other day in some places in the district of Nagaon in Lahorighat, it is reported that the people have faced starvation. The poorer section of the people, the lower middle class, even the middle class are extremely hard-hit due to high price prevalent in the market today. On this background, I do not think, imposition of these taxes is justified which should be opposed

tooth and nail and by all people, not only by the opposition: To mobilise additional resources, it said, imposition of tax on certain items has become necessary. But nothing has been mentioned about the tax evasion large scale (Mr. Speaker vacated the chair and Mr. Deputy Speaker occupied) tax evasion. Mr. Deputy Speaker Sir, I am sure, if the government takes drastic measures to detect the cases of tax evasion and takes action for collection of taxes within the existing tax structure of the State, it will not be necessary to impose fresh taxes. The existing tax structure is enough. What is about the sales tax, as for example? Is the Government sure the sale tax according to the present rate is being fully collected? Is it not a fact that most of the traders are evading tax within the knowledge of the government? What is about the coal? Are you getting anything from coal? Big coal magnets are avoiding payment of taxes on various pretexts. I think we have 32 minutes. I am not taking the whole time.

Mr. Deputy Speaker: Please carry on.

Shri Giasuddin Ahmed: Sir, when the poorer section of the people will have to pay taxes, the tea planters have been exempted from payment of tax. The other day we opposed introduction of bill for amendment of sales tax Act. Orthodox tea has been exempted from payment of sales tax. So, the big capitalists are exempted from payment of tax while the poorer section of the people are forced to pay tax. Will it be wrong to say that this is a rich man's budget, not a poor man's budget as it is sought to be spelt out. Then again another matter which was not mentioned in the budget speech is about misuse of fund-

misappropriation of fund, wastage of fund. In the Annual Plan for 1992-93, have an amount of Rs. 960 crores as Annual Plan. The amount is 20% higher than the earlier plan. That is good. But this figure only will not help us unless this amount is fully utilised for the purpose for which it is allotted. Mr. Deputy Speaker Sir, just before this budget discussion was started a matter was raised under Rule 301. What happened regarding some grants misappropriated under forged signatures. That is regarding a particular amount for a particular purpose. This is true in all cases in all the departments. I should say, nobody can deny. I appeal to call the ruling party Hon'ble Members to consider this matter.

Corruption, misuse of fund, wastage of money have been frustrating all the plans involving thousands of crores of rupees. We have DRDA which undertakes Rural Development Works under Jawahar Yojana. I can cite examples of large scale corruption in this regard. Once I mentioned in this House that Rs. 80,000.00 (rupees eighty thousand) was allotted for construction of a school building ; but the whole amount was misappropriated. How was it done ? It was done by means of false signature just like we have discussed here. These works are done on master-rolls basis. Do you know how these master-rolls are prepared ? The system of execution of DRDA works is this. All works have been done on master-roll basis and the master rolls are prepared in-side the office secretly. How signatures are obtained ? One person put thumb impression of all the fingers of right and left hands, even the fingers of legs are also used in preparing the master rolls. This way the

whole amount has gone the drain. Until and unless some strict measures are taken to prevent such misuse of fund, misappropriation of fund, wastage of fund these high sounding words will not help socio-economic development of this State. Now, another point (within two minutes I will finish). Sir, this Government is a democratic Government. I put a question in this regard and the question came under Unstarred Question. The question was whether it is a fact that ULFA has given a commitment to abjure violence and whether they have agreed to have a dialogue within the frame-work of the Constitution of India. The reply was 'yes' by the Hon'ble Chief Minister and we all welcome this. We welcome in the sense that the extremists have ultimately decided to come to the main stream of the democratic life. It is true that the Constitution was being threatened, democracy was being threatened and that was a challenge before us. Now that they have agreed to come within the main-stream is a welcome development. But I should like to say with reasons that the constitution and the democratic norms and traditions, and all the democratic values are in danger in the hands of the Government itself. We like to have a commitment from the Government that the constitution and the democratic norms will be upheld by the Government. In various matters, in various Departments what is happening regarding appointment, whether the rule of a law is followed by the Government? There is certain procedures to be followed in administrative matters. Are these procedures being followed by the Government? Are they being guided by the rules of law. Well regarding recruitment of employees in various depart-

ments, certain rules, certain procedures of recruitment are there. Whether the Government is following all these rules and procedures ? In fact, they are going against the rule of law, against the procedure. When the Government itself is going against the rule of law, against the democratic norms, can democracy function in this true sense ? With these words, I conclude my speech. Thank you.

★ **শ্রীথানেশ্বর বড়ো :** মাননীয় উপাধ্যক্ষ মহোদয়, মই দীঘজীয়া ভাষণ নেবাখো, মই ১৫ মিনিট মান সময় কম। মই কিছু পৰামৰ্শ আগবঢ়াম, চৰকাৰে জ্ঞাত গুৰুত্ব দিলে ভাল হয়।

★ **মাননীয় উপাধ্যক্ষ :** আপুনি ১০ মিনিট কৰ।

★ **শ্রীথানেশ্বর বড়ো :** উপাধ্যক্ষ মহোদয়, ১৫ মিনিট সময় কৰৰ কাৰণে মই দলৰ সদস্য সকলৰ পৰা অযুৱতি লৈছো। মই বাজেট সম্পর্কত কিছুমান বল্পু বাখিম। তাৰে কিছুমান কনক্রিট পৰামৰ্শ দিয়—চৰকাৰে নিশ্চয় বিবেচনা কৰিব। অসমৰ স্বার্থৰ কাৰণেই মই কম। অসমৰ মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে ইয়াত যি ঘাটি বাজেট উৎস্থান কৰিছে সেইখন ওপৰে গুপৰে চালে ধূনীয়া লাগে। কিন্তু মাটেছুটলি যদি একজামিন কৰা হয় তেন্তে দেখা যায় যে ইয়াৰ দ্বাৰা অসমৰ ভৱগণ উপকৃত নহয়। বাজেটখনত উল্লেখ কৰা হৈছে যে ১৯৯২-৯৩ চনত আৰ্মাৰ ৫৯ কোটি ৩০ লাখ ৬৭ হেজাৰ টকা ঘাটি হিচাপে লৈ বছৰটো আৰম্ভ কৰিম ধাৰ হিচাপে আৰম্ভ কৰিম। এইটো যদি লক্ষ্য কৰা যায় তেনেহলে দেখা পায় অসমৰ জনসংখ্যা চেনচাচ বিপোট মতে বৰ্তমান ২ কোটি ২২ লাখ। যদি এই ধাৰ জনমূৰ্বী উলিওৱা যায় তেন্তে অসমৰ প্রতিজন লোকৰ বছৰত ধাৰ হব ২৭ টকা। মাহত ২২৫ পইচা আৰু দৈনিক হ'ব ৮ পইচা। অসমৰ বাইজে প্ৰত্যেকজনে দিবে ৮ পইচাৰ ঘাটি বাজেট লৈ বছৰটো আৰম্ভ কৰিছে। গোটেই বছৰটোত বেচিক আয় সংগ্ৰহ হ'ব ৪ কোটি ৭২ লাখ ৫৮ হেজাৰ টকা। বছৰত পায় পাব হেড ২,৫২৫ টকা, মাহত ২১০ টকা দিনে ৭ টকাকৈ। অসমৰ বাইজে বছৰটোত খৰচ কৰিব ৫,০৫৯ কোটি ১৬ লাখ ২০ হেজাৰ টকা। হিচাপ কৰি চালে দেখা যায় পাৰ হেড বছৰত ২৪৮২ টকা, প্ৰতি

মাহত ২০৭ টকা আৰু দিনে ৬.১২ পইচা। দেখা গৈছে সংগ্ৰহ হ'ব ৭ টকা আৰু খৰচ কৰিম প্রতি দিনে ৬.১২ পইচা। এতিয়া কথা হৈছে ঘাটা আমি কি পাইছো? বছৰ শেষত ক্লোজিং বেলেগ হ'ব ৩২৬ কোটি ২৬ লাখ ১১ হেজাৰ টকা। পাৰ হেড বছৰত ১৭ টকা। প্রতি মাহে ১.৪০ পইচা আৰু দিনে প্রতিজনে, প্রতি দিনে ৪ গইচা সংগ্ৰহ হ'ব। এইটো যদি হয় তেন্তে পাৰ হেড কিমান সংগ্ৰহ আৰু পাৰ হেড কিমান খৰচ কৰিম? দেখা গৈছে বাজ্য-খনৰ উন্নয়নযূলক কামৰ কাৰণে বিশেষ কৰিবলগীয়া নাই।

কিন্তু বাজেটতত ৩৬ কোটি টকা বাহি বুলি কৈছে। সকলোৱে শুনি ভাল পাইছে কিন্তু কিমানৰ পৰা কিমান বাদ দিলে বাহি হ'ব, পাৰ হেড ১৭ টকাকৈ বাহি হ'ব দেখুৱাই দিব লাগে। কিন্তু এতিয়া সক্ষ্য কৰিলে দেখা বায়, অকৃততে বাহি বাজেট বুলি যদিও দেখুৱা হৈছে আচলতেআমি আগ্ৰহ। আমি ২ কোটি ২২ লক্ষ মাঝুহৰ মাননীয় সদস্য সকলোকে ধৰি পিঠিত ৫ হাজাৰ টকাৰ গুট। আগৰ বোজা লৈ থাইছো উঠিছো ফুবিছো। অসমৰ প্রত্যে-কৰে গড়ে পাঁচ টকাৰ আগৰ বোজা আছে। কাৰণ বাজেট বন্ধুত্বত ১৯৯০/৯১ চনত ৪৭৩১ কোটি টকা আৰু ১৯৯১/৯২ চনত ৪৩৪১ কোটি টকা আগৰ বোজা থকা বুলি কোৱা হৈছে। এনেকুৰা ধৰণে যদি হয় তেনেহলে ১৯৯৩ চনত পাৰ হেড ২ হাজাৰ ৬০ টকাকৈ প্রত্যেকৰে আগৰ বোজা হ'ব। এতিয়া কথা হ'ল কেবল মেইটো নহয়, কেন্দ্ৰ ফাসৰ পৰা বিদেশৰ পৰা যিমান টকা আণ কৰিছে তাৰ বোজা আমাৰ গুপৰতো পৰিব। আমাৰ দেশত চেঙ্গাচ মতে ৮৭ কোটি মাঝুহ আছে। নতুনকৈ যিটো আণ লৈছে তাৰ বাদেও এতিয়া আমাৰ গুপৰত এক লাখ ৩০ হাজাৰ কোটি টকাৰ আগৰ বোজা আছে ভাৰতবৰ্ষই বিদেশৰ পৰা লোৱা আগৰ বোজা ভাৰতবৰ্ষৰ জনসংখ্যাৰ ডিপ্তিত প্রত্যেকৰে চাৰ পেক্ষৰণ কৈ টকা আগৰ বোজা হ'ব। তাৰ লগত আমাৰ ফালৰ পৰা ২ হাজাৰ ৬০ টকা যোগে দিলে প্রত্যেকৰে আগৰ বোজা চাৰতিনি হৈ পৰিব। ভাৰতৰ বিত্তমন্ত্ৰী শ্ৰীমনহোহন সিং এ ৫০০ মিলিয়ন ডলাৰ বাহিৰ পৰা টকা আনিছে বুলি ঘোষণা কৰিছে। মেই বোজাৰ আমাৰ গুপৰত পৰিব। যদি হিচাৰ কৰি গোৱা হয় তেন্তে প্রত্যেকৰে ৫ হাজাৰতকৈ কম নহ'ব। যদিও বাজেটত ৫৬৪ কোটি ৭২৯৮ হাজাৰ টকা ধৰা হৈছে। তথাপি ডেভেলাপমেন্ট কামৰ বাবে ৯৬০ কোটি টকাহে ধৰা হৈছে। যদি এইটো তুলনা কৰা হয় তেন্তে আমাৰ

ডেভেলাপমেন্ট কামৰ কাৰণে বহুত কম টকা ধৰা হৈছে। যদি আমি লক্ষ্য কৰো তেন্তে এটা কথা দেখা যাব তাৰ পৰাও আকৌ কৰ্তন হব। ১৯৯০-৯১ চনত চেন্ট্ৰেল লোন ১৯৩ কোটি টকা তাৰ লগত সুদ সমিত ১৯৯১-৯২ চনত ৬৫৪ কোটি টকা দেওনা হৈ আছে। আকৌ ১৯৯২-৯৩ চনত ৬৬৮ কোটি টকা। যদি আমি লক্ষ্য কৰো ৬৬৮ কোটি টকাৰ যদি ৯৬৮ কোটি টকা বিয়োগ কৰো তেনহলৈ ২৭২ কোটি টকা হয়। কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ নিৰ্দেশ অনুযায়ী ২৭২ কোটি টকাৰ ১৫৭ কোটি টকা যদি তেঙ্গেোকে দিয়ে বাকী ৪৫ কোটি টকা অসম বাজিক চৰকাৰে নিজেই ৰালেক্ট কৰিব লাগিব। সেয়ে টেক্স কালেক চনৰ সৈতে দেখা যায় ১৪৪ কোটি ৫৩ লাখ টকাহে ডেভেলাপমেন্ট কামৰ কাৰণে লব পৰা হ'ব।

ইমান দিনে হৈ থকা আমাৰ ডেভেলাপমেন্ট কামত হেমপাৰ হ'ব। ৯৬০ টকা বাজেটত ধৰা হৈছে যদিও সেই টকা তাৰ পৰা কৰ্তন কৰা হ'ব। ইয়াৰ উপৰিও চেজাৰী পেমেন্ট, কেপিটেল চেয়াৰ আদিও এই বাজেটৰ ভিতৰতেই আছে। গতিকে এই বাজেটখন ডেভেলাপমেন্ট বাজেট বুলি নকৈ কনজামচন বাজেট বুলি কৰ পাৰি। ডেভেলাপমেন্ট কামৰ বাবে এই বাজেটত বিশেষ জনকল্যানৰ কাম হ'ব বুলি কৰ নোৱাৰি। অলপ আগতে কৈ যোৱা ঘাননীয় সদস্য গৰাকীৰ দৰে মইও কৰ খোজো যে ডেফিচিট বাজেট হৈছে ডেভেলাপমেন্ট বাজেট। অন্যাথাই বাহি বাজেট মানে হৈছে কোনো কল্যান মূলক কাম হ'তত নলৈ টকা খিনি বাহি ৰাখিলে বাহি বাজেট দেখুৱাটো সুবিধা হয়। টকাটো খৰচ নকৰি বাধি থলৈ চেভিংচ হয়। গতিকে ঘাটি বাজেট হ'লে যে কল্যান মূলক কাম নহ'ব ভেনে নহয়। কাম কৰোতে বাজেট ঘাটি হ'ব পাৰে।

উপাধ্যক্ষ মহোদয়, ডেফিচিট বাজেট কৰিলেই যে ডেভেলাপেন্ট নহ'ব সেইটো কথা নহয়। আমি কৰিছো কিহৰ কাৰণে ডেফিচিত কৰা হৈছে ডেভেলাপমেন্টৰ কাৰণে। খৰচ কৰা নাই ৰাবণেই চেভিং হৈছে। চেভিং যেন দেখা গৈছে যদিও আচলতে সেইটো নহয়। আচল কথা হ'ল খণ বিলাকৰ বিপৰীতে টেক্সেখনৰ ব্যৱস্থা কৰিছে। কিন্তু আচলতে ভাল পদ্ধতি নহয়। প্রতি বছৰে মিনিমাম টেক্স লগাব লাগে।

(সময়ৰ সংকেত)

মই ব্যক্তিগত ভাবে কৰলৈ বিচাৰিছোঁ। যে প্ৰতি বছৰে এক পার্টেটৰ বেছি টেক্স লগাৰ নালাগে। কিন্তু একেবাৰে তিনি পার্টেটৰ বা আঠ পার্টেটৰ টেক্স লগোৱাত হেঁচাটো সাধাৰণ মালুহৰ ওপৰতহে পৰিব। যিবিলাকৰ চেলাৰি আটৈ হাজাৰ সেই সকলৰ ওপৰত টেক্স পৰিব নালাগে। কাঠ মিঞ্চী এটাৰ দৈনিক দৰমহা আশী টকা হ'লে মাহতে হছেজাৰ চাৰিশ টকা হব গৈ। সেই সকলক টেক্সৰ পৰা বেহাই দিব লাগে। কিন্তু দেখা গৈছে চাইকেল, ট্ৰাইচাইকেল, মটৰ চাইকেল স্কুটাৰ আদিৰ ওপৰতো টেক্স লগাইছে।

Mr. Deputy Speaker : Mr. Boro please conclude.

★ শ্রীথানেন্দ্ৰ বড়ো : উপাধ্যক্ষ মহোদয়, মই বেছি কৰলৈ বিচাৰা নাই। চাইকেল মপেড আদিৰ ওপৰত টেক্স লগোৱাৰ ফলত মালুহক ইয়াৰ প্ৰতি ডিচকাৰেজ কৰা হৈছে। সেই হেঁচা সাধাৰণ মালুহৰ ওপৰতহে পৰিব। সেই কাৰণে এই বিলাকৰ ওপৰত টেক্স বহুৱাৰ নালাগে।

(সময়ৰ সংকেত)

আমাৰ দলৰ পৰা আমাৰ ভাগৰ পৰা পাঁচ মিনিট সময় কম। আইন শৃংখলাৰ ক্ষেত্ৰত থল স্লকৈ কৰলৈ হ'লে আইন শৃংখলাৰ নামত আৰ্মি নমাই বহুথিনি ধাৰৰ মাজত দেখখনক পেলোৱাটো মই পচন্দ নকৰো। ডেকা চামক নিযুক্তি দিয়াৰ কাৰণে বিশেষ নজৰ দিব লাগে আৰু তেনে ব্যৱস্থা কৰিব লাগে। অসম পুলিচ কোচ্টো আৰু শক্তিগালী কৰিব লাগে। এজন পুলিচৰ বিপৰীতে তিনিশ লোক হ'ব লাগে। কিন্তু বৰ্ণনান আমাৰ ইয়াত এজন পুলিচৰ বিপৰীতে নশ লোক আছে। ঝাঁঘত এজনৰ বিপৰীতে তিনিশ আছে। আমাৰ হয়তো কৰিব লাগে। তাৰ কাৰণে ডেকা চামক নিযুক্তি দিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰিব লাগে। ইয়াৰ উপৰিও আসাম ৰাইকলচ নামৰ পেৰামিলিটাৰী ফোচটোক উভৰ পূৰ্ব-পশ্চলৰ কাৰণে কৰি লব লাগে। আৰু সংগ্ৰহ উভৰ পূৰ্বাঞ্চলৰ পৰা ডেকা চামক নিযুক্তি দি উভৰ পূৰ্বাঞ্চলৰ কাৰণে সংঘীয়া ফোচ কৰি লব লাগে। তাৰ-উপৰিও চি, আৰ, পি, এক, আৰু আৰ্মিৰ ক্ষেত্ৰত উভৰ পূৰ্বাঞ্চলৰ নিযুক্তিৰ যিটো কোটা আছে সেইটো বঢ়াব লাগে। ইয়াৰ লগতে উৱয়গৰ কাৰণে বিশেষ জোৰ দিব লাগে। প্ৰাকৃতিক সম্পদৰে পৰিপূৰ্ণ অসমথনৰ বাজোটো সম্পদ ভিত্তিক কৰিব লাগে। তাকে নকৰি নৌড়েচেড় বাজেট কৰিলৈ আমাৰ লাভ নহয়। সম্পদ ভিত্তিক কৰিব লাগে।

(সময়ৰ সংক্ষেত)

অসমৰ গ্রাহকতিক সম্পদৰ ওপৰত অসমৰ বাজেট কৰিব লাগে। তেওঁয়াহে অসমৰ উন্নয়ণ সম্ভৱপৰ হব। এই বিষয়ত চিন্তা চৰা কৰিব বুলি মই আশা কৰিলোঁ। আমাৰ আৰু বহু কৰলগীয়া আছিল পাণ্ডীৰ জেনেভেখন আৰু সংবিধান সংশোধনৰ ক্ষেত্ৰতো কৰলগীয়া আছিল কিন্তু সময়ৰ অভাৱৰ কাৰণে কৰ পৰা পৰা নহ'ল। ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পানী বেঢি হৈছে কাৰণে ব্ৰহ্মপুত্ৰ-গঙ্গা চেনেলৰ ব্যৱস্থা কৰিবলৈ শোষাইছে কিন্তু আমি এক ঘনফুট পানী যদি এক টকাকৈও বিকৃতি কৰিব পাৰো তেওঁয়া হলে বহু টকা পোৱা হ'ব সেই কাৰণে সম্পদৰ ওপৰত চিন্তা চৰা কৰি বাজেট কৰিবলৈ পৰামৰ্শ আগবঢ়াই উদ্যোগ আদিব কাৰণে চিন্তা কৰিবলৈ অভিমত আগবঢ়ালোঁ। তেওঁয়াহে চলিশ কোটিৰ ঠাইত সাত আঠ শ কোটি টকা আহিব বুলি ধৰিব পাৰি। সেই অনুপাতে চিন্তা চৰা কৰিবলৈ পৰামৰ্শ আগবঢ়াই মোৰ বজ্জবলৰ সামৰণি মাৰিলোঁ।

★ **শ্রীহলিবাম টেবাং :** মাননীয় উপাধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী ডাঙৰীয়াই যোৱা ১৬ মার্চ তাৰিখে যি বাজেট দাখিল কৰিলে তাৰ আজি এক সপ্তাহ হ'ল। এই এক সপ্তাহৰ ভিত্তিতে প্ৰত্যেক দিনে আমি চেষ্টা চলাইছো তেখেতৰ যি ভাষণ বা তেখেতে যি বাজেট দাখিল কৰিছে সেই বাজেটখনত অন্মৰ বাইজে বা অসমৰ বাইজৰ উপকাৰৰ কাৰণে কিবা এটা পাও নেকি। কিবা এটা হলেও পাব লাগে। চাউল হৃষ্টকাকৈ দিয়াৰ ক্ষেত্ৰত শতকৰা ২ ভাগ কৰাৰ কথা আহিছে। অন্যান্য শিতানতো বাইজৰ ভালৰ কাৰণে কিবা এটা পাও নেকি গোটেই বাজেটখনতে বিচাৰি চালোঁ। যদিও মই বাজেট এক্সপার্ট নহ'ও সাধাৰণ মাঝুহ হিচাপে বা সাধাৰণ মাঝুহক প্ৰতিলিপিত কৰাৰ কাৰণে যি ঘোগ্যতা সেই ঘোগ্যতাৰ ভিত্তিতে মই বিচাৰি চাইছিলোঁ। কিন্তু বিচাৰি পাও বাতিপুৱা শুই উঠিলো, ১৬ তাৰিখে বাজেট দিছে, ১৭ তাৰিখে বাতিপুৱা শুই উঠিয়েই মই পৃথিবীৰ অন্যান্য ঠাইৰ কথা বাদ দিলেও অসমৰ মাঝুহে দাঁত মাজে টুথ পেষ্টৰে। সেই টুথ পেষ্টৰ দাম বাঢ়িছে, আছডালৰো দাম বাঢ়িছে। তাৰ পিছত গা ধূবলৈ সোমাই দেখো চাৰোনৰো দাম বাঢ়িছে। গা ধোৱাৰ পিছত কিবা এটা মূৰত দিয়াৰ কাৰণে তেলটো লৈ দেখো তেলৰো দাম বাঢ়িছে। মই অৱশ্যে তেল নিদিও। কিন্তু মোৰ ঘৰৰ মাঝুহে দিয়ে।

(ভইচ : চুটি চুটি কৰিব লাগে)

★ Speech not corrected

তাৰ পিছত খাবলৈ বহিলৈ দেখা যায় ব্ৰেড এটা লাগে। এই ব্ৰেডৰ দামো বাঢ়িল। এতিয়া শুনিলো ষেঁহৰ ওপৰতো কৰ বহুবাইছে। ষেঁহৰ উৎপাদনৰ ওপৰত কৰ লগোৱাৰ উপৰিও ঘেজাত সামগ্ৰীৰ ওপৰতো কৰ বহুবাইছে, ফলত ব্ৰেডৰ দামো বাঢ়ি গৈছে। আটা-ময়দা কিনিব লগীয়া হয় বেছি দামত আৰু আটা-ময়দাৰ দ্বাৰা তৈয়াৰী ব্ৰেডৰ দামো সেই কাৰণে বাঢ়ি গৈছে। গো ধোৱাৰ পিছত গেঞ্জী পিঙ্কিবলৈ গলে দেখা যায় তাৰো দাম বাঢ়িছে। কেৱল অসমতে নহয় উপাধ্যক্ষ মহোদয়, ভাৰতবৰ্যৰ যি জলবায়ু সেই জলবায়ুত সকলো মাছুহে গেঞ্জী পিঙ্কে। কিন্তু এতিয়া মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে বেছি দামত কিনিব লগীয়া অৱস্থা কৰিছে।

আৰু যদি আমি ঘৰৰ পৰা ওলাও এম, এল, এ, আৰামস গৃহৰ পৰা বা চাকবিৱাল সকলে চাকৰীৰ কাৰণে তেনেহলে বাছত উঠিব লাগিব। সেই বাছত ভাড়া বাঢ়িছে, চাইকেলত উঠিব সেই চাকেলৰ ওপৰত টেক্ক দিব লাগিব, বিক্রা, অটোবিক্রা সকলোতে টেক্ক দিব লাগিব। তুপৰীয়া যদি ১১ বজাত হোটেল এখনলৈ চাহ খাব যাওঁ তাৰ ওপৰত কৰ বহুবাইছে গতিকে আমি টেক্ক দিব লাগিব। দেখিছো সকলো ক্ষেত্ৰতে বস্তুৰ দাম বাঢ়িছে। এখন হোটেলৰ আয় যদি ১ লাখ হস্ত, মাহত যদি ৯ হাজাৰ হয় দিনে যদি ৩০০ টকা হয় তেনেহলে তেওঁলোকে টেক্ক দিব লাগিব তেনেহলে কি আমি চানামুৰ খাই থাকিম নেকি? চানামুৰ থাইটো মাছুহ জীয়াই থাকিব নোৱাৰে? চাহ আমি খাবই লাগিব কাৰণ চাহপাত উৎপন্ন হয় অসমতে। গতিকে তাৰ ওপৰতো টেক্ক এয়ে হ'ল অসম চৰকাৰৰ দয়া। চাহ খোৱাৰ পাছত আপুনি তামোল আৰু ছিগাৰেট খাব লাগিব ছিগাৰেটৰ ওপৰত আমাৰ বাজা সভাৰ যিজন প্ৰতিনিধি তেঙ্গ ইতিমধ্যে টেক্ক লগাইছেই। এতিয়া লাগিলৈ জুইশলাই ছিগাৰেট জনাবলৈ তাৰো অসম চৰকাৰে দাম বढ়াইছে। অমিটো ইলেকট্ৰিক লাইটোৰ নাজানো, কিনিবও নোৱাৰে, এয়া হ'ল আমাৰ অৱস্থা। যোৱা ১৬ তাৰিখৰ পৰা বাতিয়ে দিনে এই বাছেটখন বহুত পঢ়িছো কিবা ভাল বস্তু পাওঁ নেকি? কিন্তু দেখিলো অসম চৰকাৰে আহি আহি আমাৰ টেচুত ধৰিছে যদিও মনমোহন মিডে কিবা কৰিব বুলি কৈছে তেওঁৰে অৱস্থা বেয়া আই, এম, এক, লোনৰ পৰা, রড বেংকলৈ হিৰোহণ্ডা, মিটচুবিসি, তয়োতা আদিলৈ সকলো বিক্রী কৰিছে। আমাৰ জনযুৰী আয় হৈছে ২০০০ টকা কিন্তু ১৯৯১ চনলৈ ২২০০ টকা থাৰ আৰু এতিয়া বাঢ়ি ২০৬০ হৰগৈ। ভাৰত চৰকাৰৰ হিচাপ মতেই কৰেইন লোন বাঢ়ি ৪০৬০ টকা

হবৈগে। এতিয়া আকো ১০৩৪ টকাৰ বেছি উপার্জন কৰা সকলে চৰকাৰক টকা দিব লাগিব। অৰ্থাৎ দিনে ২২ টকা উপার্জন কৰোতাজনেও টেক্স দিব লাগিব অৰ্থাৎ পিয়ন পৰ্যন্ত টেক্স দিব লাগিব। দোকান এখন দিলেও টেক্স দিব লাগিব, হোটেলত টেক্স আনকি ব্ৰেড এচকল খালেও টেক্স। মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে ১৬ তাৰিখৰ তেখেতৰ বাজেট বাহি বাজেট বুলি কৈছিল ভাৰতিয়ানো এইবাৰ হাঁহিব পাৰিম বাইজে হাঁহিব পাৰিব। কিন্তু হাঁহিৰ সজনি এতিয়া তথ লাগিছে। তেখেতৰ মতে ৭৬ কোটি টকা বাহি কেনেকৈ হ'ল নাজানো। কাৰণ চাউলৰ দাম বাঢ়িছে, ব্ৰেডত টেক্স দিব লগা হৈছে, চাইকেলত, টেক্স দিব লগা হৈছে, বিজ্ঞা গেঞ্জী সকলোতে টেক্স দিব লাগিব। অসমে বৰ্তমান যিমান টকা পাইছে তাৰ শতকৰা ৯০ ভাগেই প্ৰেৰিং কমিচনৰ পৰা মঙ্গূৰী হিচাবে পাইছে, ঘণ হিচাবে খুৰ কম টকাহে পাইছে। গতিকে মঙ্গূৰী পাওঁতেই এই অৱস্থা। গতিকে ৩৬ কোটি বৰ্তমান বাহি আৰু পাছলৈ ৭৬ কোটি টকা হবৈগে বুলি কলে কি হব? অঘলৰ বয়েলিট নাৰাঢ়িলৈ বাহি নহলহৈতেন বুলি তেখেতৈ কৈছে। এইটো নহোৱাহলে জনসাধাৰণৰ অৱস্থা আৰু বেয়া হ'ল তেঁতেন। চৰকাৰৰ যিথন ছৰি দাঙি ধৰিছে আৰু জনাত তেনে ধৰণৰ নহয়। চকমক বুলি কৈছে কিন্তু চকমক হব নোৱাৰে। গতিকে এইখন বাজেটক সমালোচনাই নহয় বাজেটখনক স্পষ্টভাৱে নাকচ কৰিব খজো। কাৰণ বাতিপুৰা উঠাৰ পৰা বাতি শোৱালৈ আৰু কৰৰ বোজা বহন কৰিব লাগিব। গতিকে এইখন বাইজৰ বাজেট হব ঘোৱাৰে, জনসাধাৰণৰ এন্টি বাজেট। বস্তৰ দাম দিনক দিনে বাঢ়িয়ে আছে। ১৯৬১ চনৰ আপুনি কনজিউমাৰ প্ৰাইচ ইনদেক্স যদি চায় আগতে ১০০ টকা ধৰা আছিল কিন্তু ১৯৮৯ চনত ৮০০ টকা ধৰিবে। গতিকে পুৰণা হিচাপ মতেও বস্তৰ দাম হৃষ্ণ বাঢ়িছে।

মাননীয় উপাধ্যক্ষঃ আপোনাৰ সময় কথ, গতিকে পৰামৰ্শখনি দিয়ক।

★ **শ্ৰীহলি বাবু টেৰাং:** মই আহিছো, আমাৰটো সময় ৩২ মিনিট আছিল তাৰ পৰা লম। গতিকে গোটেই টেজতে ছেগনেকি হৈছে। বস্তৰ দাম বাঢ়িছে কিন্তু মেই হিচাবে উৎপাদন বঢ়া নাই। টকাৰ মূল্য দিনক দিনে হাস পাই আছে। ঘোৱা তিনি বছৰতে টকাৰ মূল্য ৮ পইছাৰো বেছি কৰিছে। বাজেট-খনত দেখিছো অৰ্থনৈতিক উন্নয়নৰ কোৰো পথ প্ৰশংস্ক কৰা নাই। বাইজৰ

অর্থনৈতিক উন্নয়নৰ কাৰণে যি এপ্ৰোচ হ'ব লাগিছিল তেনে এপ্ৰোচ হোৱা নাই। বাজেটখনত আন প্ৰদাক্ষিণ চেক্ষণত বেছি জোৰ দিয়া হৈছে আৰু সেই হিচাবে তাত টকা ধৰা হৈছে। কৃষি হৈছে কৃষকৰ অর্থনৈতিৰ মূল বস্তু। তাত মাত্ৰ ১৩.৮৯ ধৰিছে কৃষিৰ উন্নতি নহলে দেশৰ অর্থনৈতি আগন্বাচে সেই দিশত কিন্তু গুৰুত্ব দিয়া নাই। জলসিঞ্চন, বাননিয়ন্ত্ৰণত ১১.৯৩ ধৰিছে। গতিকে দেখিছো হুচ অৱ দি বাজেট অন্যফালে গৈছে।

মাননীয় উপাধ্যক্ষ মহোদয়, এতিয়া কি হ'ব চাৰ, বছোৰেকত ২ লাখ নিবন্ধুয়াক চাকৰি দিম বুলি কৈছে। কিন্তু আনএমপ্লাইমেণ্ট বাঢ়ি গৈ আছে। আলটিমেটলি কি হ'ব? প্ৰডাকচন নাবাঢ়িব। যদি আমি প্ৰডাকচনত জোৰ নিদিও তেতিয়াহলে আনএমপ্লাইমেণ্টৰ সংখ্যা বাঢ়িয়েই থাকিব। আজি আলফা সমাধান কৰিবৰ কাৰণে যিবিলাক আৰ্মি আনিছে সেই বিলাক বাস্টিজৰ ঘটো ক্ষেত্ৰ সেইটো দমাই ৰাখিব নোৱাৰিব। চৰকাৰ ওৱাৰনিং হিচাপে আজি আহি পৰিছে। মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে আজি চাউলৰ গুপৰত দাম বढ়াইছে কৰ বढ়াইছে কিন্তু অসমৰ মূল যি সম্পদ চাহ আৰু তেল আছে তাৰ বয়েলিটি বढ়াব লাগে। ১২ পাৰচেটত বढ়াই দিব লাগে। চাহৰ কথা বাবেই তেজৰ কোটি কোটি টকা প্ৰফিট ভাৰতৰ বাহিৰলৈ গৈ আছে। গুৱাহাটীৰ টি-অকচন চেষ্টাৰ ভাল হ'ব লাগে তেওঁলোকৰ পৰা যি টেক্কা লৈছিল তাকো নাইকিয়া কৰিবলৈ এইখন চৰকাৰে। এইখন কৰ চৰকাৰ বুলি কম মেকমিল নে কণিকতা নে অসমৰ বুলি কম। বেয়া লাগে উপাধ্যক্ষ মহোদয়। অসমখন বিক্ৰী কৰি দিছে। আমি থাকিব নোৱাৰিম। এটা আলফাৰ পৰা এণ্টা আলফা হ'ব। উপাধ্যক্ষ মহোদয়, সময় যেতিয়া কম বুলি কৈছে এই আৰু বেছি কৰলৈ নেয়াওঁ। শ্ৰেণ্ড মাত্ৰ এটা কথা কম ভাৰত চৰকাৰৰ হিচাপ মতে দৰিদ্ৰতাৰ সীমা ৰেখাৰ তলত বাস কৰিলে তেওঁৰ বছৰি আয়ৰ হ'ব ৭৯৮০ টকা। কিন্তু আজি আমেৰিকাত মাহেকত ২০ হেজাৰ টকা। কম পোৱা জনকহে দৰিদ্ৰতা সীমা ৰেখাৰ তলত বাস কৰা বুলি ধৰা হয়। তেতিয়াহলে এই দৰিদ্ৰতা কিমান পাৰ্থক্য। এই প্ৰভাৱটি লাইন আমেৰিকাত ২০ হেজাৰ মাহেকত আয় হলে কম বুলি কোৱা হৈছে আৰু আমাৰ ইয়াত বছোৰেকত ৭ হেজাৰ আয় কম হলে তেওঁক দৰিদ্ৰতাৰ সীমা ৰেখাৰ তলত কৰা বুলি কৈছে।

মাননীয় উপাধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়, যিথন বাজেট সদৰত দাখিল কৰিছে সেইখন সাধাৰণ মালুহৰ কাৰণে নহয়, সৰ্বসাধাৰণ মালুহৰ বাজেট

নহয়, এই বাজেট খন চাহ কোম্পানীর লাভের কাবণে দিয়া ভাষণ সেই কাবণে
ভাষণ খন মই নাকচ কৰিছো।

★ শ্রীশশকমল সন্দিকৈ : উপাধ্যক্ষ মহোদয়, এই বাজেট খনত মূখ্যমন্ত্রী
ডাঙুবিশাই যি ভাষণ উথাপন কৰিছে সেই বাজেটখন এটা কথাতে কৰলৈ গলে
সেইখন বিসংগতিপূর্ণ বাজেট। বাজেটত কৈছে এইখন এখন বাহি বাজেট।
কিন্তু আমি দেখিছো এইখন এখন বাহি বাজেট হব নোৱাৰে। চৰকাৰৰ যিবিলাক
লাইবেলিটিজ আছে সেই বিলাক লুকাই বাখিব বিচাৰিছে। উদাহৰণ স্বৰূপে
বাননিয়ন্ত্ৰণ বিভাগত ৩৭ কোটি টকা লাইবেলিটিজ আছে। পি, এইচ, ই,
বিভাগত ২৭ কোটি টকা। হ'ম বিভাগত অকল ডিক্ৰিগড়ৰ জিলাত্তেই ৮০ লাখ
টকা বাকী আছে। এই বিলাক কথা এই বাজেটত ঠাই পোৱা নাই। পাকে-
প্রকাৰে ৩৬ কোটি টকা বাহি বাজেট দেখুৱাইছে।

উপাধ্যক্ষ মহোদয়, অন্যান্য মাননীয় সদস্যৰ লগতে মইষ্ট কৰ যে এই
বাজেটখনে উল্লয়নৰ কাবণে একো কাৰ কৰা আমি দেখিবলৈ পোৱা নাই।
অহা বছৰত অসমৰ বাস্তা-ঘাট, পদুলিৰ ক্ষেত্ৰত কি উল্লয়নৰ কাম হব, কৃষিৰ
কাবণে কি কাম হব, উদ্যোগৰ ক্ষেত্ৰত কি কাম হব তাৰ বিজ্ঞেন ছবি আমি
দেখিবলৈ পোৱা নাই। এই বাজেট খনৰ আটাইতকৈ ক্ষতিকাৰক বাজেট
হৈছে থগ। এই থগ ৪৪০০ শ ৫১ কোটি টকা। ইয়াৰ সুদ হৈছে ৬ হেজাৰ
৮৮ কোটি টকা। বাজ্য চৰকাৰে এই টকাত পৰিশোধ কৰাৰ বাবে বাতে
অহা ৪ বছৰলৈ ম্যাদ বৰ্দি কৰি দিয়ে তাৰ বাবে কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰক অহুৰোধ
কৰা বুলি বাজেট বক্তৃতাত উল্লেখ কৰিছে। কিন্তু এই ব্যৱস্থা আৰু অতি
ভয়াবহ। আজি বাজ্যত আৰু কেন্দ্ৰত তেঙ্গলোকৰ একে পার্টিৰে চৰকাৰ থকা
বাবে এতিয়া হয়টো বাজ্য চৰকাৰৰ এই পৰামৰ্শ কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰে মানিল'ব।
কিন্তু অহা ৪ বছৰত কেন্দ্ৰত কোন চৰকাৰ আহে তাৰ ঠিকনা নাই। তেতিয়া
যদি এখন অন্য পার্টিৰ চৰকাৰ হয় তেতিয়াহলৈ বাজ্য চৰকাৰৰ এই বোজা
আৰু বহুত পৰিমাণে বাঢ়ি যাব আৰু সন্তুৰত তেতিয়ালৈকে এই টকাৰ সুদেই
১ হেজাৰ ৫ কোটি টকাকৈ হব।

উপাধ্যক্ষ মহোদয়, এই বাজেটত বাঞ্ছিক চৰকাৰৰ কৰ্মচাৰী সকলৰ ওপৰতো
এটা মাধ্যমৰ দিয়া হৈছে। তেঙ্গলোকৰ ওপৰত প্রফেচনেল টেক্সৰ হাৰ আগতকৈ

যথেষ্ট বৃদ্ধি করা হৈছে। ইয়াৰ দ্বাৰা বাণিজ্যিক চৰকাৰৰ পিয়ন চকিদাৰক আদি কৰি কোনো কৰ্মচাৰী হাত সাৰি যাব পৰা নাই। বছৰি নিয়ন্ত্ৰণ ১৫ হেজাৰ টকা ওপৰত আয় কৰা প্ৰত্যেকজন কৰ্মচাৰীয়েই বিভিন্ন হাৰত এই কৰ দিব লাগিব। ইয়াৰ ফলত নিম্ন বেতনভোগী কৰ্মচাৰী সকলৰ মাজত ক্ষোভ প্ৰকাশ কৰা দেখা গৈছে। সেই কাৰণে চৰকাৰে এই কৰৰ সংশোধনী ঘটাই কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ লেখিয়াকৈ ২৮ হেজাৰ পৰ্যন্ত এই চিলিং বৃদ্ধি কৰিব আগে।

(Mr. Speaker occupied the chair)

অধ্যক্ষ মহোদয়, এইবাৰ চৰকাৰে বাণিজ্যিক কৰ্মচাৰী সকলক এটা এক-কাণ্ডীন সাহায্য দিয়াৰ বাবে চিন্তা কৰিছে। এইবাবে আমি চৰকাৰক অভিনন্দন জনাইছো। কিন্তু চৰকাৰে এইটো এককালীন হিচাবে নিদি অন্যান্য বাণিজ্যবোৰৰ দৰে বনাচ হিচাবে দিয়াৰ বাবে ঘোষণা কৰা হেঁতেন কৰ্মচাৰী সকল উপকৃত হ'লহেতেন আৰু তেওঁলোকে বহু দিনৰ পৰা কৰি অহা দাবী কাৰ্য্যত পৰিণত হজাহেঁতেন। লগতে আৰু এটা কথা হৈছে এই চৰকাৰে মেডিকেল এলাউল বৃদ্ধি কৰিছে, সেইটো ভাল কথা। কিন্তু তাৰ লগে লগে কোনোৰা কৰ্মচাৰী চিকিৎসাৰ বাবে অসমৰ বাহিৰলৈ যাব লগাই হলৈ সেই ক্ষেত্ৰত এটা চিলিং বাখি তৈছে। সেই ব্যৱস্থাটো যদি সলনি নকৰে তেনেহলে এই ক্ষেত্ৰত কৰ্মচাৰী সকল উপকৃত হৰ বুলি মই নাভাবো। আনহাতে এই চৰকাৰে বিলাসিতা পূৰ্ণ গাড়ীবোৰৰ ক্ষেত্ৰত কোনো নতুন টেক্স লগোৱা নাই। কিন্তু মাল বস্তু কঢ়িওৱা আৰু যাত্ৰী কঢ়িওৱা বাছ আৰু ট্ৰাকৰ ক্ষেত্ৰত নতুন কৰ বহুৱাইছে। ইয়াৰ ফলত বস্তুৰ দাম আৰু বাঢ়িৰ। ইয়াৰ দ্বাৰা চৰকাৰে আয় ৪০ কোটি টকা বাজহ সংগ্ৰহ কৰিব পাৰিব বুলি যদিও ভাৰিছে তাৰ দ্বাৰা এইখন জনসাধাৰণৰ বাবে ক্ষতিকাৰক বাজেট বুলিহে গণ্য হব। আজি চাউল, পাওৰটি, ডালডা, চাৰোন, হোটেলৰ খাদ্য সামগ্ৰী আদি কৰি নিত্য ব্যৱহাৰ্য সামগ্ৰী সমৃহত যি নতুন কৰ লগোৱাৰ বাবে প্ৰস্তাৱ কৰিছে তাৰ দ্বাৰা সৰ্বসাধাৰণ লোকৰ ওপৰত যথেষ্ট বোজা পেলাই দিবলৈ চেষ্টা কৰা হৈছে। যিবোৰ বস্তুত চৰকাৰে শতকৰা ২ হিচাবে কৰ লগাই বজাৰত সেই বস্তুৰ দাম বেপোৰীয়ে শতকৰা ৪ হিচাবে বৃদ্ধি কৰে। সেই কাৰণে নিত্য প্ৰয়োজনীয় সামগ্ৰী সমৃহত কৰ লগোৱাটো উচিত হোৱা নাই। এই ক্ষেত্ৰত আমি গভীৰ অসুস্থি প্ৰকাশ কৰিছো।

অধ্যক্ষ মহোদয়, আজি অসমত বহুতো চাহ বাগিচাৰ মালিক আৰু অইল ইঙ্গিয়াই যথেষ্ট মাটি সামান্য খাজনা দি ব্যৱহাৰ কৰি আছে। আজি আমাৰ

সাধাৰণ খেতিয়কে যি হাৰত মাটিৰ খাজনা দি আছে তাৰ তুলনাত এই মাটি-বোৰৰ খাজনা নিচেই কম। সেই কাৰণে এই মাটিৰোৰত বিয়াই প্ৰতি ১২ টকাকৈ খাজনা লগোৱাৰ ব্যৱস্থা কৰিব লাগে আৰু সেইটো কৰিলে অসমে ৫০-৬০ কোটি টকা পাৰ। এইৰোৰ বাট ধকা স্বত্বেও নিত্য ব্যৱহাৰ্য সামগ্ৰী সংহত কৰ লগোৱাৰ বাবে আমি প্ৰতিবাদ কৰিছোঁ আৰু তেনে কৰ বন্ধ কৰাৰ বাবে দাবী জনাইছোঁ। ইয়াৰ বাছিবেও মই আৰু এটা কথাৰ প্ৰতি চৰকাৰৰ দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিব খুজিছোঁ যে আমাৰ বাজ্য খনত বহতো অম্নি বাছৰ পাৰ্শ্বট দিয়া হৈছে। এই বাছৰোৰে নিয়ম মতে পৰ্যটক কঢ়িয়াৰ লাগে। কিন্তু এই বাছৰোৰে পৰ্যটক নকঢ়িয়াই সাধাৰণ ঘাৰী কঢ়িয়াই টকা উপাৰ্জন কৰি আছে। অসমত এনে ধৰণৰ কমেও এক হাজাৰ বাছ চলি আছে। এই বাছৰোৰত পেচেঞ্জাৰ টেক্স লগোৱা হোৱা নাই। গতিকে যদি এই বাছৰোৰ টুৰিষ্ট বা অম্নি বাছ হিচাবে পাৰ্শ্বট দিয়া হৈছে তেনেহলে সেইটো বেগুনীাৰাইজ কৰি তাৰ ওপৰত প্ৰয়োজনীয় টেক্স ব্যৱস্থা কৰিব লাগে আৰু সেইটো কৰিলে বাজা চৰকাৰে ৬০/৬২ কোটি টকা পাৰ। আজি বাজ্য খনৰ সাধাৰণ মালুহৰ ওপৰত যি কৰৰ ৰোজা জোপি দিব বিচৰা হৈছে সেই নৌতি এই চৰকাৰে পৰিহাৰ কৰিব লাগে আৰু যিবোৰ দিশত সম্পদ আহৰণ কৰাৰ থল আছে তেনে ক্ষেত্ৰত সম্পদ আহৰণ কৰি বাজ্য খনক স্বারলম্বী কৰাত সহায় কৰিব বুলি আশা বাধি মোৰ বক্তব্যৰ সামৰণি মাৰিবিজোঁ।

Mr. Speaker : Hon'ble member Sri Milan Boro. He is absent. Now Hon'ble member Shri Mission Ranjan Das

★ **শ্ৰীমিশন রঞ্জন দাস :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, সদনে উথাপিত এই বাজেটেৰ আমি বিৰোধিতা কৰি। কাৰম বাজেট উদ্বৃত্ত দেখানো হয়েছে, অতিৰিক্ত কৰ বসিয়ে। অতিৰিক্ত কৰ না বসিয়ে যদি বাজেটে উদ্বৃত্ত দেখানো হতো তাহলে অন্যকথা ছিল। এই বাজেটেৰ কলে সাধাৰণ মালুহেৰ ব্যয় বৃক্ষি হিবে। এই বাজেটে আমৱা দেখতে পাই যে যদিও ৭৬ কোটি টাকাৰ উদ্বৃত্ত দেখানো হয়েছে সেখানে অতিৰিক্ত ৱেভিনিউ খাতে ধৰা হয়েছে ৮০ কোটি টাকা। এই অতি-বিক্ত ৮০ কোটি টাকাৰ জন্য সাধাৰণ মালুহেৰ আৰ্থিক অৱস্থাৰ উপৰ এটা বড় আঘাত পড়ে৬। বাস, মটৰ ভেহিকল এবং পৱিবহন ইত্যাদি থেকে ১৮ কোটি

টাক্কার বেভিন্ডি ধরা হয়েছে। এর ফলে জিনিষ পত্রের দাম বাঢ়বে, টাহার ইনফেলশন হবে, মালুমের কষ্টের সীমা থাকবে না। তাই আমি এই বাজেটের বিরোধী। আমরা আশা করেছিলাম সরকার একটা বালান্সড বাজেট এই সদনে পেশ করবেন যাতে সাধারণ মালুমের উপর অতিরিক্ত করের বোবা থাকবে না।

মহোদয়, মুখ্যমন্ত্রী মহোদয় তাঁর বাজেট বক্তৃতায় অনেক গুরুত্বপূর্ণ ব্যাপারে নীরব থেকেছেন। যেমন ন্যাচারেলকেলামিটিসের মতো গুরুত্বপূর্ণ ব্যাপারে কোনও উল্লেখ বাজেটে নেই। এন্টি-ইরোগন ব্যাবস্থার মতো গুরুত্বপূর্ণ ব্যাপারে আমি বিভাগীয় মন্ত্রী মহোদয়ের দৃষ্টি আকর্ষণ করে বলতে চাই যে করিমগঞ্জ শহর কুশিয়ারা নদীর তীরে অবস্থিত। করিমগঞ্জ শহরে কুশিয়ারা নদীর পার ভেঙ্গে এ সংকটজনক অবস্থার সৃষ্টি করেছে। শহরে মালুমের ব্যবসা বাণিজ্যের ক্ষতি করছে। এই শহরটিরক্ষা করার জন্য একটা বাঁধ ও ‘শ্লুইস গেট’র অত্যন্ত দরকার। এই ব্যাপারে আমি বিভাগীয় মন্ত্রীর দৃষ্টি আকর্ষণ করে বলছি যে এই ব্যাপারটা যেন তিনি অগ্রাধিকারের ভিত্তিতে বিবেচনা করেন। বন্যা নিয়ন্ত্রনের জন্য বাজেটে বরাক বেসিনের উল্লেখ করা হয়েছে। বরা বেসিন বরাক উপত্যকায় বন্যা নিয়ন্ত্রনের জন্য অত্যন্ত জরুরী বলে আমি বিপাস করি। প্রতি বছর বরাক উপত্যকাকে বন্যার হাত থেকে রক্ষা করতে হলে সিংলা, কুশিয়ারা ও লঙ্ঘাই নদী খনন করা দরকার। কারণ এসব নদীতে পলি জমে প্রতি বছর ভয়াবহ বন্যার সৃষ্টি করে, নদীর নাব্যতা করে যায়। মেজন্য বরাক বেসিনের খুব দরকার। কারণ বাংলাদেশের দিকে পলি জমে জমে নদীর পার উঠ হয়ে গেছে। এই ব্যাপারটি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ সহকারে বিবেচনা করা উচিত যাতে করিমগঞ্জ শহরে এটা শ্লুইস গেট’র ব্যবস্থা করা হয়।

মহোদয়, আমি মনেকরি, কুমির ব্যাপারে আসাম সরকার সম্পূর্ণ ব্যর্থ হয়েছে। এই ব্যাপারে আমরা অন্যান্য রাজ্যের প্রতি বিশেষ করে পাঞ্জাবের উপর বেশী নির্ভরশীল। এই কাজে সরকার কুষকদরে উদ্বৃদ্ধ করার জন্য চেষ্টা করে না। তাদের অভাব অভিযোগের প্রতি মনোযোগ দেয় না। এরফলে গ্রামের মালুম বাধ্য হয়ে শহরমুখী হয়েছে। ফলে মালুমের চাপে শহরে স্থান-ভাব, খাদ্যাভাব দেখা দিয়েছে। মেজন্য ল্যাণ্ড ডেভেলপমেন্টের জন্য সরকারের

ব্যাবস্থা প্রাপ্তি করা দরকার। বন্যানিয়ন্ত্রণ সম্পূর্ণভাবে হওয়া দরকার। প্রাম-
গঞ্জে ঘোগাযোগ ব্যবস্থার উন্নতি করার দরকার। শৌকালে যাতে শালি আহ
পাওয়া যেতে পারে তার ব্যবস্থা করা দরকার। বর্ষাকালে কুবি ক্ষেত্র কমে
যা তাই শৌকালে কুবি বিভাগ যাতে কৃষকদের পাশে এসে দাঁড়ায় তার
ব্যবস্থা করতে হবে। এরফলে জনসাধারণের যথেষ্ট লাভ হবে।

মহোদয়, স্বাস্থ্য বিভাগ সম্পর্কে বিভাগীয় মন্ত্রী মহোদয়ের দৃষ্টি আকর্ষণ
করে বলতে চাই যে মন্ত্রী মহোদয়কে করিমগঞ্জ সফরের সময় অমরা কয়েকটা
গুরুত্বপূর্ণ ব্যাপারে ব্যবস্থা নেওয়ার জন্য এটা স্মরাকপত্র দিয়েছিলাম। এর মধ্যে
এটা ব্যাপারে ছিল করিমগঞ্জে ২০০ শয্যা বিশিষ্ট একটা হাসপাতাল। কিন্তু
এ ব্যাপারে বাজেটে আমরা কিছু দেখতে পাই নি। অর্থচ হাফলংএ একটা
১০০ শয্যা বিশিষ্ট হাসপাতালের উল্লেখ দেখতে পারিছ। এন সি হিলসর তুলনায়
করিমগঞ্জে অনেক বেশী লোক আছে। অন্ততঃ হাফলং শহরের ৪/৫ গুণ বেশী
লোক তো করিমগঞ্জ শহরে রয়েছে। সেজন্য আমি অল্পরোধ করছি যাতে করিম-
গঞ্জ শহরে ২০০ শয্যা বিশিষ্ট একটা হাসপাতাল যাতে তৈরী করার ব্যবস্থা
করা হয় তার জন্য সরকার দৃষ্টি দিবেন।

মহোদয়, শিক্ষা সম্পর্কে আমি বলতে চাই যে ইদানিং এই ব্যাপারে
এই ব্যাপারে সরকার (সময় সংকেত) সরকার সিদ্ধান্ত নিয়েছেন এবং আদে-
শিক্ষীকরন করেছেন। কিন্তু সঙ্গে সঙ্গে নিয়োগের ব্যাপারে এবং আদেশিকী-
করনের জন্য স্কুল সিলেক্শনের যে পদ্ধতি হয়েছে তাকে সমালোচনা করা
ছাড়া আর কোন গতি নেই।

মহোদয়, আজ জিরো আওয়ারের সময় আলোচনা করা হয়েছে যে যারা
নাম দস্তখত করতে আনে না তাদেরেও স্কুল বোর্ডের সদস্য করা হয়েছে শিক্ষক
নিয়োগের জন্য। সমাজে যারা বিতর্কিত লোক, তাদেরে নিয়ে বোর্ড গঠন
করা হয়েছে। তাছাড়া, এই শিক্ষক নিয়োগের ব্যাপারে অনবরত দৰ্নীতি চলছে।
আগামী বিধান সভার অধিবেশনে আমি এই ব্যাপারে তথ্যসহ বিজ্ঞারীত বনা
করব। মাননীয় মন্ত্রী মহোদয় আজ সদয়ে বলেছেন যে যাদের সমাজে ষ্ট্যাটাস
আছে তাদেরই সদস্য করা হয়েছে। তাইলে আমরা যারা বি জে পির সদস্য
রয়েছি আমাদের কোন ষ্ট্যাটাস নেই বলে কি আমাদের শিক্ষক নির্বাচনের
জন্য বোর্ডের সদস্য করা হয়নি? ব্যক্তিগত তাবে আমি এই সদস্য পদের জন্য

লালায়িত নই। কিন্তু আমরে বক্তব্য হলো মারা যোগ্য ব্যক্তি তাদেরে বাদ দিয়ে এই বিতর্কিত লোকদেরে কেন সদস্য হিসাবে নিয়োগ করা হলো?

মহোদয়, আপনি শুনিলে আশ্চর্য হবেন যে একজন শিক্ষক নিয়োগের বোর্ডের সদস্য যিনি একজন প্রাক্ত বিধায়ক তিনি এক বিবাহিত মহিলা প্রার্থীকে ইন্টারভিউ বোর্ডে প্রশ্ন করেছেন—‘আপনি তো অভিজ্ঞ মহিলা, আপনি কি বলতে পারেন যে একটা আস্ত পাঠা রাখতে কত লিটার তেজ লাগবে?’ উক্তরে মহিলা বলেছেন—‘সেটা পাঠার সাইজের উপর নির্ভর করবে। তারে পাঠাটা যদি আপনার লাইজেন তবে ১০ লিটারের কম তেজে হবে না’। তারপর সার, আর একটি বেকার ছেলেকে প্রশ্ন করা হয়েছে যে যৌন তিনিটি আশ্চর্যজনক ঘটনার কথা বলে। সে উক্তরে বলেছে—‘গ্রথণ আমি একজন বিজ্ঞানের স্নাতক হয়ে নিরক্ষর লোকের সামনে ইন্টারভিউ দিছি। যদি আপনি আমার ইন্টারভিউ নিচ্ছেন এবং ওয়ে, আশ্চর্যজনক ঘটনা হলো চাকরি পেতে প্রয়োজন দিতে হয় বেকারদের।’ ‘এইভাবে

★ ডঃ তুমিথৰ বর্ণন (মন্ত্রী): অধ্যক্ষ মহোদয়, এইখনিতে এই কবলে বিচারিছো যে, নিরসেক লোক এমনো নাই, যদি আছে মাননীয় সদস্যই নাম দিলে আমি ব্যবস্থা নম।

★ শ্রীমিশন রঞ্জন দাস: মহোদয়, আমার জানা গতে কয়েকজন মেম্বার রয়েছেন যারা স্কুলের শিক্ষক। এইভাবে দুর্বীলি চলছে। আমি আগামী বিধানসভায় এই ব্যাপারে তথ্য সন্দেশ পেশ করবো।(সময় সংকেৎ)। করিমগঞ্জ এলিমেন্টারী বোর্ডের ব্যাপারে আমি প্রশ্ন দিয়েছি। আমি অভ্যর্থনা করব আমার কথা সত্য কি যিথ্যা যাচাই করতে।

মাননীয় অধ্যক্ষ: আপনি ২০ মিনিট বলেছেন। এখন বস্তুন।

★ শ্রীমিশন রঞ্জন দাস: মহোদয়, নতুন ইণ্ডাস্ট্রীতে আর আমাদের হয়নি। যাও ২-১ টা পুরুণো রয়েছে তা রঞ্চ। আর সরকার এই রঞ্চ শিল্প ফুলিকে নষ্ট কেস হিসাবে ধরে নিয়েছেন। কাছাড় সুগার মিল, যা সক্ষী কল-এগ্রো তো আমাদের সরকারস্ট কেস হিসাবে ফেলে রেখেছেন। জনগণের এই সম্পত্তি ফুলি এভাবে অবহেলায় নষ্ট হচ্ছে। এগ্রোর পুনরুজ্জীবনের জন্য কোনেও চেষ্টা না করে এগ্রোকে ব্যক্তিগত মালিকদের কাছে বিক্রী করার চেষ্টা করছেন। আমি দাবী করব যাতে এই ফুলে পুনরুজ্জীবিত করার চেষ্টা করেন। এই বলে আমি আমার বক্তব্য শেষ করছি।

মাননীয় অধ্যক্ষ: এতিয়া শ্রীহিবণা বৰা।

★ শ্রীহিবণা বৰা: মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, অথবতে মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী ডাঙৰীয়া অর্থাৎ বিস্তৃত দায়িত্ব থকা মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী ডাঙৰীয়াই যি বাজেট উৎপাদন কৰিছিল তাৰ ওপৰত এটা সাধাৰণ আলোচনা এই সদস্যত ভাণ্ডি ধৰিছো আৰু মেই বিষয়ে মই তুআঘাৰমান কৰলৈ ওলাইছো। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় বিবোধী দলৰ সদস্যসকলে যি আলোচনা এই বাজেটৰ ওপৰত আগবঢ়াইছে তাৰ পৰা মই এটা কথা উপস্থিতি কৰিছো যে মুখ্যমন্ত্রী তথা বিস্তৃত দায়িত্ব থকা মাননীয় মুখ্যমন্ত্রী ডাঙৰীয়াই ভেখেতৰ বাজেট বক্তৃতাত এটা বৰ গুৰুত্বপূৰ্ণ কথা কৈছে। সেইটো হল যে বাজ্যখনৰ সামগ্ৰীক পদিষ্ঠিতি কি, কি সামগ্ৰীক পৰিস্থিতিত এই চৰকাৰখনে কাৰ্য্যভাৱ গ্ৰহণ কৰিছিল আৰু এতিয়াসকে এই চৰকাৰটোৱে যি খিলি কৰিছে বা কি খিলি কৰিবৰ কাৰণে প্ৰচেষ্টা চলাইছে তাৰ এটা আভাব দিছো।

মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বৰ্তমান চৰকাৰখনৰ যিসকলে এই চৰকাৰটো চলাইছিল দায়িত্ব লোৱাৰ সময়ত অতি সংঘাটিগুৰূ আছিল। এই সংঘাটিগুৰূ আছিল। এই সংঘাটিগুৰূৰ পৰা এটা শাস্তি স্থষ্টি কৰিবৰ কাৰণে চৰকাৰে এটা প্ৰয়াস আৰম্ভ কৰিছিল। এই প্ৰয়াসৰ ফটো অকুৱা, আমি ভাৰো এই প্ৰক্ৰিয়াটো আমাৰ মকলো বাজ্যখনৰ জনসাধাৰণে সহায় কৰা উচিত। আৰু এই কাৰণে মই মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মুখ্যমন্ত্রী তথা শিক্ষা মন্ত্ৰী উপস্থিতি আছে। এটা কথা কৰখোজিছো যে অহা ১ বছগৰ পৰা অসমত এটা নতুন বছৰত নতুন বাতাৰণ স্থষ্টি কৰিব লাগে যে এইটো এটা শাস্তি বৰ্ষ হব লাগে। এই প্ৰক্ৰিয়াৰ দ্বাৰা জনমত গঠন কৰিবৰ কাৰণে বছৰটোক শাস্তি বৰ্ষ বছৰ হিচাবে ঘোষণা কৰিব লাগে। অধ্যক্ষ মহোদয়, বাজেট আমি পঢ়িছো, কিন্তু এই বাজেটৰ কথাখিলি, বাজেটত যি যিখিলি টকা এবিছে এই গোটেইখিলি টকা প্ৰয়ন্তৰ কৰিবৰ কাৰণে পৰিবেশ লাগে, সেই পৰিবেশটো হব জাগিব শাস্তিৰ পৰিবেশ। এটা শাস্তিগুৰূ পৰিবেশত এই গোটেই কামখিলি কৰিবলৈ প্ৰচেষ্টা চলাব লাগিব। আজি আমাৰ মাননীয় বিবোধী দলৰ সদস্য শ্ৰীহলিবাৰ টেবণ ডাঙৰীয়াই কৈছে বাতিগুৱা শুনাৰ পৰা উঠি আগি যি ব্ৰাহ্মদাল লঞ্চ সেই ব্ৰাহ্মদাল বাহিৰৰ পৰা আহি লগতে টুথপ্ৰেষ্টটো আছেই। মই এইখিলিতে

এটা কথা কর্বলৈ বিচারিছো যিটো হৈছে, অসমখনক আধুনিকভাবে স্বাধীনস্বী কৰিবৰ কাৰণে পৰিকল্পনা লব লাগে। বাড়িপুৱা হাতত সোঁৱা ব্রাহ্মণ বাহিবৰ টুথপেষ্ট বাহিবৰ শুই থকা বিচনচাদৰখনো বাহিবৰ। যি ফালে হাত মেলা ঘায় সেই ফালে বাহিবৰ বস্ত। যিথিনি 'মেচিনেৰি' আছে মেইবোৰ বাহিবৰ। গতিকে এই বাহিবৰ পৰা অহা বস্তবোৰ বন্ধ কৰিব লাগে, আঁচনি তৈয়াৰ কৰিব লাগে। কিন্তু আধুনিক অৱস্থা উৱায়ন কৰিব পৰা নাই। ইয়াৰ মূল কথা হল জন্মত। আঁধি জাবো কেনে ভাবে আগ বাঁটিব লাগে, অৱশ্যে চেষ্টা কৰাৰ আৱশ্যক। বাজনৈতিক আন্দোলন কৰিছে। বিদেশী খেদোৰ বাজনৈতিক আন্দোলন কৰিছে। চুক্তি এখন কৰিছিল। চুক্তিৰ কথা নাই বুলি সমালোচনা কৰিছে। যদি চোৱা ঘায়, হিচাব কৰা ঘায় এজন মানুহৰ লগত ৮ লাখ ৫০ হেজাৰ টকা খৰছ হৈছে। যদি এইখিনি শেঁকোকক প্ৰত্যেককে দিলোহেতেন তেতিয়াহলে বিদেশী ইয়াৰ পৰা গৈ বাংলাদেশত মাটি কিনিলোহেতেন। বাজনৈতিক দৃষ্টিকোনৰ পৰা কথাবিলাক গুৰুত দিয়া হোৱা নাই। কৰৰ কথা কোৱা হৈছে, কৰ দিব লাগে, কৰ দিয়াৰ ক্ষমতা কাক কৰ দিব লাগে। কাৰণ অসম, ভাৰতবৰ্ষ' তথা পৃথিবীৰ মাঝহে কৰ দিয়াৰ কাৰণে প্ৰস্তুত। অধ্যক্ষ মহোদয় মই এটা কথা কৰ খুজিছো, সেইটো হৈছে চাউলৰ কথা। দৰিদ্ৰ জনসাধাৰণৰ কাৰণে এই চাউলৰ কৰ বেলেগ দেখুৱা হৈছে। এইখিনিতে মই এটা অনুৰোধ কৰিব খুজিছো যে ধনী মানুহে যিথিনি চাউল খায় সেইখিনিৰ ওপৰত কৰ লগাওক। যিথিনি মানুহে সেই চাউল নাখায় বেলেগ চাউল খায় তাৰ ওপৰত কৰ লগাব লেলাগে। পি ডি এচ ব 'কোটা বা মোটা চাউল এই কথাখিনি পৰিস্কাৰ হব লাগে। আৰু এটা কথা যে মিঠাতেলৰ প্ৰতি লিটাৰত ৮০ পইচাকৈ কৰ লগোৱা হৈছে থিক তেনেদেৰে চাৰোনটো কৰ লগোৱা হৈছে। এই ক্ষেত্ৰত মই বিৰেচনা কৰিবলৈ অনুৰোধ অনাইছো।

মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মই মিঠা তেলৰ সম্পর্কে কৰ খুজিছো। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়ৰ যোগেদি, বিস্তৰ বিভাগৰ দায়িত্বত থকা মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ক অনুৰোধ কৰিছো যে আজি মিঠা তেলৰ প্ৰতি লিটাৰত ৮০ টকা ধাৰ্য্য কৰিছে আৰু আমাৰ সাধাৰণ ৰাইজে সেই খিনি কিনিবলৈ অপৰাগ হেতুকে সৰ্বসাধাৰণ

ৰাইজে ১০, ১২ বা ১৫ টকাত পোৱাকৈ অন্য চাৰচিঠী দিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰে যেন। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বিস্তু বিভাগৰ দায়িত্বত থকা মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী ঘৰোদয়, হোটেলৰ কৰ লগোৱাৰ সম্পর্কে বাজেট বজ্ঞাত উপাপন কৰিছে। মই এইটো কথা ভাল পাইছোঁ। কিন্তু গুৱাহাটীৰ মাজ মজিয়াত আজি বহুতো বিড়টি পালাৰ স্থাপন হৈছে আৰু তালৈ বহুতো ধৰীলোকৰ সমাগম হোৱা দেখা যায়। গতিকে বিটতি পালাৰৰ ওপৰতো টেক্স লগোৱাটো মই বিচাৰেঁ। আৰু যিমকললোক বিড়টি পালাৰ বিলৈ যায়, সেই সকল লোকৰ পৰা ও টেক্স লোৱাটো মই বিচাৰো মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আৰু এটা কথা যে গুৱাহাটীত হোটেলত কৰ লগাইছে কিন্তু পঞ্চ তাৰকাখন্ত হোটেলৰ ওপৰতো টেক্স লগাৰ লাগে। অধ্যক্ষ মহোদয়, আৰু এটা কথা মই শলাগিছো যে এই বাজেটখনত কৰ্মচাৰী সকলৰ দৰমহাৰ নিবিখ অনুযায়ী বেলেগ বেলেগ কৈ প্ৰফেচনেল টেক্স দেখুওৱা হৈছে এই কথাখিনি ভাল হৈছে কাৰণ যি কৰ্মচাৰীয়ে যিটো দৰমহা পাই সেই দৰমহা অমুসবিহে কৰ ধাৰ্য কৰা হৈছে। কিন্তু ব্যক্তিগত ভাবে এই ডাক্তাৰ সকলৰ কাৰণে প্ৰযোজ্য হোৱা নই কাৰণ তেক্কলোকে প্ৰাইভেট প্ৰেকটিচ কৰি কিমান টকা উপাৰ্জন কৰে তাৰ হিচাব বাহিৰত জনা নাযায়। গতিকে সেই কথাখিনি প্ৰফেচনেল টেক্সত বেলেগ কৰি দেখুওৱা হৈছে সেইটো ভাল হৈছে। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয় আৰু এটা ভাল কথা কৈছে যে ছেট-মেট কমিটিয়ে কৰৰ ওপৰত যিটো কথা ডাঙি ধৰিছে সেইটো হৈছে জনজাতি অঞ্জলত কাৰবালা নামে এখন ঠাই আছে আৰু তাৰ পৰা মেঘালয়ৰ গাঁড়লৈ যায় আৰু তাঁত অসম চৰকাৰে এখন গেট দিছে আৰু আজি প্ৰায় ১৫ দিনৰ ভিতৰত তাৰ পৰা দিনে ডেৱলাখ টকাকৈ বাজহ অসম চৰকাৰে পাইছে আৰু শ্ৰীৰামপুৰৰ গেটত ডেৱলাখ টকাকৈ বেছিহে আহিছে। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয় এই টেক্স বিভাগটোক ভাল ভাবেৰে পৰিকল্পনা কৰি যদি চাই তেতিয়া দেখা পাৰ যে আমি অন্য কাৰো ওচৰত হাত মপতাকৈ চলিব পাৰিম। অসমৰ পৰা চুপাৰি টাকেৰে দাঙ্কিনাত্যৰ ফালে যায়, ইয়াৰ পৰা অসমৰ ডেৱ কোটি টকাহে গাও কিন্তু আমি ভালদৰে পৰিচালনা কৰিলে ৫ কোটি টকা আহিব পাৰে বুলি ভাবো। সেইকাৰণে আমি গিয়েৰ আপ কৰি বেভিনিট বঢ়াব পাৰো আৰু তাৰ এটা ব্যৱস্থা লব লাগে। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আৰু

এটা কথা যে আমাৰ বাজ্যখনক বিভিন্ন জাতি উপ-জাতি বসবাস কৰে কিন্তু যোৱা বছৰ বাজ্যপালৰ ভাষণত এটা কথা কৈছিল যে বৰাক আৰু ব্ৰহ্মপুত্ৰ ভেলিৰ মাজত সাংস্কৃতিক সমষ্টিৰ সেই গঠন কৰাৰ বাবে প্ৰচেষ্টা চলাব। মেই কাৰণে এই ক্ষেত্ৰত বিভিন্ন জাতি-উপজাতিৰ মাজত যাতে আমাৰ এটা সমষ্টি গঠন হয় আৰু তাৰ বাবণে ব্যৱস্থা লব লাগে। ইতিমধ্যে বাজ্যখনৰ বিভিন্ন জাতি উপজাতিৰ লোকৰ মনত এটা অবিশ্বাসৰ ভাৰ গঢ় লৈ উঠাৰ ভাৰ দেখা গৈছে। গতিকে কোকৰাবাৰৰ পৰা চকুৰাখনালৈ আৰু চকুৰাখনাৰ পৰা লক্ষ্মপুরলৈ গাঁওৰ ল'বা-ছোৱালী বিলাকক অন্ধা নিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰি সমষ্টিৰ ভাৰ জগাই তোলাৰ বাবস্থা কৰিব লাগে। কেবল বিধান সভাৰ মজিৱাত সমালোচনা কৰি থাকিলেই নহৰ। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মই এটা কথা কৰ খুজিছো দুৰ্নীতিৰ বিষয়ে। প্ৰয়াত প্ৰধানমন্ত্ৰী শ্ৰীমতী ইন্দিৰা গান্ধীয়ে এবাৰ কৈছিল যে কৰাপচন ইঞ্জ. এ ইশিয়ান ডিজিজ।

গতিকে আজি আমাৰ যিটো দহ টকা খায় যিটো বদলাম সেইটোৱেই দুৰ্নীতি নহয়। এই বিষয়ে কলে আমি নিজকে নিজে সমালোচনা কৰাৰ দৰে হয়। দুৰ্নীতি বছতো ক্ষেত্ৰত আছে। ধৰক অফিচৈ ১০ বজাত আহিব লাগে কিন্তু আহিছে ১১ বজাত তেনেকৈ আছি আকৌ গৈছে দুই বজাত ঠিক তেনেকৈ সদনলৈ আহিব লাগে জথ, সময়মতে অহা নাই তেতিয়াও দুৰ্নীতিয়েই বুলিৰ লাগিব। আমি ব্যক্তিগতভাৱে চিন্তা কৰি প্ৰত্যোকেই যদি ঠিক থাকো কেতিয়াও এই দুৰ্নীতি হব মোৰাবে। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মই যোগান বিভাগৰ বিষয়ে এটা কথা কৰ খুজিছো যে আৰোৰ সকলোৰে বেচন কাড় আছে। কিন্তু আমি জানো চেনি খিপিত বাদে বাকী চাউল, কেৰাচিন আদি অনা নপৰে গতিকে এই বস্তুৰোৰ যায় কলৈ। সেইকাৰণে যোগান মন্ত্ৰী মহোদয়ক মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়ৰ জৰিয়তে অনুৰোধ কৰো যে এই বিষয়ে অঞ্চলসন্ধান কৰি চাৰ লাগে আৰু জনসাধাৰণক যথে যথে বেচন কাড় দি থকা হৈছে তাৰ ভিতৰত সাধাৰণ মালুহৰ নামত ডাঙৰ ধৰী ব্যক্তিয়েও আনিছে। গতিকে এইবোৰ কথাত বাধা দিব লাগে কাৰণ এতিয়াও বছতো অভাৰীলোকে বেচন কাড় পাৰলৈ বাকী আছে আৰু সাধাৰণ লোক প্ৰতাৰিত হৈছে। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এইখনি আসোৱাহৰ বাহিৰে মই বাবেটখন সমৰ্থন কৰিছো

আৰু এটা কথা মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয় বক্তৃব্য শেষ কৰাৰ আগতে কৰিবিচ্ছিহো যে পুলিচ বিভাগৰ বিষয়ে। যোৱা পাঁচ বছৰে বছতো পুলিচ নিযুক্তি দিয়া হ'ল যিসকলৰ কোনো ট্ৰেনিং নাই আৰু পুলিচৰ কাম কৰাৰ বাবে তেওঁলোক ফিট হয়নে নহয় চোৱাৰ ব'-শু হোৱা নাই। মই মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়ৰ জৰীয়তে মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰীক জনাব বিচাৰো যে পুলিচ বিভাগটোক এটা অতুল কপত গঢ় দিয়ে। একচন অবিয়েটেল নহয়, ট্ৰেনিং অবিয়েটেল আৰু ডিউটি অবিয়েটেল কৰাটো বিচাৰো। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয় অসম চৰকাৰৰ এটা স্পেচিয়েল পুলিচ ব্রাঞ্চ আছে কিন্তু তেওঁলোকে কিছুমান গুৰুত্ব-পূৰ্ণ কথা আঁগতীয়াকৈ জনাব জাগে কিন্তু বাতৰি কাকতত প্ৰকাশ হোৱাৰ পিচতহে মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ৰ দৃষ্টিগোচৰ কৰে। গতিকে মই মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়ৰ যোগেন্দ্ৰি মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰীক অমুৰোধ জনাও যাতে এই স্পেচিয়েল ব্রাঞ্চটো প্ৰকৃততে দুৰদৰ্শী হিচাবে কাৰ্য্যনিৰ্বাহ কৰে তাৰ বাবে চোকা নজৰ বাখে যেন। ইয়াকে কৈ মোৰ বক্তৃব্য সামৰণি মাৰিলো।

★ শ্ৰীযৰ্থীন মালি : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ে যি খন বাজেট উত্থাপন কৰিছে সেই বাজেটখনক বিৰোধী পক্ষৰ ফালৰ পৰা বিৰোধীতা কৰা হৈছে। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, ১৯৯২-৯৩ চনত বিত্তীয় বছৰটোৰ কাৰণে যি বাজেট খাপন কৰিছে তাৰে কিছুমান কথা প্ৰত্যকৰে চকুত পৰিছে আৰু বোধী পক্ষৰ মাননীয় সদস্য সকলৈ আগতে উল্লেখ কৰিছে। এইখন এখন চাপলিমেটৰী বাজেট। মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী মহোদয়ৰ এখন বাহি বাজেট উত্থাপন কৰাৰ চথ আছিল কাৰণে তেখেতে তাকেই কৰিলে। কিন্তু এই বাজেটখনৰ জৰিয়তে সৰ্বসাধাৰণ দুখীয়া বাইকৰ ক্ষেত্ৰত অৰ্থনৈতিক দিশত এখন প্ৰকৃত ছবি দাঙি ধৰাত ব্যৰ্থ হৈছে। অসমৰ অৰ্থনৈতিক দিশত জন-সাধাৰণৰ যি ব্যৱস্থা এই সকলো বোৰ বাজেটৰ জৰিয়তে যিখন ছবি প্ৰতি-ফলিত হ'ব জাগিছিল তাৰে পৰিপ্ৰেক্ষিতত বিত্তীয় বছৰটোত আগুৱাই যোৱাৰ কাৰণ দেখা নাই। আমাৰ মাননীয় বিৰোধী পক্ষৰ কেইজনমান মাননীয় সদস্যই উল্লেখ কৰা টেক্সৰ জৰিয়তে জনসাধাৰণ, আমাৰ কৰ্মচাৰী তথা বিভিন্ন শ্ৰেণীৰ লোক সকলক সহায় কৰিব বুলি আহিব লগা বিজীয় বছৰটোত অসমৰ অৰ্থনৈতিক দিশবিলাকত বিলোপ সাধন কৰিব পাৰিব বুলি অহুমান কৰা হৈছে।

মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বাজেটত যিথিনি কথা উথাপন করা হৈছে ৪০ কোটি টকাব করাৰ বাহিৰেও বাজেটৰ জৰিয়তে অসমৰ জনসাধাৰণক অন্তৰ্ভুক্ত চিন্তাধাৰা সকলক অৰ্থনৈতিক দিশত ককাল ভঙ্গাৰ দৰে হ'ব ; মডেসাইজ, আৰ্কিটেলাইজ আদি বাজেটত প্ৰকাশ কৰিছে। সেই দিগবিলাক কৰাৰ পৰা এৰাই চলিছে। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয় মই আগতে উল্লেখ কৰিছো যে এই বাজেটখন এখন চাৰপ্লাচ বাজেট হৈছে। সেইকাৰণে মই এই বাজেটখনক সমৰ্থন কৰিব নোৱাৰো। বাজেটখনৰ লগে লগে নানা দিশত উল্লয়নৰ কথা চিন্তা কৰা হৈছে। মাননীয় বিধায়ক বৰা ডাঙৰীয়াই এটা কথা উল্লেখ কৰিছিলে যে বিদেশী নাগৰিকৰ আন্দোলন চলিছিলে, যিথন চুক্তি হৈছিলে চৰকাৰৰ দায়িত্বত থকা সকলে মাত্ৰ কেইজনমানকহে বিদেশী নাগৰিক বুলি বহিস্থাৰ কৰিবলৈ সমৰ্থবান হৈছিল। এই ক্ষেত্ৰত মই মাননীয় মন্ত্ৰী মহোদয়ৰ দৃষ্টি গোচৰ কৰিবলৈ কওঁ যে আমাৰ যিটো আন্দোলন আছিল সেইটো সত্য আন্দোলন আছিল আমাৰ যিটো বিদেশী বহিস্থাৰৰ কথা আছিল সেইটো সত্য আছিল। ৬ বছৰীয়া আন্দোলনটোক ভাৰতৰ অধাৰ মন্ত্ৰীয়েও সত্যতা স্বীকাৰ কৰিছিলে। যি সকল ব্যক্তিয়ে গণ আন্দোলনটোক বিপথে পৰিচালনা কৰাত যে উদগনি যোগাইছিল সিও সত্য আছিল। কিন্তু মূল্যবোধ দিব পৰা মাছিল। বিদেশী বহিস্থাৰ আন্দোলনৰ চুক্তিখন কপায়ণ কৰিবৰ কাৰণে অসমৰ জনসাধাৰণৰ সামগ্ৰিকভাৱে দায়িত্ব আছিল।

মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, বাজেট সম্পর্কত এটা কথা উথাপন কৰিব বিছাবিছো যে আজি প্ৰশ়াস্তৰ কালহোৱাত এটা কথা উথাপন হৈছিল যে আমাৰ এগৰাকী মাননীয় বাজ্যিক মন্ত্ৰীৰ মানস অভ্যাৰণ্য ঘটনা লৈ তেখেতৰ সম্পর্কত যিটো অভিযোগ সদনৰ মজিয়াত উথাপন হোৱাত মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়ৰ পৰিচালনাত এক সুস্থ তদন্ত কৰিবৰ কাৰণে দিয়া হৈছিল ; তদন্ত নিৰ্দোষী প্ৰমাণ হোৱাৰ পিচত তেখেতে পুনৰ মন্ত্ৰী পদলৈ বুৰি আছিল। ইঞ্চুবেঞ্চ, গেচ ক্ৰেকাৰ আদি সম্পর্কত উল্লয়নৰ মাপ কাঠিবে চৰকাৰে কাৰ্য্যাকৰী কৰিবৰ কাৰণে কাৰ্য্যক্ষম হৈ উঠা নাই বুলি আজি এই পৰিত্ব সদনত মই উথাপন কৰিব বিচাৰিছো। পৰবৰ্তী বছৰটোত বহাগ মাহত শাস্তি ঘূৰি আহিব বুলি মাননীয় সদস্য বৰা ডাঙৰীয়াই উল্লেখ কৰিছে। এটা কথা অধ্যক্ষ মহোদয়, জনসাধাৰণৰ মনত শাস্তি আহিব যেতিয়া বাজ্যখনৰ চাৰিওফালে জয় ময় ময় হ'ব অশাস্তি দূৰ

হব তেওঁয়াহে। জনসাধারণৰ যিটো ককাল ভঙ্গ অৱস্থা হব ধৰিছে জনসাধারণৰ মনত শান্তি আহিব নে নাহে সেইটো প্ৰত্যোকে চিন্তা কৰা উচিত। ১০ লাখ নিবৃত্তাক বিত্তীয় বছৰটোত বাজেটৰ জৰিয়তে চাকৰি দিয়া হব বুলি কোৱা হোৱা নাই। দেখা গৈছে যে পেপাৰভো এই বিষয়ে ওলাইছে চাকৰিমুখীৰ সংস্থাপন হব লাগে। মাননীয় শিক্ষা মন্ত্ৰী মহোদয়ে উল্লেখ কৰা মতে জনসাধারণে যথৰণে ভাবিছিল এতিয়া সেই ক্ষেত্ৰত সকলোৱে চিঞ্চাৰিত হৈ পৰিছে।

Mr. Speaker : It is now 1-30 P. M. The House is adjourned till 3-30 P. M. today.

(মাননীয় অধ্যক্ষই ৩-৩০ লৈ সদন স্থগিত বাধে)

(After break, the House met at 3-30 P. M. to-day, the 23rd March, 1992 with Hon'ble Mr. Speaker in the chair)

Mr. Speaker : Now Shri Jatin Mali. He will please conclude his speech within 5 minutes.

★ শ্রীযতীন মালী : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মই আজি আগবেলা সদনত বাজেট বক্তৃতাত অংশ গ্ৰহণ কৰি যিখিনি কথা উথপন কৰিছিলো। তাৰ লগতে এতিয়া কেইটামান কথা যোগ দিব বিচাৰিছো। বিগত বাজ্যপালৰ ভাৰণৰ বিতৰ্কত অংশ গ্ৰহণ কৰি এই সদনতে মই কেইটামান বিষয় মাননীয় শিক্ষা মন্ত্ৰী মহোদয়ৰ দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিছিলো। আৰু কেইটামান প্ৰয়োজনীয় নৌতিগত কথা ডাঙি ধৰিছিলো কিন্তু মেই সম্পর্কত আজিয়ো কোনো কাৰ্য্যকৰী ব্যৱস্থা হাতত লোৱা আমি দেখা নাই। নৌতিগত সম্পর্কত এটা সিদ্ধান্ত দিয়াৰ কাৰণে মন্ত্ৰী মহোদয়ক অনুৰোধ কৰিছিলো আৰু এইটো হব লাগে। মই উথপন কৰা বিষয়টো আছিল যে অখিল দাস নামৰ এজন হাইকুলৰ সহকাৰী শিক্ষক ওচৰেৰ আন এখন স্কুলৰ মেনেজিং কমিটিৰ সভাপতিৰ দায়িত্ব দিছে, এইটো কেনেকৈ হব পাৰে, এই ব্যৱস্থাটো কেবল পলাশবাৰীৰ ক্ষেত্ৰতেই নহয় সমগ্ৰ অসমৰ ক্ষেত্ৰত তেনেধৰণৰ ব্যৱস্থা হব নালাগে। এই বিষয়ে মই মাননীয় শিক্ষা মন্ত্ৰী মহোদয়ক ব্যৱস্থা লবলৈ অনুৰোধ জনাইছিলো। আচৰিত কথা যে এখন হাইকুলৰ এজন সহকাৰী শিক্ষকৰ পদত থাকি তেওঁ কামৰূপ জিলাৰ

হাইস্কুলৰ প্রার্থীৰ বাচনিৰ দায়িত্ব দিয়া হৈছে, এইটো কোনো নীতিগত ব্যবস্থা হোৱা নাই, হাইস্কুলৰ প্রধান শিক্ষক হলেও সুকীয়া কথা এটা আছিল কিন্তু এজন সহকাৰী শিক্ষক পদত থাকি তেওঁ নিজেই হাইস্কুলৰ শিক্ষক বাচনি কৰিব। গতিকে তেওঁক হয় শিক্ষকৰ পদৰ পৰা আতৰাৰ লাগে নহয়তো মেনেজিং কমিটিৰ দায়িত্বৰ পৰা আতৰাৰ লাগে। আন এটা কথা মই সদৰত উৎপন্ন কৰিছিলো। তেতিয়া মই নামটো উল্লেখ কৰা নাছিলো। সদৰত মান-মৰ্যদা হানি হয় বুলি কিন্তু আজি উল্লেখ কৰিছো। যাদৰ দাঁস নামৰ এজন মিৰ্জাৰ এজন প্ৰধান শিক্ষকে এগৰাকী হোৱালীক ধৰণ কৰাৰ কথা সৰলোয়ে জানে, আৰু সেই হোৱালী গৰাকী গভৰ্ণতাৰ হৈছিল, এই সম্পর্কত ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ গাবজেন সকলে মিটিং পাতি অভিযোগ কৰিছিল আৰু পোষ্টাৰ ইত্যাদি তেওঁৰ বিৰুদ্ধে মৰা হৈছিল, পিচত সেই গৰাকী শিক্ষকক চাচপেন কৰা হৈছিল। কিন্তু এ. জি, পি, শাসনৰ পৰা যোৱাৰ পাচত বাষ্ট্রপত্ৰিৰ শাসনৰ সময়ত অৰ্থাৎ ৯ তাৰিখৰ দিনা তেওঁক পুনৰ বিইনষ্টেট কৰা হয়। এই বিষয়টোৱ ওপৰত মই মাননীয় শিক্ষা মন্ত্ৰী মহোদয়ক নীতিগত ব্যবস্থা লবলৈ অনুৰোধ জনাইছিলো। গতিকে এই বিষয় কেইটাৰ ওপৰত এটা নীতি নিৰ্বাচণ কৰিবলৈ মই পুনৰ অনুৰোধ জনাইছো। মই দিঘলীৱো নকৰো, সৰ্বশেষত এটা কথা মই কৰ বিচাৰিছো যে বিধায়ক সকলৰ বিভিন্ন সা-স্বীকৰণ প্ৰদানৰ কাৰণে বা অন্যান্য কথালৈ বিধান সভাৰ মজিয়াত এখন হাউচ কমিটি আছে কিন্তু এই হাউচ কমিটিৰ ইনঅগৰোৱেল সভাৰ বাহিৰে আজিলৈকে কোনো সভা বহা নাই। অকল হাউচ কমিটিয়েই নহয় তেনেহলে অন্যান্য কমিটি বিলাকৰ ফাংশ্যন কেনেদৰে হৈছে কৰ নোৱাৰো। নিৱমতে বিধায়ক সকলৰ সা-স্বীকৰণ কাৰণে সময়ে সময়ে বহু কথাই আছে, গতিকে প্ৰতি সপ্তাহতে সভা বহিৰ লাগে। গতিকে বিধায়ক সকলৰ খাতিৰত যি সকলে এই কমিটি বিলাকৰ সভাপতিৰ দান্ডিত আছে, তেওঁলোকৰ যদি সময় নাই আৰু মইয়ো যদি কোনো কমিটিৰ বা হাউচ কমিটিৰ সদস্য হও তেতিয়াহলে আমি পদত্যাগ কৰিবলৈ বাধ্য হৰি। বাজেট বৰ্ক্তাত এই খিনিকে বক্তব্য বাখি শ্ৰেষ্ঠ এই বছৰত সাধাৰণ জনসাধাৰণৰ কক্ষাজত বাম-টাঙ্গোন মাবিলৈ বুলি বস্তব্য কৰি সামৰণি দ্বাৰিলো।

মাননীয় অধ্যক্ষ : সদৰত যিবিলাক সমিতি আছে সেই সমষ্টিৰ সভাপতি সকলৰ

जंगत आलोचना करिहे ब्यरस्ता लव लागे यदि तातो कोनो ब्यरस्ता नहय तेतियाहले थोक चेष्टावत आहि एই सम्पर्के अवगत करिब लागे। सदनत एই हाउठ कमिटियेही हुक्म वा आन करिटिब एलेवोब कथा आलोचना करा नहय। मोर चेष्टावत आहि जनालेही ह'ल।

★ श्रीयतीन माळीः एই सम्पर्कत नाजांवो काबणेही मझै कैचिलो।

श्रीअमोद गगैः मानवीय अध्यक्ष महोदय, बाजेट संकास्त इतिमध्ये सदनत यगेष्ट थिनि आलोचना है गैचे। प्रथमते मझै एटा कथा कव विचारिछो ये एই बाजेट खनक एखन वाही बाजेट बुलि कोरा हैचे। अकृतपक्षे यि अर्थत वाही बाजेट डांडी धरा हैचे तात आणा कवा हैचे तेजव बघेलिट ३१४ टकाव परा ७४० टकालै बऱ्हि हव आक इयाव फलत अहा बद्दरत बाज्याखनव ७५० कोटि टका आय हव पाबे। मेहि विषये भावत चबकावे अतियालैके कोनो खातां पिकास्त कवा नाहि आक यदि किवा काबणत ७४० टका प्रति मेट्रिकटन बघेलिट धार्य कवा। अहय तातकै यदि कम हय, आनकि यदि ६०० टकाओ हय तेतियाहले एই बाजेट वाही बाजेट है नाथाके, इधाट बाजेट वा डेफिचिट बाजेटत परिगनित हव। मेहि काबणे मझै बेचि कथा उल्लेख करिब निविचारो। यदि वाही बाजेट हय तालेही कथा। किञ्च यि काबणत एই कथाटो कवा हैचे, मेहिटो अहा बद्दरत प्रमाण करिब ये बाजेटखन अकृत पक्षे अनकज्ज्याण मूलक काबणे नहायक हव ने नहय।

एहिखिनिते उल्लेख करिब विचारो ये आमाव असमक बाट्रीय घटा चबकावे असम, ज्यु आक बाशीव, हिमाचल प्रदेश बाज्य विलाकक विशेष मर्यादाव बाज्य हिचापे व्यौक्ति दि एटा डांडेर अहदान करिहे याव फलत आजि असमेव भावत चबकावव परा यिघान धन पाय ताव शतकवा १० हल मञ्जुबीः किञ्च आमाक विशेष मर्यादाव बाज्य हिचापे व्यौक्ति दिलेव अन्यान्य बाज्य विलाकत यि तारे परिकल्पनात जनमुवि खब्ब करे, मेहि नुविधा असमे आजिओ पोरा नाहि। १९९०-९१ चनत असमत पाव केपिटा आउटले २३६ टका। एके समयत अन्यान्य यिविलाक विशेष मर्यादाव बाज्य मेहिविलाकव लगत यदि तुलना कवा याव तेण्ठे नगालेण्ठे हल पाव केपिटा आउटले १३१८, मणिपुरत १ हाजाव टका आक मेघालयत १०२० टका। गतिकै मझै एই कथा

ভাৰত চৰকাৰক দাবী কৰিব বিচাৰো যে আমাৰক কেৱল বিশেষ মৰ্যাদাৰ বাজাৰ
সীকৃতি দিয়াটোৱেই নহয়, যি নীতিত অন্যান্য বাজাৰিলাকত জনমুৰি থৰছব
টকা ধাৰ্যা কৰে সেই সুবিধা অসমক দিব লাগে। আৱকি যি বিজ্ঞাক সাধাৰণ
মৰ্যাদাৰ বাজ্য সেই বিলাকত যি পাৰ কেপিটা আউটলে তাৰ তুলনাত অসমত
বহুত বড়। ষেনেকৈ পঞ্জাৰত পাৰ কেপিটা আউটলে ৪৬২ টকা, হাৰিয়ানাত
৪৩২ টকা, মধ্যপ্ৰদেশত ৩৪৯ টকা আৰু সৰ্বভাৰতীয় শতকৰা ২৮৮ টকা।
এই ক্ষেত্ৰত অসমৰ বিস্তীয় পৰিস্থিতিৰ উন্নতিৰ কাৰণে ভাৰত চৰকাৰক দাঙি
থৰা প্ৰয়োজন আৰু যিহেতু বাষ্পীয় মৰ্চা চৰকাৰে আমাৰ বিশেষ মৰ্যাদা দিছে,
ততিয়া একেটা দলৰ চৰকাৰ দিলী আৰু দিশপূৰ্বত আছে। সেয়ে এলকেচৰৰ
সেই সুবিধা ঘাতে আদায় কৰিব পাৰে তাৰ কাৰণে জনোৱা প্ৰয়োজন। এটা
কথা মই উল্লেখ কৰিব বিচাৰো যে আমাৰ উদ্যোগীকৰণত ইতিমধ্যে যি কিছু
অগ্ৰগতি হৈছিল সেইবিলাকত আৰ্মি দেখিবলৈ পাইছো যে ক্ৰমাবলৈ অসমৰ
পৰা হস্তান্তৰ হৰলৈ আৰম্ভ কৰিছে। ইতিমধ্যে মাননীয় সদস্যসকলৈ উল্লেখ
কৰিছিল যে আমাৰ অসমত যি একমাত্ৰ আধুনিক ধৰণৰ উদ্যোগ ইঙ্গিয়া কাৰ্বন
আছে, এসময়ত অসমৰ তেল শোধনাগাৰ বিলাকত প্ৰথমে যি নেকি পেট্ৰোজলাত
সামগ্ৰী উৎপাদিত হৈছিল তাৰে ইঙ্গাণ্ডি চলিছিল। কিন্তু ইয়াৰ পিছত ভাৰত
চৰকাৰে আৰু ছুটা তেনেকুৱা উদ্যোগ স্থাপন কৰিছে। এটা গোৱাত আৰু
আনটো হালদিয়াত। ১৯৯১ চনৰ অক্টোবৰ মাহত ভাৰত চৰকাৰে এটা সিন্দ্বাস্ত
কৰিলৈ যে অসমত যিখিনি পেট্ৰোলিয়াম কোক উৎপাদন হব সেইখিনি ক্ষিণিটা
উদ্যোগত সমান বিতৰণ হব। যাৰ ফলত ততিয়া অৱস্থা হ'ল যে আমাৰ
এই উদ্যোগটোৰ বৰ্তমান ঘৃতপ্ৰায় অৱস্থা। এই উদ্যোগটোত প্ৰতি মাহে আমাৰ
যিখিনি প্ৰয়োজন বৰ্তমান উৎপাদনৰ ক্ষেত্ৰত তাক অব্যাহত বাখিবৰ কাৰণে
৭২ হাজাৰ মেট্ৰিকটন কোক লাগে। ১৯৯১ চনৰ ডিচেম্বৰ মাহত ১ হাজাৰ
৮৪৫ টন, জানুৱাৰীত ১ হাজাৰ ৬ শ আৰু ফেব্ৰুৱাৰী মাহত ২ হাজাৰ ২৯১
টন। ইয়াৰ পৰা দেখা যায় ভাৰত চৰকাৰৰ যি উদ্যোগিক নীতি সেই নীতিৰ
ফলত আমাৰ বাজ্যখনত উদ্যোগীকৰণ হোৱা দূৰৰ কথা যিবিলাক উদ্যোগ
আছে সেইবিলাক মৃত্যুৰ কালে আগবঢ়াচিবলৈ ওলাইছে। আমাৰ ইয়াত কফি
উৎপাদনৰ কাৰণে ভাৰত চৰকাৰে অসমত কফি খেতিৰ কাম আৰম্ভ কৰে।
যোৱা সময়ছোৱাত কফি বোড'ৰ কাম আৰম্ভ কৰে। কিন্তু দেখা যায় যে যোৱা

কেইমাত্র ভিতৰত প্রায়বিলাক অফিচ স্থানান্তর কৰিছে। কফি বোড'র হাফলঙ্গ যিটো চিনিয়ৰ লিয়াচন অফিচাৰ আছে, সেই পোষ্টটো দিল্লীলৈ স্থানান্তর কৰিছে। ঠিক তেনেকৈ নাগালেণ্ডৰ চিনিয়ৰ লিয়াচন অফিচাৰক দিল্লীলৈ স্থানান্তর কৰিছে। আনকি এই অঞ্জসৰ মূৰবীজন ডেপুটি দিবেকষ্টৰ অফিচ দিল্লীলৈ স্থানান্তর কৰা হৈছে। এই ভাৱে যদি কাৰ্য্যালয়বিলাক স্থানান্তৰ হয় তেন্তে আমাৰ অসমৰ উদ্যোগীকৰণ হোৱা দূৰৰ কথা বৰ্তমানে থকা উদ্যোগ বিলাক বিপদৰ সম্মুখীন হৈ। সেই কাৰণে মই এটা কথা চৰকাৰক অনুৰোধ কৰিব বিচাৰো যে আমাৰ আৰ্থিক অৱস্থা উন্নত কৰাৰ কাৰণে কিছুমান নিৰ্দিষ্ট বিষয় ভাৰত চৰকাৰৰ ওচৰত দাঙি ধৰা দৰকাৰ। ইয়াৰ ভিতৰত প্ৰথম হ'ল যে আমাৰ ইয়াত যিবিলাক উদ্যোগ আছে সি ৰাজহঁস খণ্ডতেই হওক বা ব্যক্তিগত খণ্ডতেই হওক সেই উদ্যোগ বিলাকৰ জাৰি শৰ শতকৰা ৫০ টকা ৰাজ্যখনৰ অৰ্থনৈতিক বিকাশৰ কাৰণে খৰচ কৰাটো বাধ্যবাধকতা থাকিব লাগে। তাৰ কাৰণে যদি প্ৰয়োজন হয় তেন্তে সংবিধান সংশোধন কৰক। অসমৰ যিবিলাক চাহ কোম্পানী আছে সেইবিলাকৰ কাৰ্য্যালয় অসমৰ বাহিৰত। সেই কাৰ্য্যালয় বিলাক অসমলৈ এই কাৰণেই স্থানান্তৰ কৰিব লাগে যে অসমৰ পৰা উৎপাদিত চাহৰ ফলত এই কোম্পানী বিলাকে বছৰি ১ হাজাৰ ৫ শ কোটিতকৈ অধিক টকা উপাৰ্জন কৰে আৰু সেই টকা যদি অসমত হেত অফিচ থাকি ইয়াৰ বেংকৰ জৰিয়তে খৰচ হয় তেন্তে অসমৰ অৰ্থনীতিৰ ক্ষেত্ৰত এটা ডাঙৰ প্ৰভাৱ পৰিব আৰু উৎপাদনৰো ক্ষেত্ৰত ই সহায়ক হৈ। মিদিনা মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে স্বীকাৰ কৰিছে যে অসমৰ চাহ কোম্পানী বিলাকে আয় কৰৰ বাবদ ৬ কোটি টকা দিব লগো আছে। তেওঁলোকে কেচ কৰি এই টকা যাতে চৰকাৰক নিদিয়ে তাৰ চেষ্টা কৰিছে। সেই কাৰণে চৰকাৰক অনুৰোধ কৰিছো যে চাহ বাগান বিলাকৰ ওপৰত মিটো অনাদায়ী কৰ আছে সেইটো আদায় কৰাই নহয়, তেওঁলোকৰ ওপৰত আৰু অধিক কৰ প্ৰৱৰ্তন কৰা দৰকাৰ। তেওঁলোকে বৈদেশিক মুদ্ৰা অসমৰ চাহৰ পৰা উপাৰ্জন কৰে। অসমৰ চৰকাৰী মাটিৰ বেদখলকাৰী হৈছে চাহ বাগানৰ মালিক বিলাক। মই এখন কিতাপৰ পৰা দিছো এই কিতাপখন অসম চৰকাৰৰ দ্বাৰা প্ৰকাশিত ৰেভিনিউ এদমিনিষ্ট্ৰেচন ইন আচাম, কম্পাইল কৰিছে দি কে গঙ্গোপাধ্যায়, অসমৰ চেক্রেটৰী।

অধ্যক্ষ মহোদয়, এই তথ্যত তেখেতে দেখুবাইছে যে, অসম জিলা হিচাবে কি ধরণে আছে। তেখেতে দেখুবাইছে অসম চাহ বাগান বিলাক্ত চৰকাৰৰ মাটি বে-আইনীভাবে দখল কৰিছে আৰু ১৮,৫৯৭ বিঘা, ৪ কঠা ৮ লোচা মাটি বে-দখল কৰা হৈছে। চাহ বাগিছাৰ মালিক বিলাকে এহাতে তেওঁলোকে আইন ভঙ্গ কৰিছে আৰু আনহাতে অসম চৰকাৰক বাজহৰ পৰা বৰ্কিত কৰিছে। এইখনিতে মই উল্লেখ নকৰি লোৱাৰে যে, অসম জনসাধাৰণক যেনেকৈ চাহ শিল্পৰ অৰ্থনৈতিক বিকাশত সহায় কৰিছে কিন্তু আনহাতে অসম চাহ বাগান বিলাক যিবিলাক মালিক ভাৰতবৰ্ষত একচেতিয়া পুঁজিপতি মেই সকলে অসম জনসাধাৰণক অৰ্থনৈতিক ভাবে শোষণ কৰাটোৱেই নহয় গণতান্ত্রিক ভাবে কৰ্তবোধ কৰাৰ এক চক্রান্ত কৰিছে। আজি কেইদিলমানৰ আগতে কাগজত ওলাইছে যে, চাহ বাগিছাৰ মালিক বিলাকে অসমত চৰকাৰৰ উপৰত এটা প্ৰস্তাৱ দিছে যে, অসম প্ৰশাসনৰ উপৰত, পুলিচ বিভাগৰ উপৰত তেওঁলোকৰ আস্থা নাই আৰু সেই কাৰণে তেওঁলোকে বিচাৰিছে যে, চাহ বাগান বিলাকত এটা বোলে প্ৰাইভেট পুলিচ ফোট, চিকিৱিটি ফোট কৰাৰ কাৰণে তেওঁলোকে দাবী কৰিছে। যেনেকৈ দক্ষিণ আফ্ৰিকাত খেতকায় সকলে আফ্ৰিকাৰ জনসাধাৰণক দমন কৰিবৰ কাৰণে নিজৰ প্ৰশাসনীয় পুলিচ বাহিনী বিচাৰিছে, অসমতো চাহ বাগানৰ মালিক সকলে অসম জনসাধাৰণৰ বিকদ্দে নিজৰ পুলিচ বাহিনী কৰাৰ কাৰণে চেষ্টা কৰিছে। আৰু সেই দৰ্থান্ত অসম চৰকাৰক দিয়া নাই। সেই দৰ্থান্তখন দিছে জি, অ, চি, লেফটেনেন্ট জেনেৰেল অজয় সিঙ্কল। অধ্যক্ষ মহোদয়, যিবিলাক চাহ বাগিছাৰ একচেতিয়া পুঁজিপতি, ভাৰতবৰ্ষৰ একচেতিয়া পুঁজিপতি তেওঁলোকে অসম আইন কালুন মানিব নিবিচাবে। অসম স্বাৰ্থ বিৰোধী কাম কৰাৰ অসমক শোষণ কৰা একচেতিয়া চাহ বাগানৰ মালিকবিলাকৰ গ্ৰতি চৰকাৰে নমনীয় ভাৱ দেখুৱা উচিত নহয়। আৰু মই আশা বাধিছো যে, চৰকাৰে এনে ধৰণৰ ব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰিবলৈ অসম অৰ্থনৈতিক অৱস্থা উৱত হোৱাৰ পৰিবৰ্ত্তে অৱনতি হোৱাৰহে সন্তুষ্টনাই দেখা দিব।

Mr. Speaker : Now, Shri Chandra Mahan Patowary.

★ শ্ৰীচন্দ্ৰমোহন পাটোৱাৰী : মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আজি সদমতি বিজ্ঞ

বিভাগের দায়িত্বত থকা মানবীয় গুরুত্বপূর্ণ মহোদয়ে যি বাহি বাজেট উৎপন্ন করিছে এই বাজেট সম্পর্কত মোৰ মনত আছে। এই বাজেটখন এটা শব্দত কৰলৈ গলে অসমৰ জনসাধাৰণৰ বিকদ্দে বাজেট এখন হৈছে। এই বাজেট অসমৰ জনসাধাৰণৰ প্ৰতি এক ভদ্ৰ প্ৰতোৱণ কৰা আবশ্য কৰিছে। এখন বাহি বাজেট দিয়া মানে অসমৰ জনসাধাৰণৰ উন্নতি যে হৰ তাৰ কোনো মানে নাই। এটা কথা দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰি চৰকাৰক জন্মৰ বিচাৰিছো যে, আজি যদি মোৰ দৰ চলাবৰ বাবে ১ হাজাৰ টকা ইনকাম লাগে আৰু তাৰে মৈতে বেমাৰী চিকিৎসা, ঘৰ ভাল কৰা, দুবেলা দহুটি খোৱাৰ ব্যৱস্থা কৰা আৰ্দ্দি হৈ যায় কিন্তু তেনেছলত যদি সেই এক হেজাৰ টকাৰে বেমাৰ হলে চিকিৎসা নকৰো আৰু ১৫ দিন থাই ১৫ দিন লঘোনে থাকি মাহে ২ শ টকা বাহি কৰো ঠিক তেনেধৰণৰ এখন বাজেট আমাৰ দাঙি ধৰিছে। এই বাহি বাজেটত যিটো ব্যৱস্থা কৰিছে মেইটো দেখি মোৰ কলেজত পঢ়ি থকা অনুস্থান পঢ়া শ্ৰীবৰীজি সৰকাৰৰ এটা কৰিতালৈ মনত পৰিষে। “বিশ্ব বেংকত বন্ধক থলে আংশাৰ কলিজা, আইৰ সতীহ বিক্ৰী কৰিলে বিশ্ব বজাৰত”। আজি আমাৰ বাহি বাজেট দি দেই একে ব্যৱস্থাকে কৰিছে। এই ব্যৱস্থা সলনি কৰিব লাগিব। কথা হৈছে যে,— (ভইচ : কৰিতাটো বুজি পোৱা নাই) — চাউল, তেল, দাইল চুব কৰাত ব্যস্ত থকা সকলৈ বুজি নাপাৰ বাকী খিলাকে বুজি পাইছে। এতিয়া প্ৰশ্ন হল, আজি আমাৰ কলিজা মনমোহন সিঙে বিশ্ব বেংকত বন্ধক হৈছে। আৰু আমাৰ আইৰ সতীহ আমিৰ দ্বাৰা ধৰ্ম কৰাই বিশ্ব বজাৰত বিক্ৰী কৰিছে। আপোনালোকে ডাওৰ ডাওৰ কথা কৈছে। মুগৌয়ে কণী প্ৰসৱ কৰোতো যিমান জোৰ দিয়ে তাৰ পিচত উভতি চাই দেখে যে এটা অকনমান কণী পাৰিছে। গতিকে সেই একে অৱস্থাকে হৈছে।

★ **শ্ৰীঅঞ্জন দত্ত :** অধ্যক্ষ মহোদয়, এই কথা আপোনাকে কৈছে নেকি ?

★ **শ্ৰীচন্দ্ৰমোহন পাটোৱাৰী :** মই তেখেতক কোৱা নাই।

★ **Dr. Ardhendu Dey :** Sir, Perversion.

Shri Chandra Mohan Patowary : I am not perverted. The person who is playing with the lives of common people by making fraud in salt, oil, he is perverted-

Hon'ble High Court also not spared you যদি বাহি বাজেটেই হয় তেনহলে মন্ত্রীয়ে হেঁচা মাবে কিয় ? কৃষির উন্নয়নৰ ক্ষেত্রত এই বাজেটত একো কথাই নাই। মাননীয় সদস্য প্রমোদ গণে দেৱে অসমত কৃষিৰ চৰ্চাৰ কথা উল্লেখ কৰিছে। আজি কৃষিৰ ক্ষেত্রত, উদ্যোগৰ ক্ষেত্রত যিথন বাজেট হৈছে নিজে নিজে ভাৰি চাঁওক। কৃষিৰ উন্নয়নৰ বাবে কি ব্যৱস্থা লৈছে ? উদ্যোগৰ ক্ষেত্রটো কেচামাল যিথিনি হয় যেনে ক'ল ইগুয়া, এন, ই, প্রেস্ট আজি বন্ধ হৈ গৈছে। আমি বিচাৰিছো যে, কৃষি খণ্ডত বেছি পইচা খটুৱাই বিজ্ঞান সম্বৰ্তাৰে কৃষি খণ্ড ওশৰ্টলৈ আমিব নোৱাৰিলৈ অসমৰ উন্নয়ন হব নোৱাৰে। আপোনালোকে তেলৰ বয়েলিটি চেল টেক্স, ইনকাম টেক্স লৈ বাহি বাজেট দিয়াৰ কোনো অৰ্থ নাই। এই বাজেট তেকুলীৰ পিষ্টিত নোম গজাৰ নিচিমা হৈছে। আজি ২ টকা দামত চাউল দিছে কিন্তু ২ টকা কিলোৰ চাউল ১২ টকা কিলোৰ দালিৰে জনসাধাৰণে কেনেকৈ খাৰ ? দালি নাখালে মালুহৰ মেলনিউট্ৰিচন হব। আপোনালোকে বিচাৰ কৰি চাঁওক আজি জনসাধাৰণক কেনেকৈ বিফ্ৰেস্ট কৰিছে ? আজি এচ, বি, পি, এচ, অ' সকলে নিজৰ জীৱন আগুৱাই দি আমাক বক্ষা কৰি আছে কিন্তু তেঙ্গোকৰ ১৯৯০ চনৰ পৰা টি, এ, দি এ, নাই। আনহাতে আমিৰ বাবে ১ কোটি ১০/১৫ লাখ ব্যয় কৰিব পাৰিব। যদি পি, এচ, অ' সকলক টি, এ, দি, এ, দিব নোৱাৰে তেনহলে বাহি বাজেট দিয়াৰ কি গুজ্য থাকিব পাৰে ? আজি আমাৰ বিৰোধী দলৰ পৰা যিবিলাক সমালোচনা কৰা হৈছে আশা কৰো আপোনালোকে গ্ৰহণ কৰি লৰ।

মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মোৰ কথা হৈছে অপজিচনৰ মালুহ থিনিয়ে সমালোচনা কৰোতে পঞ্জিচনৰ ২/১ জন সদস্যৰ বাবে বাকী সকলে মানি লৈছে। এই চৰকাৰৰ গোক সকলে যেতিয়া অপজিচনত আছিল, তেওঁত সকলে যেতিয়া বীৰদপে চৰকাৰক সমালোচনা কৰিছিল তেতিয়া আমি চৰকাৰত থাকোতে গ্ৰহণ কৰিছিলো। এতিয়াও তেওঁত সকলে আমাৰ সমালোচনা গ্ৰহণ কৰিব লাগে। (সময় সংকেত) অধ্যক্ষ মহোদয়, যই দুটামান কথা কৰ খুজিছো— প্ৰথম কথা হৈছে— ২ টকা দৰৰ চাউলৰ লগত ১২ টকা কেজিৰ দাইল কেনেকৈ বাইজে খাৰ ? (ভয়চ- খিচিৰি বনাই খাৰ)। ২ নং কথা হৈছে গাড়ী, মটৰ টেক্সৰ পৰা বাছি গ'ল কিন্তু জুইশনল, লুঙ্গী, গেঞ্জীত টেক্স জাগিঙ্গি, পাটকঢিত টেক্স

লাগিল। এইবোৰ কোন মাছহে ব্যৱহাৰ কৰে গাৰ'ৰ দুখীয়া নিচজা সকলে। চৰকাৰৰ আজি বাজেট বনাইছে শ্রীমাতংগ সিংহ দৰে লোকৰ বাবে, চাহবাগানৰ মালিকৰ বাবে বাজেট বনাইছে কিন্তু বাগানৰ বহুবাষ কাৰণে বাজেট বনোৱা নাই। গড়ী, অটৰ বাদ দি জুইশলা, লুঙ্গী, পাটকটিত টেক্স লগোৱা হ'ল কিয়? ৩ নং কথা হৈছে—How there can be a surplus Budget. It means hardly there is only developmental works. ৪ নং কথা হৈছে—In the face of decline in the national growth rate of 2.5 percent of GDP during 1990-91 and 5.6 percent during 1991-92 এইটো ডিক্লাইন কৰিছে নেচনেল লেভেলত। কিন্তু ছেট লেভেলৰ বাজেটত কৈছে যে এইটো ১.৭ ভাগ বৃদ্ধি পাইছে। It has declined now to 9.7 percent compared to the current price of 7.25 percent during 1991-92. It has increased the indirect tax burden upon the people। ইয়াৰ অৰ্থ এইটোৱেই যে অসমৰ মানুহখনি ভাৰতবৰ্ষ'ৰ সকলো মানুহতকৈ সুখত আছে। গ্ৰোথ ৰেট নেচনেল লেভেলত কমিছে কিন্তু ষ্টেটত বাঢ়িছে। মোৰ এই কেইটা প্ৰশ্নৰ উত্তৰ মুখ্যমন্ত্ৰীয়ে দিলে এইখন চাৰপাছ বাজেট হৈছে বুলি কৰ পাৰি। (সময় সংকেত)। অধ্যক্ষ মহোদয়, এইখন বাজেট জনস্বার্থ বিৰোধী বাজেট। এইখন বাজেটে আমাৰ বাজ্যখনৰ দুখীয়া মানুহখনিৰ ওপৰত ইনডাইবেষ্ট টেক্স লগাই জুকলা কৰিছে। মই মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰীক এই বাজেটখন সংশোধন কৰিবলৈ অহৰোধ জনাইছে। মই পুনৰ কৈছো যে এই বাজেটখন মই তৌত্ৰ বিৰোধীতা কৰিছো। ইয়াকে কৈ মই সামৰণি মাৰিছো।

Mr. Speaker : Now Hon'ble member Sri Samsul Huda.

★ **শ্রীচামুল ছদা :** মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, যোৱা ১৬ তাৰিখে মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰীৱে বিত মন্ত্ৰী হিচাৰে বাজেট ভাষণ এই সদনত বাখিছে। এই বাজেট ৰক্ততাৰ ওপৰত দলীয় বিধায়ক আৰু বিৰোধী দলৰ মাননীয় সদস্য সকলে নিজৰ নিজৰ বক্তব্য বাখিছে। অধ্যক্ষ মহোদয়, আগৰ দিনত ৰা আগতে মানে ভাৰতবৰ্ষ' স্বাধীন হোৱাৰ পিচত নতুন সংসদৰ ক্ষেত্ৰত আৰু আমাৰ বিধান সভাৰ মজিয়াত দাখিল কৰা বিভিন্ন বাজেট ৰক্ততা চালে আমি দেশৰ

সুখ আৰু প্ৰগতিৰ কিছুমান হিচাব নিকাচৰ কথা দেখিবলৈ পাওঁ। এবাৰ
প্ৰয়াত দীৰ্ঘে গোৱাঞ্চী ডাঙৰীয়াই মোক হাই কোর্ট এদিন কৈছিল—হৃদা
চাহেৰ, আপুনি যদি আগৰ পাৰ্লিয়ামেণ্ট আৰু বিধান সভাৰ ‘প্ৰচিডিউচ’ পঢ়ি
চায় তেন্তে দেখা পাৰ আগৰ বজ্জ্বাতোৰ খুটুব উন্নত ধৰণৰ আছিল। কিন্তু
আজি আমাৰ কিছুমান কথা ইজনে সিজনক হনা-হানি কৰি কথা কঠ, কথা
কটা-কটি কৰো। দেশৰ মঙ্গলৰ কাৰণে, দেশৰ প্ৰগতিৰ কাৰণে, বিভিন্ন পৰিস্থিতিৰ
মোকাবিজাৰ কাৰণে সুপৰামশ’ আগ নবঢ়াও। আমি কিছুমান কাম কৰাৰ
প্ৰয়োজন, এই কথাটো গুৰুতঃ আগত বাখি আলোচনা হব লাগে বুলি মই
তাৰো। আমাৰ মাননীয় সদস্য সকলে যিথিনি কথা-বতৰা কলে তাৰ কিছু
কথাৰ উন্নৰ মই দিব বিচাৰিছো। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, এই বাজেটখনত
যদি ডেফিচিট দেখুৱালৈহেঁতেন, বা বেলেগ দেখুৱালৈহেঁতেন তেন্তে আমাৰ বিৰোধী
দলৰ সদস্য সকলৰ বজ্জ্বাতোৰ কথা বেলেগ হলহেঁতেন।

আজি চাৰপ্লাচ বাজেট দিয়াৰ কাৰণে চাৰপ্লাচৰ ওপৰত শ্ৰেণি আছিছে যে আজি
দেশৰ অৰ্থনীতি দলিত অৱস্থালৈ লৈ যাব। কিন্তু যদি ডেফিচিট বাজেট দিলে-
হেঁতেন তেন্তে কলেহেঁতেন চাৰপ্লাচ বাজেট দিয়া হলেই ভাল আছিল, চাৰপ্লাচ
বাজেট হলে এই কাম হ'লহেঁতেন। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মই এবাৰ এখন
বিহুকমিটীৰ সভাপতি অছিলো। তেতিয়া মোৰ এজন বক্তু শ্ৰীঠাকুৰীয়াই এটা
বিষয় সম্পর্কত নিজৰ ভিতৰতে মন্তব্য কৰিছিল এই বুলি—অযুকে হাগিছে,
বৰ গোকুলাটিছে। শ্ৰীহিতেশ্বৰ শহীকীয়াৰ বাজেটত বৰ গোকু, কিন্তু শ্ৰীপুন্ন
কুমাৰ মহন্তৰ বাজেটত গোকু নাছিল। প্ৰয়াত ইন্দিৰা গান্ধী বা কংগ্ৰেছ দলে
কোনো বাজেট দিলে বিৰোধীৰ দায় লাগে, সমালোচনা হয়—বৃহৎ স্বার্থৰ
কাৰণে কাম নহয়। সক সুৰা দলৰ কথা বতৰা আৰু আশা আকাঙ্ক্ষা এনে
ধৰণেই থাকিব। মাননীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, মই ১৯৪৭ চনত এল, পি, বৃক্ষি
দিছিলো। মই খেতিয়কৰ লৰা, হালবাই, পথাৰত কাম কৰি স্বূলত পঢ়িছিলো।
তেতিয়া কেউপিলে ‘বল্দে যাতবম’ টো উঠিছিল, ভাৰতৰ স্বাধীনতা আন্দোলন
চলিছিল। আমি সক আছিলো, এইবোৰ বৰকৈকে বুজা নাছিলো। তেতিয়া
আমাৰ নিচিনা ক'লা চাহাবেই হাফপেন্ট পিন্ধি মূৰত হেট পিন্ধি আমাকেই
মাৰিছিল। আমাৰ পতকা তুলিব দিয়া নাছিল। স্বাধীনতাৰ পিচত কিছুমান

লোকক জ্ঞেলত ভবাই হৈছিল, সুধি গম পালো মেইবোৰ বোলে চি পি আই আক আৰ, চি, পি, আইৰ লোক। কংগ্ৰেছে অশেষ ত্যাগ আক কষ্ট শৌকাৰ কৰি ভাৰত স্বাধীন কৰে। বিৰোধী দলে কিন্তু নিজ দেশৰ বিৰুদ্ধে কাম কৰি আহিছিল।

বৰ্তমান অৱস্থাটো আমাৰ দেশৰ অৰ্থনৈতিক কাম কৰিবলৈ ঘাওতে কিছুমান বিৰোধীকামী দলে অগপ বা সংজ সেৱক দলে সমাজ সেৱা যেনেকে কৰিব বিচাৰে আমাৰ অগত বিল নহাত নৌতিগত আদৰ্শৰ অমিল হোৱাত সমস্যা সমাধানৰ জটিলতাৰ অৱস্থাৰ স্ফুট কৰিব পাৰে। বাজেট বক্তৃতাত বিগত দিনৰ উশৃঙ্খলাৰ কথাৰ উল্লেখ আছে। অসমত ভাষা আন্দোলন হ'ল, বিফাইনেৰী আন্দোলন হল। বিফাইনেৰী আন্দোলনত মই নিজেও যোগ দিছিলো। এই বিলাক সকলো ইয়োচনেল কাম হৈছিল। তাৰ পাছত হ'ল বিদেশী খেদো আন্দোলন। মাননীয় মুখ্যমন্ত্ৰী শ্ৰীশৰৎ সিংহৰ দিনত, তেওঁৰ মেধা শক্তি আৰু অভিজ্ঞ চিন্তা চৰাৰে বাজেটত এটা কথা দাঙি ধৰিলে “মাটিয়েই জীৱনৰ উপাৰ্জনৰ থলি, সম্পত্তি হব নালাগে।” সেই নৌতিবেই তেওঁ মাটি অধিগ্ৰহণ কৰিব আৰু সেই মাটি গৰীবৰ মাজত বিতৰণ কৰিব। কিছুমান মাটিৰ মালিকে চহৰত ওকালতি কৰিব আৰু তেওঁলোকৰ মাটিত গৰীব সকলে শস্য উৎপাদন কৰি তেওঁলোককে ধনী কৰিব। ইমিগ্ৰেণ মুহূৰ্মান সকলক থাল বিলত খেতি কৰিবলৈ দিয়া হ'ল। তেওঁলোকক পানী থকা দ-মাটিত খেতি কৰিবলৈ দিয়া হল ১৯৭১ চনত টেবান-চৌ এষ্ট মতো দেখা গ'ল বেজাৰটো ক্লাচ ওৱান মাইহৰ মাজত। মাক-লেটতাক, লৰা-ছারালী সকলোৱে সংশয়ত পৰিল। যিবিলাক উকীলে চহৰত জীৱন কঠাইছিল তেওঁলোকৰ মাজতো সংশয় হ'ল, যিয়ে খেতি কৰে মাটি তাৰ। মাটি কাৰ হব? ১৯৪৮ চনত গুৱাহাটী হাই কোর্ট প্ৰতিষ্ঠিত হৈছিল। তাত যিবিলাক উকীলে ওকালতি কৰি আছিল, তেওঁলোকে যিবিলাক গৰীব চহা, তিবোতা, মাৰপিত আদিব মোকদ্দমা জাজৰ ওচৰত তৰিছিল তেওঁলোকে তাত লিখিছিল ১৯৪৮ চনৰ পৰা গৰীব জন সাধাৰণৰ নামত যিমানবিলাক কেচ দাখিল কৰিছে, পৰবৰ্তী কালত তেওঁলোকৰ ওপৰতেই বিদেশী বুলি আন্দোলন কৰিলে তেওঁলোকেই থাল বিল, রঠাউৰী সকলো উৰ্বৰা কৰিছিল। তেওঁলোকেই কৰা খেতিয়ে চহৰৰ বজাৰক জকমকাই তোলে। কিন্তু বিগত কাল ছোৱাত

১০/১৫ বছরে বিবোধীতা করি ক'ত দলং, খেতি পথাব স্কুল কলেজ পুরি ভাড়ি নষ্ট করিলে তাৰ সীমা নাই। ফৰেনাৰ এক্ষ মতে ভাৰতবৰ্ষৰ শুচৰ পাজৰৰ লোক অহা যোৱাৰ কথা আছিল। বিবোধী দণ্ডৰ মাননীয় সদস্য সকলে একড'ৰ কথা কৈছে, আমি একড'ৰ বিবোধীতা কৰা নাই সমৰ্থন কৰিছো। কিন্তু মুনিচিত ভাৰতীয় নাগৰিক হিচাবে অৰ্থনৈতিক দিশত যিমান খিনি ক্ষতি কৰিলে সেই ক্ষতি বৰ্তমান বাজেটত বিফলেকচন হোৱাটো স্বাভাবিক নহয়নে। কিমান দলং পুৰিলে, কিমান ফোর্ট, চি, আৰ, পি, ফোর্টআনকি প্ৰেচিডেন্ট কল পৰ্যন্ত হব লগা হ'ল। এই বিলাক নিষ্ঠয় বিজ্ঞায় ব্যৱস্থাত ব্যাঘাট জগোৱা স্বাভাবিক। ইউনিভাৰচিটি কেম্পাচত জাঙ্গিয়া এটা তৰিয়েই জৰাই ডিগ্ৰী লৈ শোভাই আছিল। অতুল কোচ নাম মাছুহ জনে চাৰ্টফিকেট নোহোৱা-কৈয়েই এম. এং, বি. এ. পাছ বুলি মন্ত্ৰী, এম. এল এ. হ'ল। জ' পাচ কৰিলে অত্যোকে। এম. এ, বি. এ পাচ কৰি আহিয়েই বাজনৈতিক সমস্যা সমাধান কৰাত লাগিল। আজি আমাৰ মুখ্যমন্ত্ৰী তথা বিত্ত মন্ত্ৰী ডাঙৰীয়াই সকলো দিশৰ ফালে জন্ম্য কৰিয়েই এটা চাৰপ্লাচ বাজেট দাড়ি ধৰিছে। নথ-ইষ্ট বাতৰি কাকত খনত বাজেট এপ্রাইজেলত এইদৰে লিখিছে যে—

(land is the means of livelihood, he is a citizen of India and as a citizen he is entitled to certains rights and priviledges as are enshrined in the Constitution of India, Saikia's budget, is a cleverman's budget, during the last few years the economic development of the State has been not only halted, but it has become practically stagnant, in close scrutiny it will appear to be a cleverman's budget, it has promised something for all, paucity of funds, economic affairs, loss and gain deficit, irrigation flood control health services)

গোটেই ছেগনেট অৱস্থাটো কেনে ধৰণে লষ্ট আৰু গেইনৰ মাজেৰে জানিব পৰা যায় তাৰ ওপৰতেই বাজেটখন দাড়ি ধৰা হৈছে। ইকোনোমিক্স হৈছে এটা এডিচনেল চাইল্স। এস্পায়াৰে এল, বি, ডান্সেট, দিয়াৰ নিচিনা কথা। চাৰপ্লাচ

বাজেট কেতিয়া কোন ফালৰ পৰা হব সেইটো ইকোনোমিক্স হে কৰ। নিজৰ গোক্ত নাই আনৰহে গোক্ত এনে অন্যায় কথা কৰ নালাগে। এই খন বাজেটত আমাৰ সকলোৰে কাৰণে উন্নয়ন মূলক কথা বতৰা আছে দুই চাৰিটা টকা পইচা সা-স্বিধাৰ কথা আছে। কিন্তু যোৱা এ, জি, পি, দিনত মুখ্য মন্ত্ৰী অফুল্ল কুমাৰ মহন্তৰ বাজেট কোনে তৈয়াৰ কৰিছিল। ইকোনোমিক্স বিষয়টো ইমান সহজ নহয়। মোৰো ইকোনোমিক্স বিষয়টো আছিল। কটন কলেজৰ প্ৰফেচৰ পৰমেশ্বৰ শৰ্ম্মাই এই বিষয়টো পঢ়াইছিল।

অধ্যক্ষ মহোদয়, জলসিঞ্চনত টকা আছে, বান নিয়ন্ত্ৰণত টকা আছে, স্বাস্থ্য বিভাগত টকা আছে পি-এচ-ইত টকা আছে। বিভিন্ন বিভাগত টকা আছে। আমাৰ সকলো ফালে প্ৰগতিৰ কাৰণে চিন্তা চক্র কৰি এই বাহি বাজেট দাখিল কৰিছে। এই বাজেটত মাটিৰ ব্যৱস্থা বৰ্খা নাই। সকলোৰে পক্ষেটলৈ পইচা ঘাৰ এইটো কথা নহয়। বাহিৰ বাজেট দাখিল কৰাৰ কাৰণে ভবিষ্যতে কষ্ট নহব এনে নহয় কিন্তু যদি মাটি বাজেট দাখিল কৰা গ'লহৈতেন, তেনেহলে বিৰোধী দলৰ বহুসকলে অশাস্ত্ৰি কাৰণ দেখিলেহৈতেন। মই ভাৰো এই বাজেট অসমৰ ভবিষ্যত শাস্তি আৰু সমৃদ্ধিৰ কথা চিন্তা চক্র কৰিয়েই আমাৰ অসমক আগুৱাই নিৱাব কাৰণেই দাখিল কৰা হৈছে। কিন্তু অশাস্ত্ৰিৰ স্থান কৰি পুলিচ মিলিটাৰিৰ দ্বাৰা বাজেটৰ পইচা অনৰ্থক ধৰ্য কৰাৰ পৰা বাজ্যথনক বক্ষাৰবাটোও আমাৰ সকলোৰে পৱিত্ৰ কৰ্তব্য বুলি মই ভাৰো। ১৯৮৩ চৰৰ আগত কিমানবোৰ দলং পোৱা হ'ল, কিমান মাঝুহক গৰা হ'ল, অথচ তাৰ পিচতেই ডঃ ভূপেন হাজৰিকাৰ নিচিমা লোকে বচনা কৰা ‘মাঝুহে মাঝুহৰ বাবে যদিহে অকণো নাভাৰে, অকণি সহাত্তুতিৰে ভাৰিব কোৱেনো কোৱা সমনীয়া পাৰ হৈ তোমাৰ সাহত তুমি হেকৱাৰামো কি বুলি গান গাইও মাঝুহ মাৰিছিল। সেই বিজাক কথাই যদি চলি থাকে তেতিয়াহলে সকলো মাঝুহৰ মঙ্গলৰ কাৰণে কৰা কথা কেতিয়াও বেয়া হ'ব মোৱাৰে। আজি খেতিয়কৰ কথা চিন্তা কৰা হৈছে। ছাত্ৰ-ছাত্ৰী সকলে খেতি পথাৰৰ কথা একেৰাৰে পাহাৰি গৈছে। কিছুমান মাঝুহ যেনে খেতি কৰাৰ কাৰণে স্বনিৰ্দিষ্ট হৈ আছে। মেইসকলৰ উন্নতিৰ কাৰণেও কাৰ্য কৰিব লাগে। সেই সকলৰ কাৰণেও সহযোগ আগবঢ়াৰ লাগে। মধুউৰীৰ গড়া

খইনীয়াৰ কাৰণে যিবিলাক কথা বাজেটত উল্লেখ কৰা হৈছে সেই বিলাকে আগস্তক দিনবোৰৰ কাৰণে দেশখন মূল্যৰ কৰাৰ আৰু পৰিস্থাৰ কৰিবৰ তাৰণে যথেষ্ট হব। সেই বিলাকৰ ক্ষেত্ৰত সহযোগিতা আগবঢ়াৰ লাগে। তাকে নকৰি কেৱল সমালোচনা কৰিলেই নহব। সমালোচনা কৰিবলৈ আৰু সময় পাৰ। পাঁচ বছৰৰ পিচত এই চৰকাৰে কি কৰিলে নকৰিলে সেই কথা গৈ বাইজৰ ওচৰলৈ যাৰ পাৰিব। কিন্তু এতিয়া বাজেট পাঁচ কৰিবলৈ যাওঁতে বিধি-পথালি দিয়া বা গ্রাউন্ট কথা উথাপিত হলৈ শুলাই যাব বা কিবা খাই অহাৰ নিচিলাকৈ মাইকটোকে মেৰাই ধৰিব এই বিলাক ঠিক কথা নহয়। শোভনীয় নহয়। প্ৰয়াত দৌনৈশ গোৱামী ডাঙৰীয়াও আপোনালোকৰ নেতা আছিল আগতে কংগ্ৰেছ আছিল। তেখেতৰ কথা আমাৰ ঘন্টে আহে কিয়নো বিধায়কসকলৰ এটা মানদণ্ড থকা উচিত। কথা আৰু বক্তৃতাৰ মাজত এটা মানদণ্ড থকা উচিত। কেৱল নাৰী মুক্তিৰ কথা উথাপন কৰিলেই নহব এতিয়া যিটো দেখা গৈছে পুৰুষো ধৰ'ণ হব আৰু এতিয়া অৰ্থনীতি ধৰ'ণ হৈ আছে। বৰ্তমানে অৰ্থনীতি ধৰ'ণৰ কথা চিন্তা কৰিব লাগে।

(সদনত ইঁহিৰ বোল উঠে)

এই বিলাক বিষয়ত চিন্তা চৰ্ছা কৰাৰ প্ৰয়োজন হৈছে। তাকে নকৰি বাজেট বক্তৃতাৰ গুপৰত ভাষণ দিবলৈ গৈ দহ কথা কলেই আলোচনা কৰা নহয়। কেৱল বাজেটৰ বিকল্পে কলেই দেশৰ স্থাৰ্থ সিঙ্কি নহব। মই সুখ্যমন্ত্ৰী তথা বিস্ত মন্ত্ৰী মহোদয়ে বিস্ত দণ্ডৰ কাৰণে যি বাজেট বক্তৃতা দাঙি ধৰিছে তাত সকলো প্ৰকাৰৰ ছবি আধি দেখিবলৈ পাইছো। অসমৰ হৈ যোৱা ষটনা বিলাক আৰু ছুর্যোগ বিলাক পাৰ হৈ যোৱাৰ কাৰণে ইয়াত ইঙ্গিত আছে আৰু অসমৰ অৰ্থনীতিক আঞ্চল্যাই নিয়াৰ কাৰণে লোৱা এই সাহসিক প্ৰচেষ্টাৰ কাৰণে আমি আনন্দ পাইছো সদনত দাখিল কৰা বাজেটখন সম্পূৰ্ণকৰ্তৃপক্ষে সমৰ্থন কৰি মোৰ বক্তৃতা সামৰণি মাৰিছো।

Mr. Speaker : Now, Dewan Joinal Abedin.

Dewan Joynal Abedin : Hon'ble Mr. Speaker Sir, Budget reflects the economic and fiscal policy of a Government. As such, the present budget reflects the economic policy of the present Congress (I) Government of the State. It

is true, I have picked up the clue from the Hon'ble Member, Shri Samsul Huda who was speaking just before me that during the past few years, the economy of the State has been quite stagnant. I fully agree with him that the economy of the State had been quite stagnant during the past few years. Now the question is whether the Budget that is just placed before the House is in a position to give motion to the stagnant economy. Now, Sir, if we consider this Budget very closely we find that there is no such thing in the Budget which can give any motion or real progress to the State. It has been pointed out by one Hon'ble Member Shri Chandra Mohan Patowary that there is a rise in net Domestic Product. Actually it is not so. In the following line which state that the per capita Domestic Products for 1991-92 registers an increase of 7.9% as against 15.3% of the preceeding year at the current price. It is apparent that the position of our economy is not so much rosy. It has been admitted that during the period from January to May 1991 the whole-sale price index has increased by 11% in comparison with that of the previous year. Now, Sir, this has further increased by 13% during the period from January to October 1991 over the corresponding period of 1990.

So Sir, it has been admitted that the economy of the State is in a very diplorable condition as the price index is showing an upward trend. Sir, under such circumstances, well, what the budget should have been, this budget is not. Sir, what it should have been? Assam is a poor State. It is said that Assam is rich State inhabited by poor people. It is rich in natural resources, but it is inhabited by poor people and very poor people. What it should make, we can bring

General Discussion on the Budget 23rd March

about development prosperity in the life of the poor people. For that, first thing, if we go through the budget, it should have taken such a policy, that it aims towards the development of the natural and economic condition of the State. We have come to know that the Government have taken some measures for modernisation of agriculture. This is primarily an agricultural State with more than 85% of people of the State as agriculturists. Modernisation of the agriculture and development of industrialisation, building up of necessary infrastructure, but the budget has not presented a very prospective picture. Now Sir, as regard agriculture, it has been claimed that the target has been achieved, we must admit it. But in today's modern we are to go a long long way by modernising our agriculture. With the help of agriculture and extensive use of fertilizer and modern improved varieties of seeds, the economic condition of the general people of the State can be improved. For instance, our neighbouring State Bangladesh where agriculture has been tremendously developed with the fresh agricultural output. We are lagging behind. This budget does not give us any picture for modernisation of agriculture. Here we do not find anything new. Because Assam is very very backward in industrial development, not to speak of new industries. Some provisions have been there regarding setting up of one Gas Cracker and Refinery. But the thing is that the already existing industries are dying out. There has been a proposal for reopening of the Ashok Paper Mill, but nothing has been done to revive till today.

Mr. Speaker : Time is over.

Dewan Joynal Abedin : (I would take five minutes time.) Not to speak of building up of new industries, even the closed down industries could not be opened. For building up of industries, Sir, the most important thing is to build up infrastructure i. e. proper communication system and electrification. Now Sir, in these two fields also the picture is very grim. Particularly, the electrification, I think there was much discussion here as regards the performance of the Assam State Electricity Board. There are lots of well-flowing rivers and water reservoirs, if we can properly utilise them, we can produce much electricity by which I think we can not only be able to meet our requirement but also can help our neighbouring States. There is no mention in the budget regarding provisions of development of electrification.

Sir, I would like to refer something about the Education Department now. In Education Department, it has been claimed that they have created some posts. It is a prerogative, it is Government duty. Now in practice, whatever posts they have created, why should not they face criticism. As regards the recruitment policy. Here Sir, they have not done two things. They have not followed a good recruitment policy, as a result, they are facing criticism and there has been a lot of corruption. It would be better on the part of the Government to try to curb the corrupt practice. They themselves give some circulars which they themselves have violated. As regards appointment of subject teacher in the Higher Secondary Schools no norms have been followed. Minister has given certain

lists for appointment of teachers and on the basis of that the appointments are made. This kind of practice they are doing. I have a lot of other things to say but as you are asking me to complete it, with these words I conclude.

Mr. Speaker : Please confine your time by 8 minutes only. I have also requested earlier to all the members to limit their speeches.

Now Dr. Abdul Matin Mazumdar.

Dr. Abdul Matin Mazumdar : Hon'ble Speaker Sir, the surplus budget may be a breathing space after years of deficit budget. But it is not a good sign for the State. As regards the priorities for social services measures it is welcome, but it is again erratic. I would like to point out the affairs of health and medical care services throughout the State. It is also one of the important services but in the budget I could see it has been most neglected. In the back ground of Sky high rise in the cost of essential medicines, general medical and specialist services the only hope of the common man is the Government hospital from State Dispensaries Health centres, sub-divisional district and Medical College Hospitals. In this connection I am under painful obligation of browing to this notice of the however Chief Minister who is unfortunately absent from this house and this August house the most deplorable condition of Silchar Medical College the young of the three medical college of Assam, a college still in perpetual animation.

The health care services, specially in the Silchar Medical College has been so poor. It is well known that the

standard of Silchar Medical College has gone down so much so that the Indian Medical Council has been constrained to de-recognise this Institution. The teaching and other function medical college available in the Silchar Medical College has been much below the standard expected of such an institution in the present scientific age. We are glad that Hon'ble Chief Minister has given the assurance to improve the condition of the Silchar Medical College and thereby stave de-recognition of the Silchar Medical College by the IMC. But the budget proposal as submitted by the Hon'ble Chief Minister, who is also the Finance Minister did not at all reflect these assurances given. Now for the plan allocation for the three Medical Colleges of Assam, a sum of Rs. 32 lakhs for the next financial year there is only an increase of over than of the current financial year. In the nonplan budget is only 12 lakhs over the last years non-plan budget allocation.

This additional increase will be eaten up by the increase in salaries and D.A. etc. In case of Silchar Medical College increase is only Rs. 6 lakhs which will be eaten up by increase in salary and D.A. etc. In case of SMC under the head of equipment and materials the allocation in the current financial year was only 14 lakhs whereas in the next financial year it is proposed to be 12 lakhs. Instead of increase it is decreased by 2 lakhs. In case of funds for construction of buildings for medical education and training in the current financial year, provision is 115 lakhs whereas this has been reduced to 36.5 lakhs in the next financial year. In the face of it I am afraid, Hon'ble Chief Ministers assurance will remain only in words. Same is the

case with other departments or other services. As for example, natural calamities and flood control, we were given to understand that pre-construction phase of Barak Dam would be started very soon. But what about saving the people of Barak valley from onslaught of flood that the centres of Barak dam completed. We are given to understand that the Pre-construction phase of Barak Dam would be started very soon. But what about saving the people of Barak valley from the onslaught of flood till the construction of Barak dam is completed. The funds for Flood Control in the last few years including the current financial year is so meagre that no repair work worth the name could be done in Barak Valley resulting in the bunds and Dykes becoming delapidated, vulnerable with breaches at almost at every furlong unable to control flood. The anti-erosion measure for protection of the banks of Barak could not be started this year for the inability of the Government to sanction funds. The Harang-basin which consists of more than 50% of the area and population of Barkhola and Kati-gorah constituencies has become a vast sea of water causing damage to crops every year and reducing people to extreme poverty. The North Eastern Council has backed from implementation of the Harang Project on the lines given by Brahmaputra Board. I would request the honourable Chief Minister to kindly consider the plight of the people of West Silchar, include the Harang Project in the list of Projects to be implemented in the next financial year.

Mr. Speaker: Now Hon'ble Member Shri Dilip Kumar Saikia,

★ **ଶ୍ରୀନିବାସ ଶହୀଙ୍କୁମାର :** ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ମାନନୀୟ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମହୋଦୟ, ତଥା ବିଜ୍ଞାପନ ମନ୍ତ୍ରୀ ଡାଙ୍ଗେବୀୟାଇ ଯିଥିନ ବାଜେଟ ଦାଖିଲ କରିଛେ ଇତିମଧ୍ୟେ ଆମାର ବିଭିନ୍ନ ସମସ୍ୟାକଳେ ଏହି ବାଜେଟର ଉପର୍ବତ ବକ୍ତ୍ବ୍ୟ ବାଖିଛେ, ବିଭିନ୍ନ ଧରଣେ ଅଳଂକାର ବହନ ସାନିଛେ ଆକୁ ସିଦିନା ଜଙ୍ଗୀ ଗୋହଁଇ ଡାଙ୍ଗେବୀୟାଇ କୈଛିଲ ବିଶ୍ୱବ ଭିତରତ ଏହିଥିନ ଏଥିନ ମୁନ୍ଦର ବାଜେଟ । କିନ୍ତୁ ମହି ଏହି ବାଜେଟରେ ଆଖ୍ୟା ଦିବ ବିଚାରିଛେ ଯେ ଏହି ଥିନ ଏଥିନ ପୂର୍ଣ୍ଣାଂଶ୍ଵ ବାଜେଟ । ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବାଜେଟର ଜୋବା ତାପଲି ମବା ଏଥିନ ବାଜେଟ । ଯିଥିନ ବାଜେଟର ଦ୍ୱାରା ଅସମର ଦୁଃଖୀଙ୍କ ମାନୁଷର କାବଣେ ଏକୋ ଉପକାରତ ନାହେ । ଧରୀ ଶ୍ରେଣୀର ମାନୁଷରଙ୍କ ଏହି ବାଜେଟର ଦ୍ୱାରା ଉପକାରତ ଆହିବ । ଏହି ପ୍ରଭିଜନର ଅବିହନେ ବାହି ବାଜେଟ କରିଲେ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ ହବ ନୋହାବେ । କାବଣ ଅର୍ଥନୈତିକ ଭାବେ ଆମି ଯଦି ଆଗବାଢ଼ି ଯାବ ନୋହାବେ ପ୍ରଭିଜନ ନହୟ ତେଜିଯାହଲେ ବାହି ବାଜେଟ କରିଲେଗୁ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ ନହୟ । ଆଜି ବାଜେଟଟ ୪୦ କୋଟି ଟଙ୍କା ଧର୍ଯ୍ୟ କରିଛେ । ବିଭିନ୍ନ ଧରଣର କର କଟିଲ ଲଗୋରା ହେଛେ । ଖୋରା ବନ୍ଦ୍ରର ଉପର୍ବତ କର-କାଟିଲ ଲଗାଇ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ କରିବ ବିଚାରିଛେ ।

ମାନନୀୟ ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ଅସମ ଏଥିନ କୃଷି ପ୍ରଧାନ ଦେଶ । ଭାବତର ଶତକରୀ ୮୫ ଭାଗ କୃଷିର ଉପରତେଇ ମାନୁଷ ନିର୍ଭବଶୀଳ । କିନ୍ତୁ ଅସମ ବାଜ୍ୟରେ କୃଷିର କାବଣେ କି କରିଛେ ? କୃଷିର କାବଣେ ଯିଥିନି କରିବ ଲାଗେ ସେଇଥିନି କରା ନାହିଁ । ଆମି ଦେଖିବଲେ ପାଇଛୋ ଯେ ଗାଁଞ୍ଚ ବିଜାକତ ଆଗତେ ଯାବ ୨ ଟା ଡଙ୍ଗୁଲ ଆହିଲେ ତେଣୁଲୋକର ଆଜି ଏଟାଓ ନୋହୋରା ହେଛେ । ଇଯାବ ମୁଖତେ କିଛିମାନ କାବଣ ଆହେ । ଅସମର ବାନପାନୀର ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ କରିବ ନୋହାବିଲେ କୃଷିର କେତ୍ତିଆଗୁ ଉପ୍ରତି ହବ ନୋଗାବେ । ମେହିକାବଣେ ଆଜି ବାନପାନୀ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ କରାବ ଉପର୍ବତ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିବ ଲାଗିବ । ଅସମ ଚରକାବେ ଯଦି କେଣ୍ଟିଯ ଚରକାବକ ଜୋବ ଦି ଆଚନି କରିବ ନୋହାବେ ତେଜିଯାହଲେ ଅକଳ କର-କାଟିଲ ଲଗାଇ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ କରିବ ନୋହାବେ । ଏହିଟୋ ଆଜି ଅସମର ଜଲସ୍ତ ସମସ୍ୟା ହିଚାପେ ଦେଖା ଦିଛେ । ଆମି ଦେଖିଛୋ ଆଜି ଶତକରୀ ୫ ଭାଗ ମାନୁଷ ଦିନକ ଦିନେ ଧରୀ ହେ ଗୈଛେ ଆକୁ ଶତକରୀ ୧୫ ଭାଗ ମାନୁଷ ଦିନକ ଦିନେ ଦୁଃଖୀ ହେ ଗୈଛେ । ଅର୍ଥାତ୍ ଦିବିଜ୍ଞତା ସୌମା ବେଥାବ ତଳିଲେ ଗୈ ଆହେ । ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମହୋଦୟ, ଆଜି ଗାର୍ବର ବାଇଜ ଚହରମୁଖୀ ହେଛେ । ଏହିଟୋ କେବଳ ଅସମରେ ନହୟ, ହାରିଯାନା, ବୋଷାଇ ଆଦି ଡାଙ୍ଗର ଡାଙ୍ଗର ବିଲାକତୋ ଚହରମୁଖୀ ହୋରା ଦେଖା ପାଇଛୋ । ଏହି ଚରକାବେ ନିର୍ବାଚନର ଇନ୍ଦ୍ରାହାତ

কৈছিল যে ২ মাহৰ পিচত বস্তুৰ দাম কমাই দিম। বস্তুৰ দাম কমাই দিম বুলি কৈ বাইজৰ পৰা ভোট আদায় কৰিলৈ। চৰকাৰ গাদীত বহিলৈ। কেলতো কৈছিল যে বস্তুৰ দাম কমাই দিম।

এই চৰকাৰৰ বিভিন্ন জনে আজি কৈছে যে তুটকা দামত চাউল দিয়া হৈছে। কিন্তু ১২ টকা দামত সেই সকল লোকেই দাইল খাৰ লগা হৈছে। অৰূপ নিৰ্বাচন বাঁ গাদী দখলৰ খাতিৰত মাঝুহক আঞ্চাসৰ পিচত আঞ্চাস দিলেই সমস্যা সমাধান নহয়। এই চৰকাৰৰই নিৰ্বাচিত হৈ আহিলে প্ৰথম প্ৰথম বছৰত ২ জাৰি নিবন্ধুৱাক চাকৰি দিম বুলি কৈছিল। কিন্তু কিমান জনক চাকৰি দিয়া হ'ল? শিক্ষা বিভাগে কৈছে যে ৪০ হাজাৰক দিয়া হৈছে। কিন্তু মই ভাৰী সঁচাকৈয়ে তেওঁলোকে ৪০ হাজাৰক চাকৰি দিব পাৰিছে নে? অকল চাকৰি দিয়েই সমস্যাৰ সমাধান নহয়। এই সমস্যাৰে সমাধান কৰিবৰ কাৰণে আমি বিভিন্ন আঁচনি হাতত লব লাগিব। আমি বাজনৈতিক দল বিলাকে বিভিন্ন কথা কৈ জমসাধাৰণক যি ধৰণে আঞ্চাস দি আহিছো সেইদৰে আমি তেওঁলোকক দিয়া আঞ্চাসৰ এশ ভাগে পালন কৰিব পাৰিছো নে? আজি গোৰ্খৰ বাইজে এটা কথা চিন্তা কৰি আছে যে বিধান সভা বহি আছে, আমাৰ বিধায়ক গৰাকীয়ে বা আমাৰ পৰিস্থিতিৰ কথাবোৰ উল্লেখ কৰিলৈ নে নাই? কেনেবাকৈ তেওঁলোকে বেডিঅ বা টেলিভিশন যোগে তেওঁলোকৰ বিধায়কে তেওঁলোকৰ সমস্যাৰ কথাবোৰ উপাপন কৰা বুলি জানে তেওঁয়াহলে তেওঁলোকে ভাবিব নিশ্চয় এইবাৰ আমাৰ সমস্যাৰে সমাধান হব। কিন্তু সেইটো জানো হৈছে? সেই কাৰণে অধ্যক্ষ মহোদয়, মই আপোনাৰ জৰিয়তে চৰকাৰক অনুৰোধ কৰিছো যাতে আমাৰ বস্তুৰ কামত লগাবলৈ চেষ্টা কৰে।

অধ্যক্ষ মহোদয়, আজি অসমৰ যিটো যুব সমাজ তেওঁলোকে যি কাৰণত উগ্ৰপন্থী হৈছে সেই ক্ষেত্ৰত এটা কৰ পাৰি—Some times the society compel them to became rebels. Some times the law order situation compel them to became rebels: এই কথা বিলাক আমি বিবেচনা কৰি চাব লাগিব। অৱশ্যে এইখনিতে মই বিনোৱা ভাৰে এটা কথালৈ মনত পৰিহে—সেইটো হ'ল এবাৰ বিনোৱা ভাৰে গুচৰলৈ ৩ জন শিক্ষিত নিবন্ধুৱা গৈ তেওঁক কলে যে আমি চাকৰি বিচাৰি আহিছো—আমাৰ

চাকবি দিয়ক। তেতিয়া বিনোৱা ভাৱে তেঙ্গলোকৰ এজনে কলে যে মই তোমালোকৰ প্ৰত্যেককে একোটা চাকবি দিম, সেইমতে কৰিব লাগিব। পিচত বিনোৱা ভাৱে প্ৰথমজন ল'বাক কলে মই তোমাক দুবিষা মাটি দিম, দ্বিতীয় জনক কলে মই তোমাক দুজনী গাই দিম আৰু তৃতীয় জনক কলে যে তোমাক মই এটা পুখুৰী দিম। এই থিনি তোমালোকে চলাই কৰি থাৰ পাৰিবা নে? তেতিয়া লৰা কেইটাই সেইখিনি চলাই কৰি থাৰ নোৱাৰিম বুলি উন্নৰ দিলে। তেতিয়া ভাৱে ক'লে যে প্ৰকৃততে তোমালোকে আচল শিক্ষা এতিয়াও পোৱা নাই। ঠিক সেইদৰে আমাৰ ঘূৰ সমাজেও আজি কেৱল চাকবি বিচাৰি অফিচে অফিচে ঘূৰি ফুবিলৈ নিশ্চয় সমস্যা সমাধান নহয়। সেই কাৰণে আমাৰ যিটো শিক্ষা ব্যৱস্থা এই ব্যৱস্থা সঁচাকৈয়ে দুখ লগা। ইয়াৰ যদি প্ৰকৃততে সংশোধন কৰা নহয় তেনেহলে অসমৰ শিক্ষা ব্যৱস্থাৰ লগতে ভৱিষ্যত নিবহুৱা সমস্যাই কি কপ ধাৰণ কৰে সেইটো অনুমান কৰিব নোৱাৰিব। এইখিনিতে মই শিক্ষা ব্যৱস্থাৰ আৰু এটা কথা কৰ খুজিছো—এইবাৰ শিক্ষা বিভাগত শিক্ষকৰ চাকবিৰ কাৰণে বিভিন্ন বোৰ্ড গঠন কৰি দিয়া হৈছে। কিন্তু এল, পি, স্কুলৰ শিক্ষকৰ ইন্টাৰভিউ এক ভেকো ভাওৱাহে হৈছে। মোৰ নিজা জিলা ধৰ্মোজীত শিক্ষক পদৰ কাৰণে প্ৰায় ৯ হাজাৰ প্ৰার্থী আছিস। কিন্তু উপযুক্ত প্ৰার্থীক নিদি এঙ্গলোকে চাকবি দিয়াৰ নামত একোজন প্ৰার্থীৰ পৰা ১০ ব পৰা ২০ হাজাৰ লৈ টকা লৈছে। কোনোৰাই মাটি বিক্ৰী কৰি বা কোনোৰাই গৰ বিক্ৰী কৰি এই টকা দিব লগা হৈছে। এফালে এই জিলা খনতে বানপানীৰ সমস্যাই বাইজক আটাইতকৈ বেছি জুকলা কৰি আহিছে অথচ এই জিলা খনবে নিবহুৱা সকলক লৈ এচাম লোকে বাজনীতি কৰিবে। সেই কাৰণে মই আপোনাৰ জৰিয়তে মাননীয় মুখ্য মন্ত্ৰী মহোদয়ৰ দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিব খুজিছো যে এই কথা বোৰৰ প্ৰতি তেঙ্গলোকে এতিয়াৰ পৰাই চকু দি সজাগ হওক, নহলে এই সমস্যাবোৰে পিচলৈ আৰু জটিল কপ ধাৰণ কৰিব। সেই কাৰণে আমাৰ শিক্ষা বিভাগে “মেন মেকিং এডুকেশন” পলিচি গ্ৰহণ কৰক। আজি যদি মাঝুহৰ প্ৰকৃত জ্ঞান নহয় তেনেহলে তেঙ্গলোকে এই সমাজত কেনেকৈ ৰাস কৰিব বা কেনেকৈ নিজৰ জীৱন যাপনৰ পৰতি অৱলম্বন কৰিব সেইটো শিক্ষাৰ জৰিয়তে আমি দিব লাগিব। আমি আজি ডাঙৰ ডাঙৰ ডিগ্ৰী লৈছো যদিও প্ৰকৃত কামত আছিব পৰা জ্ঞান আমি আহৰণ কৰিব পৰা নাই। আমি বহুতেই আজি

এম, এল, এ, বা মন্ত্রী হৈছো - কিন্তু আমি ৰঘূনাথ চৌধুৰীৰ ক্রিতাপ পঢ়িব
লগা হৈছিল। তেওঁ কিন্তু ৮ম মান শ্ৰেণীলৈহে পঢ়িছিল। গতিকে আমাৰ
শিক্ষা ব্যৱস্থাৰ আশু সমাধান ভহলে আমি কেতিয়াও শিক্ষিত হব নোৱাৰিম।

কৃষিৰ ক্ষেত্ৰতো যই এটা কথা উল্লেখ কৰিব খুজিছো। যোৱা বিধান
সভাতে কৃষি বিগণন নিগমক ৪৮ লাখ টকা দিয়াৰ কাৰণে ব্যৱস্থা গ্ৰহণ কৰা
হৈছিল। কিন্তু এই টকাতো এতিয়াও দিয়া হোৱা নাই। এই টকাতো ধাৰ্য্য
কৰা হৈছিল এই নিগমৰ কৰ্মচাৰী সকলৰ দৰমহা আৰু মৰগীয়া বানচৰ কাৰণে।
সেই কাৰণে এই টকাখিনি অতি সোনকালে আদায় দি নিগমৰ কৰ্মচাৰী সকলক
সকাহ দিব বুলি আশা কৰিলো।

অধ্যক্ষ মহোদয়, আপুনি মোক বাবে বাবে সময়ৰ সংকেত দি আছে,
মই আৰু বেছি বহলাই নকঙ্গ। মাত্ৰ আৰু এটা কথাই উল্লেখ কৰিব খুজিছো
যে আমাৰ বাজ্য থনৰ যি আন্তঃবাজ্যিক সীমা সমস্যা আছে সেইটো চোৱা
চিতা কৰিবৰ কাৰণে এটা 'ইটাৰ ছেট বৰ্ডাৰ চিকিউৰিটি ফ'ট' খুলিব লাগে।
এইটো গঠন কৰিলে আন্তঃবাজ্যিক সীমা বিবাদ সমাধান কৰাত যথেষ্ট সহায়ক
হব আৰু আমাৰ কিছু নিবহুলা যুবকৰো কৰ্ম সংস্থান ওলাৰ। এই ক্ষেত্ৰত
মই চৰকাৰক বিহিত ব্যৱস্থা লবৰ কাৰণে দৃষ্টি আকৰ্ষণ কৰিলো আৰু অসমৰ
যিৰোৰ জলস্ত সমস্যা আছে সেইবোৰ এই বাজেটত কিছু পৰিমাণে সংযোজন
কৰি হলেও সমাধান কৰিব বুলি আশা বাখি মোৰ বক্তব্যৰ সামৰণি মাৰিলো।

গ্ৰীদেবেন বক্তাৰা : মাৰ্বণীয় অধ্যক্ষ মহোদয়, আমাৰ মাৰ্বণীয় মুখ্যমন্ত্ৰী
মহোদয়ে, এই সদনত যিথন বাজেট উথাপন কৰিছে সেইথন বাজেট এখন উৎকৃষ্ট
বাজেট। এই বাজেট থনত বিভিন্ন দলৰ সদস্য সকলে যিথিনি সমালোচনা
কৰিছে সেই সমালোচনাখিনি বৰ ধৰ্ত'ব্য নহয়, কিয়নো, বিৰোধী দলৰ সদস্য
সকলে যিথিনি সমালোচনা কৰিছে তেথেত সকলৰ প্ৰায়খিনি কথাকে এই
বাজেটে সমাধান কৰিছে। এই বাজেট থনত আয় আৰু থৰচ হয়োটা দিশকে
ভালদৰে পৰীক্ষা কৰি চাৰ লগা আছে। এইটো পৰীক্ষা কৰিবলৈ হলে
আমি ইয়াৰ আগৰ তিনি বছৰৰ বাজেট পৰীক্ষা কৰি চাৰ লাগিব।

Mr. Speaker : Now it is 5.00 P. M: The House stands
adjourned till 9.00 A. M. tomorrow, Tuesday,
the 24th March, 1992.

The House rose at 5 P.M. and stood adjourned till 9 A.M. tomorrow the 24th March, 1992.

Dispur

The 23rd March, 1992

S. N. Deka

Assam Legislative Assembly

ANNEXURE I

(True Copy)

Assam Schedule XL-A (Part I) Form No. 137

FIRST INFORMATION REPORT

First information of a sognisable crime reported under Section 154, Criminal Procedures

Code

Police Station Jogighopa

SUB-DIVISION

North Salmara

DISTRICT

BongaigaonCase No. 99/91 Date and hour of occurrence 3 (three)

Month back:

Date and hour of occurrence and distance and direction from Police Station

Date of despatch from Police Station.

Date and hour of occurrence and distance and direction from Police Station

Kabaitary2 K. M. Fast10. 10. 91

N. B. : A first information must be authonticated by the signature mark or thumb impression of informant attested by the signature of the office recording.

Name and residence of informant and accused	Name and residence of complainant	Brief description of offence with section and of property carried off if any	Step taken regarding investigation explanation and of protection of delay in recording information.	Results of the Cs.
<u>at 8 A.M.</u>	<u>17. 10. 91</u>	<u>Kabaitary</u>	<u>10. 10. 91</u>	<u>2 K. M. Fast</u>

1992

117

1	2	3	4	5
2/Lt. Vinoy Varma I/C-49215-H Army Camp Commander North Salmara C. Coy. Cdr. 16 Kumaun Regt. C/O 99 A. P. O.	1. Latif 2. Nripen Sutradhar 3. Tiken Kalita.	U/S 448/506/352/34 House trespass criminal intimidation assault with infortherence of common intention		I shall investigate the case.

Signed Sd/- H. Neog (S. I.)
Designation O/C Jogighopa
P. S. 17. 10. 91.

(First Information To Be Recorded Below)
The written ejahar of the Complt. received through O/C A. Puri P. S. treated
as F. I. R. which is enclosed herewith.

Sd/- H. Neog S. I.
O/C Jogighopa P. S.
17. 10. 91.

23rd March

To,

The Officer-Charge Police Station, Jogighopa.

Sub:- F. I. R.

On being informed by our source that 3 months back the following individuals. 1) Latif Ahmed 2) Sri Nripen Sutradhar, 3) Shri Tiken Kalita;

Forcibly tried to recruit Shri Tapan Roy and others for ULFA Cadres trasspassed and physically assualted them when these people refused to join the ULFA. They were treatenced for life and were worned not to inform the police or public from then onwards these people are Continously threatening them. On being identified by our source these 3 individuals were apprehended by Army.

Note :- This is for your information and necessary action please.

Sd/- Vinoy Verma

I/C 49215-H

2/Lt: Vinoy Verma

Received vide A/puri P. S. G:D.E. No. Army Camp
 601 dt. 16. 10. 91 and forwarded to Commander.
 O/C Jogighopa P. S. for taking North Salmara,
 necessary action. C-Coy/CDR:
 16 Kamanu Regt.
 C/O 99 APO.

Sd/- S. Kalita S. I.

O/C A/Puri P. S.

Dt. 6. 10. 91.

Received and registered Jogighopa P. S. case No. 99/91/
 U/S 448/506/352/34 I.P.C

Sd/- H. Neog S. I.

O/C Jogighopa P. S.

Dt. 17. 10. 91.

ANNEXURE-II

Name of Stadium (District wise)

<u>Name of District</u>	<u>Name of Stadium</u>
1. Kokrajhar	1. Dotoma,
2. Karimganj	2. Kokrajhar
3. Hailakandi	3. Karimganj
4. Cachar	4. Hailakandi
5. N. C. Hills	5. Silchar
6. Karbi-Anglong	6. Sonabarighat,
7. Dhubri	7. Haflong
8. Bongaigaon	8. Howraghat,
9. Goalpara	9. Dhubri,
10. Nalbari	10. Bijni
11. Kamrup	11. Boladmari,
12. Sonitpur	12. Kalag,
13. Morigaon	13. Chamata,
14. Nagaon	14. Chamata H.S. School,
15. Barpeta	15. Nalbari
16. Sibsagar	16. Mirza
17. Jorhat	17. Jamugurighat,
18. Lakhimpur	18. Biswanath Chariali,
	19. Tezpur,
	20. Morigaon,
	21. Beloguri,
	22. Jalah,
	23. Sibsagar,
	24. Morigaon,
	25. Mukutinagar,
	26. Chabati (Teliachapari)

23rd March

- | | | | |
|-----|-----------|-----|----------------|
| 19. | Dhemaji | 27. | Dhemaji |
| 20. | Dibrugarh | 28. | Chabua |
| | | 29. | Naharkatia, |
| | | 30. | Dibrugarh, |
| 21. | Tinsukia | 31. | Tinsukia, |
| 22. | Kamrup | 32. | Nehru Stadium, |
| 23. | Nagaon | 33. | Nurul Amin, |
| 24. | Jorhat | 34. | Jorhat Stadium |
| 25. | Tinsukia | 35. | Tinsukia, |

LIST OF MINI STADIUM

- | | | | |
|----|------------|-----|------------------|
| 1. | Karimganj | 1. | Karimganj |
| 2. | Hailakandi | 2. | Hailakandi |
| 3. | Cachar | 3. | Sonai |
| 4. | Dhubri | 4. | Chapar Salkocha, |
| 5. | Kokrajhar | 5. | Agomoni |
| 6. | Bongaigaon | 6. | Dotoma |
| 7. | Goalpara | 7. | Harigaon |
| 8. | Barpeta | 8. | Kokrajhar |
| 9. | Nalbari | 9. | Bongaigaon, |
| | | 10. | Dudhnoi, |
| | | 11. | Gobardhana |
| | | 12. | Jalah |
| | | 13. | Barpeta |
| | | 14. | Bajali |
| | | 15. | Bhabaipur |
| | | 16. | Tihu-Barama |
| | | 17. | Sagarkuchi, |
| | | 18. | Barkhetri |
| | | 19. | Tamulpur, |

10.	Kamrup	20	Dimoria
11.	Darrang	21	Hajo
12.	Sonitpur	22	North Guwahati,
13.	Lakhimpur	23	Karara
14.	Dhemaji	24	Rangia
15.	Dibrugarh	25	Amranga
16.	Tinsukia	26	Chhaygaon,
17.	Sibsagar	27	Kalaigaon
18.	Jorhat	28	Tangla
19.	Golaghat	29	Chaiduar
20.	Nagaon	30	Naduar
21.	Morigaon	31	Tumukhi
		32	Dhekiajuli
		33	Dhalpur
		34	Dhakuakhana
		35	Dhemaji
		36	Joy
		37	Lahowal
		38	Panitola
		39	Sadia
		40	Margherita
		41	Dimow
		42	Amguri
		43	Sonari
		44	Titabar
		45	Teok
		46	Majuli
		47	Bokakhat
		48	Furkating
		49	Sarupather
		50	Kathalguri
		51	Pakhimaria
		52	Kachamari
		53	Chandchuki
		54	Dhing
		55	Kaliabbar
		56	Mayong

23rd March

ANNEXURE III
Volley Ball (Senior)

YEAR	NO. OF PLAYERS								Total		
	Barpeta	Nalbari	Kamrup	Darrang	Sonitpur	Dibrugarh	Sibsagar	Jorhat	Golaghat	Nagaon	
1970											12
1971											12
1972											12
1973											12
1974											12
1975											12
1976											12
1977											12
1978											12
1979											12
1980	5	4	1	-	-	1	-	-	-	1	12
1981	4	4	2	1	-	-	1	-	-	-	12
1982	5	3	1	-	1	1	-	-	1	-	12
1983	5	2	2	-	-	1	-	-	1	-	12
1984	4	3	-	1	-	-	1	-	1	-	12
1985	5	2	1	-	1	-	-	-	2	1	12
1986	3	4	1	1	-	1	-	1	-	1	12
1987	4	2	2	-	1	1	1	-	1	1	12
1988	3	3	2	-	1	1	-	1	1	2	12
1989	5	2	1	-	1	-	1	-	1	-	12
1990	4	2	1	-	1	1	-	1	1	1	12
1991	4	3	2	-	-	-	-	-	1	-	12

Materials are not available

FOOTBALL
Sub-Junior

No. of players	Year	Sub-Junior												Total					
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	
Kokrajhar	1970																		18
Nalbari	1971																		21
Kamrup	1972																		31
Darrang	1973																		30
Soniapur	1974																		24
Dhemaji	1975																		28
Dibrugarh	1976																		
Tinsukia	1977																		
Sibsagar	1978																		
Jorhat	1979																		
Golaghat	1980																		
Nagaon	1981																		
Cachar	1982																		
Hailakandi	1983																		
N. C. Hills	1984																		
Karbi-Aiton	1985																		
Total	1986																		
	1987																		
	1988																		
	1989																		
	1990																		

Materials are not available

VOLLEYBALL (JUNIOR)

124

23rd March

VOLLEY BALL (Sub-Juior)

YEAR	NO. OF PLAYERS							Total
	Barpeta	Nalbari	Kamrup	Darrang	Soniitpur	Dibrugarh	Sibsagr	
1970								11
1971								12
1972								12
1973								12
1974								12
1975								12
1976								12
1977								12
1978								12
1979								12
1980	3	3	2	-	-	1	-	12
1981	4	2	1	-	-	1	2	12
1982	4	3	1	-	-	1	1	12
1983	5	2	2	-	-	1	1	12
1984	4	2	1	1	-	1	2	12
1985	3	3	1	1	-	1	1	12
1986	3	3	1	1	-	1	2	12
1987	4	4	1	-	-	1	1	12
1988	5	3	2	-	-	1	1	12
1989	4	3	1	-	-	1	2	12
1990	3	3	2	-	-	1	2	12
1991	3	2	-	-	-	1	1	12

Materials are not available